फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 258 प्रभात जयपुर, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Tanzania! The Land Of Cheetah And Savannah!

After successful relocation of tigers to Sariska, voices in favour of cheetah translocation could no more be ignored

René Lalique's Art Nouveau Walking Stick

The Art Nouveau movement exemplifies the fusion of beauty and functionality that characterized Parisian design around 1900

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी आई-पैक पर छापा पड़ने से हिल गए ममता बनर्जी व स्टालिन

दोनों पार्टियाँ, यह ही कहने में जुटी हैं कि छापा पड़ने व कुछ उच्चाधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद भी चुनाव अभियान पर कोई फर्क नहीं पड़ा है, चुनाव अभियान पहले जैसे यथावत चल रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। आई-पैक पर बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच, तृणमूल और डीएमके (द्रमुक) दोनों, अपने चुनाव अभियानों को किसी भी व्यवधान से सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। यह कंसल्टेंसी फर्म, जो कभी उच्च-दांव वाले चुनावी रणनीति में केन्द्रीय भूमिका निभाती थी, अब जांच के दायरे में है, जिससे दोनों पार्टियों ने सोच समझकर नियमित बदलाव किए और इन हाउस सिस्टम को प्रचार के लिए चुना है।

- प्रशांत किशोर, एक बार तो चुनाव रणनीतिकार के रूप में आधुनिक अवतार के रूप में उभरे थे तथा कांग्रेस व भाजपा से भी लंबी-लंबी बाते हुई थी, पार्टी का संगठन और सोच प्रशांत किशोर को सौंपने के बारे में। कांग्रेस व भाजपा दोनों पार्टियों ने उनके इस चमत्कारी ''प्लान'' को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया था। पर, तृणमूल और डीएमके ने उनका प्लान स्वीकार किया और काफी कुछ प्रशांत किशोर पर निर्भर हो गए थे।
- प्रशांत किशोर ने अधिकृत रूप से आई-पैक से अपने आप को अलग करके सीधे चुनाव व ग्रास रूस स्तर से राजनीतिक गतिविधि शुरु की तथा जन स्वराज पार्टी नाम से पार्टी बना कर बिहार के चुनाव में कूदे। परन्तु, उन्हें करारी हार मिली, एक भी सीट नहीं जीते, बिहार के चुनाव में।
- पर, उनके द्वारा शुरु की गई संस्था आई-पैक, बंगाल व तमिलनाडु में खूब फली-फूली। दोनों राज्यों में उनका प्रभुत्व, सिक्का, ममता बनर्जी व स्टालिन ने स्वीकार किया तथा आई-पैक पर उनकी निर्भरता पूर्ण थी। पर, अब दोनों नेता यह कहने में जुटे हैं कि आई-पैक का रोल केवल साथ देने तक सीमित था।

दोनों पार्टियों का जोर अभियान की निरंतरता पर है और नेताओं ने स्पष्ट किया है कि अंतिम चरण में अभियान की गति कम नहीं होने दी जाएगी।

पश्चिम बंगाल में, तृणमूल की आई-पैक पर निर्भरता 2021 विधानसभा चुनावों के बाद से लगातार समायोजित की जा रही है, जब प्रशांत किशोर के नेतृत्व में इस फर्म ने संदेश और अभियान संरचना पर लगभग पूरी तरह से नियंत्रण रखा था। इसके बाद, अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी ने आंतरिक टीमों का निर्माण किया, जो अब डेटा, बूथ प्रबंधन और मतदाता संपर्क संभालती हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीवर में सफाई कर्मचारियों की मौत पर मानवाधिकार आयोग ने जवाब मांगा

जयपुर, 21 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने झोटवाड़ा इलाके में सीवरेज में सफाई के लिए उतरे दो सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस कमिश्नर, निगम आयुक्त, झोटवाड़ा जोन उपायुक्त और सामाजिक न्याय निदेशक से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है।

इसके साथ ही, आयोग ने कहा कि दोषी फर्म के अधिकारियों और निगम के जिम्मेदार अफसरों पर उचित कार्रवाई करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने के साथ ही यह

- आयोग ने दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही तथा मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने को कहा।

सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में सीवर में सफाई के लिए कर्मचारियों को नहीं उतारा जाए व इस संबंध में सार्वजनिक सूचना भी जारी की जाए।

आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि ऐसी घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है। सफाई कर्मचारियों को गैस से भरे सीवर में उतारना, स्वयं में मानव वध के समान गंभीर प्रकृति का कृत्य है।

नुकसान सीमित क्षेत्र में रहा, मरम्मत कर रिफायनरी शीघ्र शुरु कर लेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने रिफायनरी के निरीक्षण के बाद कहा कि एचपीसीएल के अधिकारियों को मशीनें ठीक करने में पूरा सहयोग देंगे

जयपुर, 21 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज बाड़मेर जिले के पचपदरा स्थित राजस्थान रिफाइनरी का दौरा कर हाल ही में हुई घटना का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने आग पर तत्परता से काबू करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने सुरक्षा मानकों की पुनः समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

रिफाइनरी परिसर का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पचपदरा स्थित रिफाइनरी का अग्निकांड के बाद निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ हादसे को लेकर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में हुई घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ''सैंटर पीस'' बन गए हैं, असम, बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार में

इन राज्यों में गैर भाजपा दल प्रधानमंत्री मोदी पर कई आरोप लगा रहे हैं और भाजपा इन आरोपों को देश की जनता का अपमान बता रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक प्रवृत्ति देखी जा रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विपक्षी नेताओं द्वारा कथित या वास्तविक ''अपमान'' के विरोध में अभियान चलाने की कोशिश भाजपा द्वारा की जा रही है।

- हाल ही में तमिलनाडु में दिए गए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर भाजपा नेता हंगामा कर रहे हैं कि खड़गे ने मोदी को ''आतंकवादी'' कहा है। भाजपा ने कहा कि खड़गे को देश से माफी मांगनी चाहिए।
- इससे पहले प.बंगाल में तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने प्र.मंत्री को ''सबसे बड़ा घुसपैठिया'' कह दिया था, इस पर भी भारी बवाल मचा था और भाजपा ने इस पर उग्र विरोधी अभियान चलाया।

पिछले महीने, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को कथित रूप से ''सबसे बड़ा घुसपैठिया'' बताया, जिससे विवाद बढ़ गया। तमिलनाडु में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को कथित रूप से ''आतंकवादी'' कहकर भाजपा में उफान ला दिया, और भाजपा ने माँग की कि खड़गे राष्ट्र से माफी माँगें। इससे पहले, बिहार में भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ हीराबेन के खिलाफ विपक्षी मंच से की गई अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर बहुत आक्रोश में थे। इन विवादों की एक आम विशेषता यह है कि प्रधानमंत्री मोदी इस नाटक के केन्द्र बिंदु रहे। ऐसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सीजेआई सूर्यकांत 18 घंटे काम करते हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। 19 अप्रैल को, मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बैंच के लिए नए अतिरिक्त न्यायालय

- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुंदरेश ने यह बात मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच के नए अतिरिक्त भवन के उद्घाटन समारोह में कही। कार्यक्रम में सीजेआई सूर्यकांत भी थे। जस्टिस सुंदरेश बता रहे थे कि जज का जीवन कितना व्यस्त होता है।

भवन और गेस्ट हाउस का उद्घाटन मदुरै जिला न्यायालय में किया गया। इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ न्यायाधीशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान युद्ध में गतिरोध जारी, अभी तक वार्ता स्थगित है

दोनों तरफ से बस धमकियों का आदान-प्रदान हो रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिर से शुरू करने का प्रयास पश्चिम एशियाई खाड़ी के किनारों पर फंस गया है।

स्पष्ट गतिरोध दिखाई दे रहा है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से बमबारी फिर से शुरू करने की धमकी शामिल है। स्थिति को और ज्यादा जटिल यह स्थिति बनाती है कि अमेरिकी मरीन ईरानी जहाजों पर चढ़ गए और उन्हें उच्च समुद्र में ही जब्त कर लिया। ईरान की ओर से दावा किया गया है कि यदि अमेरिका जमीनी लड़ाई में उतरता है, तो उसके सेनानी पूरी तरह से सशस्त्र हैं और युद्ध के लिए तैयार हैं।

इस मौजूदा गतिरोध के पीछे दो मूलभूत मुद्दे हैं, पहला, होर्मुज़ स्ट्रेट की पूर्व स्थिति की बहाली, यानी इसे एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में मान्यता देना, जिस पर किसी देश का कोई विशेष अधिकार न हो, और दूसरा,

- अमेरिका ने ईरान के दो जहाजों को एक ओमान की खाड़ी और दूसरा हिन्द महासागर पर बंदी बना लिया है।
- ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एक जहाज पर वो सामान था जो चीन, ईरान को बतौर सौगात भेज रहा था। ट्रंप ने चीन को भी धमकी दी कि वो दिक्कत में फंस जाएगा। पहले भी ट्रंप ने चीन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अगर, चीन ने ईरान को युद्ध की सामग्री दी।
- यह भी माना जा रहा है कि अमेरिका व ईरान के बीच सीज़फायर की अवधि अब बुधवार को पूरी हो रही है तथा दोनों देश युद्धविराम की अवधि बढ़ाने के लिए वार्ता पुनः शुरु हो, उसके पहले अपनी-अपनी तलवारें खड़खड़ा रहे हैं तथा ईरान ने भी कहा कि उसके जांबाज़ युद्ध पुनः शुरु करने को लालायित हैं।

बड़ी मात्रा में समृद्ध यूरेनियम का निपटान, जो कथित रूप से किसी पहाड़ी गुफा में छिपा हुआ है।

इसलिए, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिलहाल स्थगित लग रही है, जबकि अमेरिकी टीम, जो नामित और तैयार है, वॉशिंगटन में रुकी हुई है। अमेरिका ने बार-बार कहा है कि एक टीम, जिसका उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस फिर से नेतृत्व कर रहे हैं, इस्लामाबाद के लिए रवाना होने के लिए तैयार है।

इसी बीच, ईरान ने इस्लामाबाद आने से इनकार कर दिया। ईरान का कहना है कि होर्मुज़ स्ट्रेट पर अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान से जुड़े जहाजों पर कब्जा करना जारी है।

अमेरिका ने सोमवार को एक और ईरानी जहाज जब्त किया, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन से आने वाले उपहारों से भरा बताया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पहले रिपोर्ट किया था कि चीन ईरान को महत्वपूर्ण उपकरण और निगरानी उपकरण भेज रहा था।

चीन ने इन आपूर्तियों का खंडन किया है, लेकिन ईरान द्वारा अमेरिकी संपत्तियों पर सटीक हमले किसी भी प्रकार की खुफिया साझेदारी और विशेष उपकरण की मौजूदगी की ओर संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिला की ''आउट ऑफ टर्न'' सुनवाई की जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में गठित एक अपीलीय न्यायाधिकरण से

- सुप्रीम कोर्ट ने प.बंगाल की एक महिला के सम्बंध में एपेलैट ट्रिब्यूनल को यह निर्देश दिया। ज्ञातव्य है कि आधार व पासपोर्ट होने के बाद भी एसआईआर प्रक्रिया में मतदाता सूची से उक्त महिला को बाहर कर दिया गया था।

अनुरोध किया कि वह उस महिला की विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई प्रदान करे, जो एसआईआर प्रक्रिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 42 बीघा भूमि विवाद में एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई

अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जयपुर विकास प्राधिकरण सहित अन्य से जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने जयपुर में बी-टू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित अन्य से जवाब मांगा है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश मंगलवार को श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत में आवासन मंडल की ओर से कैविएटर के तौर पर अधिवक्ता दिनेश

- ज्ञात रहे कि जयपुर में बी-टू-बाईपास पर 2200 करोड़ रुपए की उक्त बेशकीमती जमीन पर पिछले दिनों हाईकोर्ट की एकलपीठ ने हाऊसिंग बोर्ड का मालिकाना हक माना था।
- अब खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसमें इस 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया था।
- श्रीराम कॉलोनी की ओर से दायर अपील में सीनियर एडवोकेट कमलाकर शर्मा और आशीष शर्मा ने बताया कि एकलपीठ ने उन मुद्दों पर पुनः निर्णय दिया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से पहले ही तय किए जा चुके हैं। आवासन मंडल ने अपीलार्थी पर धोखाधड़ी के जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों को भी पूर्व में ही न्यायिक कार्यवाहियों में खारिज किया जा चुका है।

यादव मौजूद रहे, जबकि श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और उनके सहयोगी आशीष शर्मा पैरवी के लिए उपस्थित हुए।

श्रीराम कॉलोनी की ओर से दायर अपील में सीनियर एडवोकेट कमलाकर शर्मा और आशीष शर्मा ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को उन मुद्दों पर पुनः निर्णय दिया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से पहले ही तय किए जा चुके हैं। इसके अलावा राजस्थान आवासन मंडल ने अपीलार्थी पर धोखाधड़ी के जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों को भी पूर्व में ही न्यायिक कार्यवाहियों में खारिज किया जा चुका है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि 31 जुलाई 1981 के विक्रय समझौतों को शून्य घोषित करना, वहां गत करीब 4 दशक से रह रहे 200 परिवारों के साथ अन्याय है। ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को अपने आदेश में जेडीए की ओर से 29 मई, 1995 को इस 42 बीघा जमीन पर दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध मानते हुए कहा था कि समझौता विक्रय से स्वामित्व हस्तांतरित नहीं होता है। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा था कि ''धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश अंतिम हो तो भी वह अवैध ही होता है। 12 फरवरी, 2002 को एकलपीठ से गलत तथ्यों से आदेश प्राप्त किया गया था, ऐसे में उसे रद्द किया जाता है। एकलपीठ ने वर्ष 1986 की ऑडिट रिपोर्ट और 25 जुलाई, 2019 की जांच समिति रिपोर्ट के आधार पर माना कि अधिग्रहण से पूर्व ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं थी और समिति ने मूल खातेदारों को भी पक्षकार नहीं बनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि खातेदार सिविल कोर्ट में जमा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 21 अप्रैल। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने घर में घुसकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त आकाश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत

- इस घटना की रिपोर्ट मानसरोवर थाने में अक्टूबर 2023 को हुई थी।

ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पीठासीन अधिकारी दीक्षा सूद ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग पीड़िता के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया है। इससे वह न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रताड़ित हुई है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। –जैक वेल्च

परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में देश का बड़ा कदम

इस माह के पहले हफ्ते में भारत ने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जब तमिलनाडु के कल्पक्कम में 500 मेगावाट के फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के प्रोटोटाइप ने सफलतापूर्वक पहली क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। इसका अर्थ है कि इस संयंत्र में परमाणु के लगातार चल सकने वाली नियंत्रित विखंडन श्रृंखला की शुरुआत हुई है। देश में दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। यह उपलब्धि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की सभी शर्तों को पूरा करने के बाद मिली, जिसने संयंत्र प्रणालियों की सुरक्षा की गहन समीक्षा के बाद इसे मंजूरी मिली थी। हमारे लिये गर्व की बात यह है कि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर प्रोटोटाइप का प्रौद्योगिकी विकास और डिज़ाइन परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसंधान और विकास केंद्र इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में स्वदेशी रूप से हुआ है। इसका निर्माण और चालू करने का कार्य परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति की आधारशिला हैं। पारंपरिक थर्मल रिएक्टरों के विपरीत, यह प्रोटोटाइप यूरेनियम और प्लूटोनियम के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इस संयंत्र का अंदरूनी कोर हिस्सा यूरेनियम–238 की एक परत से घिरा होता है। तीव्र न्यूट्रॉन, यूरेनियम–238 को विखंडनीय प्लूटोनियम–239 में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे रिएक्टर अपनी ईंधन की खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करने में सक्षम हो जाता है। इस रिएक्टर को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि भविष्य में इसकी परत में थोरियम–232 का उपयोग किया जा सके। ट्रांसम्यूटेशन की प्रक्रिया के माध्यम से, थोरियम–232 को यूरेनियम–233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए ईंधन का काम करेगा। यह अद्वितीय क्षमता परमाणु ईंधन संसाधनों के उपयोग को काफी हद तक बढ़ा देती है और देश को अपने सीमित यूरेनियम भंडारों से कहीं अधिक ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, साथ ही भविष्य में देश में उपलब्ध थोरियम के भंडारों का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए भी तैयार करती है। पहली क्रिटिकैलिटी हासिल करने के साथ ही, भारत अपने तीन–चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के और करीब पहुंच गया है। फास्ट ब्रीडर टेक्नोलॉजी, प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टरों के मौजूदा इकाइयों और भविष्य में थोरियम–आधारित रिएक्टरों की तैनाती के बीच एक ज़रूरी पुल का काम करेगी और देश के प्रचुर थोरियम संसाधनों का इस्तेमाल करके लंबे समय तक स्वच्छ ऊर्जा पैदा करने में मदद करेगी। यह उपलब्धि भारत के स्वदेशी डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की ताकत को दर्शाती है। इस रिएक्टर में उन्नत सुरक्षा प्रणालियां, उच्च–तापमान वाली लिक्विड सोडियम कूलेंट टेक्नोलॉजी और एक क्लोज्ड फ्यूल साइकिल की समझ शामिल है। यह समझ परमाणु सामग्री की रीसाइक्लिंग को संभव बनाएगी, जिससे स्थिरता बढ़ेगी है और परमाणु कचरा कम होगा।।

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिएक्टर के डिज़ाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं। ऊर्जा उत्पादन से परे, फास्ट ब्रीडर कार्यक्रम परमाणु ईंधन चक्र टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री, रिएक्टर भौतिकी और बड़े पैमाने की इंजीनियरिंग में रणनीतिक क्षमताओं को मज़बूत करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विकसित ज्ञान और बुनियादी ढांचा भविष्य के रिएक्टर डिज़ाइनों और अगली पीढ़ी की परमाणु टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद करेगा। जैसे–जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर उच्च तापीय दक्षता के साथ विश्वसनीय, कम–कार्बन और बेस–लोड बिजली प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए फर्स्ट क्रिटिकैलिटी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि विकसित भारत के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोतों में से एक मानी जाती है। जो तकनीक आजकल सबका ध्यान खींच रही है, वह है थोरियम रिएक्टर। पारंपरिक यूरेनियम–आधारित प्रणालियों के मुकाबले थोरियम रिएक्टरों को कई देश भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा मिश्रण के हिस्से के तौर पर परख रहे हैं क्योंकि इसे एक सुरक्षित और अधिक प्रचुर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। थोरियम रिएक्टर की कार्यप्रणाली को समझने के लिए, सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि थोरियम को सीधे ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसके बजाय, रिएक्टर में परमाणु विखंडन प्रक्रिया का उपयोग करके थोरियम–232 को यूरेनियम–233 के ईंधन में परिवर्तित किया जाता हैं। यह परिवर्तन रिएक्टर के अंदर न्यूट्रॉन की सहायता से होता है, जिससे एक नियंत्रित श्रृंखला अभिक्रिया शुरू होती है और ऊर्जा उत्पन्न होती है। थोरियम रिएक्टर की कार्यप्रणाली को यूं समझ सकते हैं कि पहले चरण में थोरियम को थोड़ी मात्रा में यूरेनियम या प्लूटोनियम के साथ रिएक्टर कोर में डाला जाता है। यह प्रारंभिक ईंधन न्यूट्रॉन उत्सर्जित करता है जो थोरियम को यूरेनियम–233 में परिवर्तित करने में सहायता करते हैं, जो बाद में मुख्य ईंधन बन जाता है। दूसरे चरण में थोरियम–232 एक न्यूट्रॉन को अवशोषित करता है और रेडियोधर्मी क्षय के माध्यम से धीरे–धीरे यूरेनियम–233 में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रकार बना नया यूरेनियम–233 नाभिकीय अभिक्रिया को कुशलतापूर्वक बनाए रख सकता है। तीसरे चरण में जब यूरेनियम–233 के परमाणुओं पर न्यूट्रॉन टकराते हैं, तो उनमें विखंडन होता है, जिससे भारी मात्रा में ऊष्मा निकलती है। इस ऊष्मा का उपयोग भाप बनाने के लिए किया जाता है, जो टर्बाइनों को चलाकर बिजली पैदा करती है। चौथे चरण में रिएक्टर में पैदा हुई गर्मी को सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जाता है। कई डिज़ाइन, जैसे कि मोल्टन सॉल्ट रिएक्टर, कम दबाव पर काम करते हैं और उनमें सुरक्षा के लिए अंतर्निहित विशेषताएं होती हैं, जिससे मेल्टडाउन का जोखिम कम हो जाता है। वरना गर्मी इतनी होती है कि खुद रिएक्टर ही गल जाए। पांचवें चरण में थोरियम रिएक्टर कम समय तक रेडियोधर्मी रहने वाला अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। हालांकि यह अभी भी खतरनाक है, लेकिन अपशिष्ट कम समय तक रेडियोधर्मी रहता है, जिससे इसका प्रबंधन और भंडारण आसान हो जाता है। भारत और चीन जैसे देश अपने विशाल थोरियम भंडारों और बढ़ती ऊर्जा ज़रूरतों के कारण थोरियम–आधारित तकनीकों पर सक्रिय रूप से शोध कर रहे हैं।

> **यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिएक्टर के डिज़ाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं।**

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ बिजली उत्पादन में यह तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। भारत में थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। भारत के पास यूरेनियम की तुलना में थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है, खासकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के तटीय इलाकों में। इसी कारण भारत ने थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने की थी। भारत ने थोरियम के उपयोग के लिए 3–स्टेज न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाया है जिसमें पहला चरण प्रेसराइज्ड हेवीवाटर रिएक्टर का है जिसमें यूरेनियम–238 ईंधन से प्लूटोनियम–239 बनाया जाता है। दूसरे चरण में फास्टब्रीडर रिएक्टर प्लूटोनियम का उपयोग करके अधिक ईंधन (यूरेनियम–233) बनाता है। यह चरण थोरियम उपयोग की तैयारी करता है। कल्पक्कम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इस चरण का प्रमुख प्रोजेक्ट है। इसके आगे तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टर थोरियम–232 को यूरेनियम–233 में बदलेगा। यही भविष्य का लक्ष्य है। इस प्रमुख थोरियम आधारित प्रोजेक्ट में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा एडवांस हेवी वाटर रिएक्टर विकसित किया जा रहा है जिसमें थोरियम और यूरेनियम–233 को मिलाकर ईंधन बनाया जाएगा। इसकी विशेषता यह है कि वह अधिक सुरक्षित है तथा कम रेडियोधर्मी कचरा पैदा करता है। लंबे समय तक ऊर्जा उत्पादन के लिये थोरियम के अनेक फायदे गिनाए जाते हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यह कि थोरियम भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है जो अधिक सुरक्षित और कम जोखिम वाला इसलिए है कि वह कम परमाणु कचरा उत्पन्न करता है और देश के लिये दीर्घकालिक ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराता है। लेकिन इसकी चुनौतियां भी है। यह तकनीक अभी विकास के चरण में है। यूरेनियम–233 का उत्पादन जटिल होता है जिसे भारतीय वैज्ञानिक अपनी मेधा से पार पा रहे हैं। इस प्रौद्योगिकी की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, लेकिन यदि यह सफलता पूर्वक हासिल कर ली जाती है तो बाद में दीर्घ काल तक मुनाफा देने वाली साबित होती है। यह भी सही है कि अभी यह प्रौद्योगिकी विकास के चरण में हैं और इसका वाणिज्यिक स्तर पर उपयोग अभी पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सका है। वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो भारत अभी इस तकनीक के दूसरे चरण पर काम कर रहा है। थोरियम आधारित रिएक्टर तीसरा चरण होगा जिस पर अनुसंधान जारी है। इसलिए नई तकनीक से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य अभी दूर है। मगर भारत का थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि यह सफल होता है, तो भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

चिकित्सक : वर्षों की तपस्या, भारी निवेश और समाज की विडम्बना

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

हमारे समाज में एक गहरा और चिंताजनक विरोधाभास मौजूद है। एक ओर हम चिकित्सक को भगवान का रूप कहकर सम्मानित करते हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहार में उसी चिकित्सक के श्रम, ज्ञान और समय का मूल्य देने से बचते हैं। यह विरोधाभास केवल शब्दों और व्यवहार का अंतर नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जिसमें हम सेवा और पेशेवर मूल्य के बीच का अंतर समझने में असफल रहते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि एक डॉक्टर बनना किसी सामान्य डिग्री हासिल करने जैसा नहीं है। यह एक लंबी, कठिन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक यात्रा है, जिसमें 15 से 20 वर्षों तक लगातार अध्ययन, प्रशिक्षण और मानसिक दबाव शामिल होता है। एक छात्र को सबसे पहले एनइइटी जैसी कठिन परीक्षा को पास करना होता है, जिसमें लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं, लेकिन सीटें सीमित होती हैं। इसके बाद एमबीबीएस की 5.5 वर्षों की पढ़ाई, जिसमें थ्योरी के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप शामिल होती है। लेकिन यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। एक सामान्य डॉक्टर बनने के बाद भी यदि कोई विशेषज्ञ बनना चाहता है, तो उसे पीजी (एमडी/एमएस) करना पड़ता है, जिसके लिए फिर से कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना होता है। इसके बाद भी कई डॉक्टर सुपर–स्पेशलाइजेशन (डीएम/एमसीएच) करते हैं, जिससे उनकी कुल तैयारी का समय 15–20 वर्ष तक पहुँच जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में केवल समय ही नहीं, बल्कि आर्थिक निवेश भी अत्यधिक होता है। सरकारी कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कुछ राहत मिलती है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुँच जाती है। कई परिवार अपने जीवनभर की बचत, जमीन–जायदाद, या कर्ज लेकर अपने बच्चों को डॉक्टर बनाते हैं।

यह निवेश केवल पैसे का नहीं होता – यह समय, मानसिक शांति, सामाजिक जीवन और युवावस्था के त्याग का निवेश होता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि इतने बड़े त्याग और निवेश के बाद जब वही व्यक्ति डॉक्टर बनकर समाज के सामने आता है, तो क्या उसे वह सम्मान मिलता है जिसका वह अधिकारी है?

वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। समाज के कई वर्ग डॉक्टर को सेवा प्रदाता के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उसे एक पेशेवर के रूप में स्वीकार करने में संकोच करते हैं।

मोहल्ले का किराने वाला डॉक्टर से हर वस्तु का पूरा पैसा लेता है, लेकिन डॉक्टर से मुफ्त में सलाह लेना अपना अधिकार समझता है। ट्यूशन पढ़ाने वाला शिक्षक अपनी फीस पूरी लेता है, लेकिन डॉक्टर से स्वास्थ्य संबंधी सलाह मुफ्त चाहता है।

यहाँ तक कि कई बार घर के कर्मचारी, परिचित और रिश्तेदार भी यही अपेक्षा रखते हैं कि डॉक्टर उनके लिए बिना शुल्क के उपलब्ध रहे।

यह मानसिकता केवल आर्थिक असंतुलन नहीं दर्शाती, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि हम डॉक्टर के ज्ञान और समय का मूल्य नहीं समझते।

हर व्यक्ति डॉक्टर से लाभ लेना चाहता है, लेकिन उनके ज्ञान का मूल्य देने को तैयार नहीं होता।

विडम्बना यहीं समाप्त नहीं होती। जब डॉक्टर स्वयं किसी अन्य सेवा क्षेत्र में जाता है – चाहे वह वकील हो, इंजीनियर हो, दुकानदार हो या कोई अन्य पेशेवर – तो उनसे पूरा शुल्क लिया जाता है, कई बार अधिक भी।

अर्थात, समाज को डॉक्टर से सेवा तो चाहिए, लेकिन मुफ्त में! लेकिन डॉक्टर को कोई भी सर्विस या सामान बेचने वालों को पूरा पैसा चाहिए और उन्हें भी पेशेवर मानने में संकोच करते हैं। हम यह नहीं सोचते की हमारे यहाँ जो रिपेरिंग सर्विस वाले लोग आते हैं वो एक विजिट का हज़ार रुपए तक चार्ज कर लेते हैं लेकिन हमें डॉक्टर को पांच सौ रुपए की फीस देने में तकलीफ होती है। हमें हमारी यही सोच बदलनी होगी। जबकि दोनों की कार्यकुशलता की तुलना अकल्पनीय है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब कोई आपातकालीन परिस्थिति उत्पन्न होती है। डॉक्टर अपनी पूरी क्षमता, अनुभव और ज्ञान का उपयोग करते हुए मरीज को बचाने का प्रयास करता है। लेकिन यदि परिणाम अनुकूल नहीं आता, तो वही डॉक्टर अचानक लापरवाह, लुटेरा या अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।

क्या यह किसी अन्य पेशे में देखने को मिलता है?

क्या किसी वकील के केस हारने पर उसके साथ हिंसा होती है?

क्या किसी इंजीनियर की गलती पर भीड़ अस्पताल जैसी प्रतिक्रिया देती है?

हाल ही में एक ब्यूटी क्वीन ने अपने इंटरव्यू में कहा कि भारत में डॉक्टर होना आसान नहीं है – लंबे काम करने के घंटे, अत्यधिक तनाव, सीमित संसाधन और उसके बावजूद बहुत अधिक अपेक्षाएँ।

पूरी कोशिश करने के बाद भी यदि परिणाम अनुकूल न हो, तो दोष अक्सर डॉक्टर पर ही आ जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अभी कई वर्षों तक कठिन पढ़ाई करनी होगी, मुश्किल से लोन मिलेगा, और उसके बाद यदि वे नर्सिंग होम खोलती हैं तो उन्हें प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मरीज के न बच पाने की स्थिति में तोड़फोड़, दबाव और पुलिस तक की नौबत आ सकती है।

इसके विपरीत, एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीतने के बाद तुरंत करोड़ों के असाइनमेंट और एंडोर्समेंट के अवसर मिलते हैं, और जहाँ भी जाएँ, वीआइपी ट्रीटमेंट मिलता है।

यह विडम्बना है कि जो पेशा जीवन बचाता है, उन्हें न सम्मान मिलता है, न सुरक्षा – और जो पेशा केवल मनोरंजन से जुड़ा है, उन्हें विशेषाधिकार मिलते हैं।

समाज की यह विडम्बना और स्पष्ट तब होती है जब हम देखते हैं कि कई ऐसे लोग, जिनकी गतिविधियाँ सीधे तौर पर जनहित के खिलाफ हैं, समाज में सम्मान प्राप्त करते हैं।

खराब सड़कों का निर्माण करने वाले ठेकेदार, शराब के ठेके चलाने वाले व्यापारी, बड़े घोटाले करने वाले नेता – ये सभी समाज में प्रभावशाली और सम्मानित बने रहते हैं। लोग उनके साथ फोटो खिंचवाकर गर्व महसूस करते हैं। लेकिन जो डॉक्टर दिन–रात लोगों की जान बचाने में लगा है, उन्हें अपमानित करने में कोई संकोच नहीं होता।

जब जिम्मेदारी तय करने की बात आती है, तब भी समाज का दृष्टिकोण असंतुलित दिखाई देता है।

शराब और तम्बाकू के सेवन से शरीर को नुकसान पहुँचाने वाला व्यक्ति जब अस्पताल पहुँचता है और स्थिति गंभीर हो जाती है, तो गुस्सा डॉक्टर पर निकलता है – न कि उन कारणों पर जो बीमारी की जड़ में थे।

खराब सड़क के कारण हुई दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मृत्यु होने पर भी दोष डॉक्टर की लापरवाही पर डाल दिया जाता है, न कि उस प्रणाली पर जिसने दुर्घटना को जन्म दिया।

आज के समय में यह कहना बहुत आसान हो गया है –

डॉक्टर ने मरीज मार दिया।

यह कथन न केवल तथ्यहीन है, बल्कि यह उस पेशे के प्रति गहरी असंवेदनशीलता को दर्शाता है, जो पूरी तरह सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी पर आधारित है।

वास्तविकता यह है कि डॉक्टर हर दिन ऐसे निर्णय लेता है, जहाँ एक छोटा सा अंतर जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकता है।

उनके सामने आने वाला हर केस अलग होता है, हर मरीज की स्थिति अलग होती है, और हर निर्णय में जोखिम होता है।

इसके बावजूद, डॉक्टर को हर समय यह भय रहता है कि कहीं कोई आरोप न लग जाए, भीड़ इकट्ठी न हो जाए, या हिंसा का सामना न करना पड़े।

क्योंकि जो मरीज ठीक हो जाता है, वह सार्वजनिक रूप से डॉक्टर की सराहना नहीं करता। लेकिन यदि कोई घटना नकारात्मक हो जाए, तो वह तुरंत चर्चा और आलोचना का विषय बन जाती है।

यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं है – यह विश्वास पर आधारित प्रणाली है।

जहाँ विश्वास समाप्त होता है, वहाँ उपचार की प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है।

डॉक्टर बिना किसी भेदभाव – जाति, धर्म, भाषा या आर्थिक स्थिति – के हर मरीज का इलाज करता है। वह उन परिस्थितियों में भी सेवा करता है, जहाँ कई बार मरीज के अपने परिजन भी आगे आने से कतराते हैं।

डॉक्टर और नर्सें बिना किसी दिखावे के दिन–रात सेवा में लगे रहते हैं। यही उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदनशीलता है।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि चिकित्सा क्षेत्र पूरी तरह निर्दोष नहीं है।

समय–समय पर मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा कुछ अस्पतालों और डॉक्टरों को ब्लैकलिस्ट किया जाता है। यह दर्शाता है कि पेशे के भीतर भी सुधार की आवश्यकता है।

कई अस्पतालों में आर्थिक दबाव के कारण डॉक्टरों पर टारगेट थोपे जाते हैं। इन टारगेट्स को पूरा करने के लिए अनावश्यक जांचें, दवाइयां और सर्जरी की जाती हैं, जिससे जनता का विश्वास कमजोर होता है। फलस्वरूप मरीज का शरीर ख़राब होता है और परिवार हर तरीके से बर्बाद हो जाता है।

इसलिए यह समस्या एक तरफा नहीं है – यह दोतरफा जिम्मेदारी का विषय है।

समाज को डॉक्टरों के प्रति सम्मान और विश्वास बनाए रखना होगा, और डॉक्टरों तथा अस्पतालों को अपनी नैतिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी।

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज को यह समझना होगा कि –

एक डॉक्टर केवल सेवा देने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह वर्षों की कठोर मेहनत, त्याग और भारी निवेश का परिणाम है।

यदि हम आज भी डॉक्टर के ज्ञान और समय को मुफ्त सेवा समझते रहेंगे, तो आने वाले समय में योग्य और प्रतिभाशाली युवा इस पेशे से दूर होने लगेंगे।

और जब समाज को सबसे अधिक आवश्यकता होगी, तब योग्य डॉक्टरों की कमी एक गंभीर संकट का रूप ले सकती है।

अंततः, किसी भी समाज की मजबूती उसके मूल स्तंभों पर निर्भर करती है।

गुरु और चिकित्सक – ये दोनों ही समाज के ऐसे स्तंभ हैं, जो संकट के समय दिशा और जीवन दोनों प्रदान करते हैं।

यदि इन दोनों का सम्मान कम होता है, तो समाज का संतुलन भी धीरे–धीरे कमजोर होने लगता है।

जापान में कई दुकानों और संस्थानों पर स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि शिक्षकों और चिकित्सकों को विशेष छूट दी जाती है। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि उनके प्रति समाज के वास्तविक सम्मान का प्रतीक है, जहाँ ज्ञान देने और जीवन बचाने वालों को व्यवहार में प्राथमिकता दी जाती है। इसके विपरीत, भारत में हम भले ही डॉक्टरों और शिक्षकों को शब्दों में भगवान का दर्जा देते हों, लेकिन व्यवहार में उनके समय, ज्ञान और योगदान का उचित मूल्य नहीं समझते। यह अंतर हमारी सामाजिक सोच को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि हमें भी सम्मान को केवल कहने तक सीमित न रखकर उसे अपने व्यवहार में उतारना सीखना होगा।

डॉक्टर और पुलिस हमेशा आपातकालीन नाइट ड्यूटी पर उपलब्ध रहते हैं, और देर रात किसी दुर्घटना के होने पर सबसे पहले डॉक्टर को फोन करके जगाया जाता है। पता नहीं, डॉक्टर कितनी रातें ठीक से सो पाते होंगे।

इसलिए यह समय है कि हम अपनी सोच में बदलाव लाएँ –

डॉक्टर को केवल भगवान का रूप कहने के बजाय, उन्हें एक सम्मानित, प्रशिक्षित और मूल्यवान पेशेवर के रूप में स्वीकार करें।

क्योंकि सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से प्रकट होता है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

नया सवेरा

सुनीता चावला

जब लालिमा छिप जाती है,
और शाम ढलने लगती है..!
तब मत समझना हार हुई,
एक नई आस जगती है..!!

सूर्यास्त तो बस एक पर्दा है,
जो रात की गोद में सोता है..!
पर याद रहे हर रात के बाद,
फिर सूर्योदय ही होता है..!!

अंधेरा कितना भी गहरा हो,
वह सूरज को रोक नहीं पाता..!
थककर जो सो जाता है आज,
कल फिर चमकने आता है..!!

हार - जीत के इस द्वंद में,
डर मत हिम्मत मत हार..!
देखना सूर्यास्त के बाद,
फिर एक नया सवेरा आता है..!!

–सुनीता चावला,
शिक्षक।

तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने के आसार

बीकानेर, (निसं)। शहर में गर्मी ने अब तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बीते 24 घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बीकानेर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री ज्यादा है। वहीं बीती रात न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है।

उधर, गर्मी के कारण बीकानेर के अधिकांश तालाब सूखकर मैदान बन गए हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अब शहर में हीटवेव का दौर शुरू हो सकता है। आने वाले दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही बना रहेगा। खासतौर पर 23 अप्रैल को पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। इसके बाद हल्की गिरावट हो सकती है, लेकिन तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने के आसार नहीं हैं।

प्री–बीएड में 1.06 लाख सीटों पर 92 हजार आवेदन आये

सीटों के मुकाबले आवेदन कम आने पर अंतिम तिथि 5 मई तक बढ़ी

बीकानेर, (निसं)। बीएड करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अच्छा मौका है। इस बार प्री–बीएड परीक्षा में सीटों के मुकाबले आवेदन कम हो रहे हैं। ऐसे में बीएड करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश निश्चित नजर आ रहा है।

नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने 20 फरवरी से पीटीईटी प्रवेश परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की थी। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च निर्धारित की गई थी। उसके बाद अंतिम तिथि को 20 अप्रैल तक बढ़ाया गया। 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या लगभग 92 हजार के करीब है, जबकि प्रदेश के 944 कॉलेज में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम की सीटें 1.06 लाख के करीब हैं। सीटों के मुकाबले आवेदन कम आने पर नोडल एजेंसी ने इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करने का एक मौका और दिया है। अब अभ्यर्थी 5 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि में 15 दिन की बढ़ोतरी की गई है। प्रवेश परीक्षा का आवेदन शुल्क 500 रुपए निर्धारित है। नोडल एजेंसी में ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि भी 7 मई तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 22 अप्रैल निर्धारित थी। अभ्यर्थी 200 रुपए शुल्क देकर ऑनलाइन आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। हालांकि नाम, फोटो, हस्ताक्षर जैसे मूल विवरण में बदलाव नहीं होगा।

राशिफल बुधवार 22 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 10:13 तक, अतिगंड योग प्रातः 9:08 तक, कौलव करण दिन 12:05 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग रात्रि 10:13 तक है। कुमार योग रात्रि 10:13 से रात्रि 10:50 तक है। आज चन्दन छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:49 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 6:50

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं एवं सुख–शांति बनी रहेगी।

अशोक गहलोत से पीछा छुडाना चाहता है कांग्रेस आलाकमान : घनश्याम तिवाड़ी

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने कहा कि ''गहलोत के कार्यकाल में तो भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था, वह तो इस मुद्दे पर कुछ ना ही बोलें तो ठीक है। उनके मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे गए हैं।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ''पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस का आलाकमान पीछा छुडाना चाहता हैं। क्योंकि राजस्थान की जनता से 3 बार उनकी सरकार को हिलाया है। गहलोत के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था। पेपरलीक से लेकर जल जीवन मिशन के घोटालों की गूंज पूरे प्रदेश के साथ-साथ देशभर में है। जे.जे.एम. घोटाले में कांग्रेस के मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे है।''

सांसद घनश्याम तिवाड़ी

तिवाड़ी ने यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए कही। उन्होंने कहा कि, अशोक गहलोत राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर बेबुनियाद बयानों से भ्रमजाल बुनने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। वह भ्रष्टाचार पर नहीं बोले तो ही अच्छा है। उनके कार्यकाल में तो घोटालों का रिकॉर्ड बना हुआ है।

तिवाड़ी ने कहा कि, अशोक गहलोत इंतजार शास्त्र की बात तो कर रहे हैं, परंतु सरकार तो तब हिल रही थी, जब उनके उपमुख्यमंत्री अपने विधायकों को लेकर चले गए थे। मल्लिकार्जुन खडगे जब आए थे और विधायकों की मीटिंग बुलाई गई थी, तब भी सरकार हिली थी। राजस्थान की जनता ने तीन बार अशोक गहलोत की सरकार को हिलाया है। इसीलिए अब कांग्रेस का आलाकमान भी उनसे पीछा छुडाना चाहता चाहता है।

> ■ तिवाड़ी ने कहा कि ''प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं का खाका अशोक गहलोत ने बिगाडा था, अब भजनलाल सरकार ओ.बी.सी. वर्ग को चुनाव में उसका अधिकार देगी।''

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि अशोक गहलोत ने आरजीएचएस को लेकर सवाल उठाए हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में भुगतान न होने की वजह से इस योजना की सेवाएं बार-बार बाधित होती थी।

इनकी गलतियों को ठीक करके आरजीएचएस योजना को अच्छे से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध रूप से सवा लाख से ज्यादा नौकरियां दी है और भर्ती कैलेंडर भी जारी किया जा चुका है। वह किस मुंह से बात कर रहे हैं, जबकि उनके कार्यकाल में पेपरलीक हुए थे।

घनश्याम तिवाड़ी ने रिफाइनरी को लेकर कहा कि यह दुखद घटना है, इसकी जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत अपने गिरेबां में झांक कर देखें। पंचायतीराज का खाका इन्होंने ही बिगाड़ा था। अब सरकार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार इस वर्ग को चुनाव में आरक्षण के अधिकार का लाभ देना चाहती है। क्या अशोक गहलोत यह चाहते है कि ओबीसी आरक्षण के बिना ही पंचायतीराज चुनाव करवा लिए जाएं। तिवाड़ी ने कहा कि जितना भ्रष्टाचार अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुआ उसे आज भी जनता याद करती है। जेजेएम घोटाले की चर्चा हर कोई करता है। इनकी डाली हुई पाईप लाइनों से पानी नहीं हवा निकलती है। अशोक गहलोत अपनी वरिष्ठता के अनुसार ही बयानबाजी करें और अपनी राजनीति बचाने के लिए अपने आलाकमान से बातचीत करें।

प्रदेश के हर जिले में स्थापित होंगे 'मेंटल हैल्थ केयर सेल'

जयपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार होगा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मैंटल हैल्थ'

जयपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर शुरू किए गए ''राज-ममता'' (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मॉनिटरिंग एंड ट्रीटमेंट फोर ऑल) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा नेशनल टेली मैंटल हैल्थ प्रोग्राम 'टेली मानस' का भी प्रदेशभर में प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

भजनलाल सरकार की इस पहल से राजस्थान मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के एक 'मॉडल राज्य' के रूप में उभरने की ओर कदम बढ़ाएगा। जयपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हेल्थ' की स्थापना की जा रही है। यहां अत्याधुनिक काउंसलिंग और

> ■ टेली-मानस के जरिए अब तक 71 हजार से अधिक प्रदेशवासियों को मिला परामर्श

टेली-मेडिसिन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों को भी विशेषज्ञों की सलाह मिल सकेगी। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 'मेंटल हेल्थ केयर सेल' स्थापित किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को अपने ही जिले में विशेषज्ञ परामर्श, पुनर्वास और उपचार सुलभ हो सके।

मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे लोगों की तुरंत सहायता के लिए संचालित 'टेली-मानस' (14416 और 18008914416) कार्यक्रम राजस्थान में अत्यंत सफल साबित हो रहा है। अब तक प्रदेश में कुल 71 हजार से अधिक लोगों ने इन टोल-फ्री नंबरों के जरिए परामर्श लिया है। 'राज-ममता' कार्यक्रम के तहत युवाओं में बढ़ते तनाव और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य मित्रों और आशा सहयोगिनियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही मानसिक रोगों के लक्षणों की पहचान कर त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

ट्रांसजेंडर संशोधन कानून के कुछ प्रावधानों को क्यों ना कर दें रद्द?

राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2026 के कुछ प्रावधान इस समुदाय के हितों के विपरीत होने के कारण क्यों ना उनको रद्द कर दिया जाए। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश नई भोर संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता मितुल जैन ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2019 में कुछ प्रावधानों में बदलाव कर इस साल संशोधन अधिनियम लागू किया है। इस संशोधन अधिनियम के कई प्रावधान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के केस में व्यवस्था दी थी कि ट्रांसजेंडर अपने आप को ट्रांसमैन या ट्रांसवुमन मान सकता है। वहीं पुराने कानून में भी इसी तरह की व्यवस्था थी। याचिका में कहा गया कि संशोधन अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि अब संबंधित जिले का सीएमएचओ की अध्यक्षता वाला मेडिकल बोर्ड ट्रांसजेंडर व्यक्ति की मेडिकल जांच करेगा और अपनी रिपोर्ट स्थानीय मजिस्ट्रेट को देगा। वहीं मजिस्ट्रेट ट्रांसजेंडर व्यक्ति को प्रमाण पत्र जारी करेगा। ऐसे में इस प्रावधान से ट्रांसजेंडर व्यक्ति के स्वकल्पित लिंग पहचान के अधिकार को समाप्त हो गया है और वह प्रमाण पत्र के आधार पर अपनी पहचान मानने के लिए बाध्य है। इसी तरह इस कार्रवाई से उनकी पहचान उजागर होगी, जो निजता के अधिकार के खिलाफ है। याचिका में यह भी कहा गया कि संशोधन अधिनियम उन व्यक्तियों को भी बाहर कर देता है, जिन्होंने सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी करा ली है या हार्मोनल थेरेपी ले रहे हैं। ऐसे में संशोधन अधिनियम से इन्हें प्रावधानों को हटाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मृतक सफाईकर्मियों के परिजनों को आर्थिक सहायता

जयपुर । सीवर चैंबर की सफाई के दौरान 17 अप्रैल को जहरीली गैस से हुई दो स्वच्छता कर्मियों की मौत के मामले में मंगलवार को जयपुर नगर निगम ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। नगर निगम स्वास्थ्य शाखा के उपायुक्त ओम थानवी पीड़ितों के निवास पहुंचे और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, वाल्मीकि समाज सरपंच मनोज चांवरिया व सफाई कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में परिजनों को चेक सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने चांदमारी (पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर) निवासी अजय उर्फ सेठी और चिंकारा कैंटीन क्षेत्र (नाला पावर हाउस) निवासी रामबाबू के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। निगम की ओर से अजय की माता छोटी देवी और रामबाबू की पत्नी पूनम को मुआवजा राशि के चेक दिए गए।

योग और आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की मुहर : आचार्य बालकृष्ण

टाइप-वन डायबिटीज को लेकर प्रख्यात हैल्थकेयर में पतंजलि का शोध प्रकाशित, 612 शोधपत्रों का किया अध्ययन

हरिद्वार। डायबिटीज़ के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है। जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज़ के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज़ एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धितयों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है।

शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्राणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया। शोध अध्ययन में लगभग 612 शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने लीड किया है। इस शोध ने यह भी प्रमाणित किया है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है, जिससे करोड़ों मरीज़ पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सार्थक बता रहा है।

आचार्य बालकृष्ण

इस शोध में पतंजलि हर्बल रिसर्च डिवीजन, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड, डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड एंड एप्लाइड साइंसेज़, यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के वैज्ञानिक जया उप्रेती, मुस्कान चौहान, मयूर चौहान, प्रशांत कटियार, अनुराग डाबस और वेद प्रिया आर्य का विशेष योगदान रहा। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में किया गया। उनकी भूमिका इसमें सबसे अहम रही।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि, टाइप वन मधुमेह पर आई नई रिसर्च ने यह साबित कर दिया है कि योग,

> ■ आचार्य बालकृष्ण ने इस शोध को लीड करते हुए कहा ''इंटीग्रेटेड थैरेपी वरदान है''

आयुर्वेद और नेचरोपैथी जैसी इंट्रीग्रेटेड थरेपी मरीजों के लिए बेहद मददगार है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने इस ओर बड़ा पुरुषार्थ किया है। इतना ही नहीं एकीकृत इलाज से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर दिखा है। अब दुनिया भर में इस विषय पर शोध तेजी से बढ़ रही है और भारत ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। पतंजलि योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी के जरिये मधुमेह सहित कई जटिल और असाध्य रोगों को लगातार अपने वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित प्रमाणों के साथ शोध कर रहा है।

यहां यह गौर करने वाली बात है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है जिससे करोड़ों मरीज़ पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सही साबित कर रहा है। यह कोई वैकल्पिक इलाज नहीं है। यह आधुनिक और समग्र स्वास्थ्य सेवा की नई दिशा है। डायबिटीज़ का असली इलाज एकीकृत है और अब इस शोध के साथ इसके सबूत भी मौजूद हैं।

'स्कूलों में लगे खेल उपकरणों की जांच करें खेल सचिव'

> ■ राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर की निजी स्कूल में हैंडबॉल का पोल गिरने से छात्र की मौत पर प्रसंज्ञान लिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर के निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोल गिरने से छात्र की दर्दनाक मौत को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने खेल सचिव को कहा है कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी स्कूलों को परिपत्र जारी करें।

इसके साथ ही छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूली मैदानों में लगे खेल उपकरणों आदि की जांच करें, जिससे अबोध छात्र खेलने के भ्रम में अपनी जान ना गंवाए। अदालत ने अपेक्षा की है कि खेल सचिव सभी जिला मजिस्ट्रेट को इसके लिए पाबंद करेंगे।

वहीं आयोग ने मामले में उदयपुर कलेक्टर, शिक्षा निदेशक, एसपी और संभागीय आयुक्त को कहा है कि वे सभी स्कूलों की सुरक्षात्मक जांच करते हुए छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और घटना का संपूर्ण ब्यौरा व तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें।

आयोग ने पीडित परिवार को उचित मुआवजा देकर इसकी जानकारी भी पेश करने को कहा है।

गौरतलब है कि बीते सोमवार को आठ साल का बच्चा निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोल पर खेल रहा था। इस दौरान पोल गिरने से वह गंभीर घायल हो गया था और बाद में उसकी मौत हो गई थी।

कांग्रेस ने सुनियोजित षडयंत्र से महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम को पारित होने से रोका

उन्होंने कहा कि ''महिलाओं की भागीदारी के बिना देश के विकास और परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं।''

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विपक्ष द्वारा विरोध करने को लेकर मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं ने सदैव परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और राजनीतिक भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नारायणी देवी वर्मा, जानकी देवी बजाज, हाडी रानी, रानी कर्णावती, रानी पद्मावती, पन्ना धाय तथा अमृता देवी बिश्नोई का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं का योगदान ऐतिहासिक रूप से प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की इतनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद जब नरेंद्र मोदी महिलाओं को शीघ्र आरक्षण दिलाना चाहते थे, तब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इसमें बाधाएं उत्पन्न कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने

सुनियोजित तरीके से षडयंत्र रचते हुए संशोधन अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री इस विरोध से न तो हतोत्साहित हुए हैं और न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी आई है। भाजपा महिलाओं के आरक्षण को एक सैद्धांतिक विषय मानती है और यह विश्वास रखती है कि महिलाओं की भागीदारी के बिना देश के विकास और

> ■ वसुंधरा राजे महिला सशक्तिकरण की जीवंत प्रतीक : डॉ. अग्रवाल

परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं है। पार्टी जल्द से जल्द महिला आरक्षण को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों के इस रुख को महिला विरोधी बताते हुए उसकी निंदा की।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2023 में विपक्ष ने मजबूरी में मन मसोसकर इस विधेयक का समर्थन किया था, लेकिन अब जब चुनाव दूर हैं, तो उन्हें लगता है कि जनता की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाएगी। इसी कारण वे दक्षिण भारत की सीटों में कमी जैसे विभिन्न बहानों के आधार पर इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

हाईवे पर तलवारें लहराकर हुडदंग करने वाले सात बदमाश गिरफ्तार

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर गलता गेट इलाके में रविवार रात की घटना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी में जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बाइक सवार युवाओं द्वारा तलवारें लहराकर दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। गलता गेट थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में 20 से अधिक बाइकों पर सवार 40-50 युवक काफिले के रूप में हाईवे पर हुड़दंग करते नजर आए। यह घटना रविवार रात करीब 10:15 बजे की बताई जा रही है। वीडियो में युवक ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अवहेलना करते हुए लहराते हुए बाइक चला रहे थे और चलती बाइकों पर तलवारें लहराकर राहगीरों में दहशत फैला रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गलता गेट थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और दबिश देकर सात युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में फरहान (24) निवासी ठाठर कॉलोनी आमेर, असगर अली (33) निवासी प्रभात कॉलोनी गलता गेट, मोहम्मद अजीम (32) निवासी रहीमन कॉलोनी, अजरूद्दीन उर्फ अज्जु (28) निवासी ईदगाह कच्ची बस्ती, सलीम कुरैसी (35) निवासी गुलजार कॉलोनी पाडामंडी, तौसिफ खान (26) निवासी एमडी रोड लालकोठी और जिशान खान (20) निवासी सैयद कॉलोनी शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हुड़दंग और दहशत फैलाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

मोबाइल स्नैचर चढा पुलिस के हत्थे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग कार्रवाइयों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोबाइल स्नैचिंग और चोरी की वारदातों में शामिल तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और घरेलू सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ती मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं के मद्देनजर गठित विशेष टीम ने 16 अप्रैल को हुई वारदात के बाद सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए भट्टा बस्ती निवासी साहिद चौहान (21) को गिरफ्तार किया। आरोपी राहगीरों से मोबाइल छीनकर फरार हो जाता था। पूछताछ में उसने मौज-मस्ती के लिए वारदात करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किए गए।

वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने निर्माणाधीन मकान के स्टोर रूम से घरेलू सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए दीपक नायक (21) निवासी विद्याधर नगर और सागर झा (21) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया है।इस कार्रवाई में थानाधिकारी हिम्मत सिंह के नेतृत्व में एएसआई अर्जुनलाल, हेड कांस्टेबल मूलचंद, अशोक कुमार तथा कांस्टेबल मनीष व महिपाल सिंह की टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

चारधाम यात्रा से पहले एडवाइजरी जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान से चारधाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विस्तृत हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बदलते मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर को देखते हुए यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड, कम हवा का दबाव, कम ऑक्सीजन, तेज अल्ट्रावायलेट रेडिएशन और कम आर्द्रता के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए यात्रियों को यात्रा से पहले और दौरान सावधानी बरतना जरूरी है।विभाग ने एडवायजरी में कहा है कि कम से कम 7 दिन की यात्रा योजना बनाएं, हर 1-2 घंटे में 5-10 मिनट का विश्राम लें, रोजाना 20-30 मिनट टहलें और श्वास व्यायाम करें, मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा शुरू करें, जरूरी सामान साथ रखें। यात्रियों को गर्म कपड़े, रेनकोट, छाता, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर और जरूरी दवाइयां साथ रखने की सलाह दी गई है।हृदय रोग, अस्थमा, हाई बीपी या मधुमेह से पीड़ित लोगों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच करवाने और डॉक्टर की सलाह लेने को कहा गया है। यात्रा के दौरान शराब, कैफीनयुक्त पेय, धूम्रपान, नींद की गोलियां और तेज दर्द निवारक दवाओं से बचने की सलाह दी गई है।

साथ ही रोजाना कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ लेने और पौष्टिक आहार लेने की बात कही गई है। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए टोल फ्री नंबर 104 जारी किया गया है। सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी या चलने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या हेल्पलाइन से संपर्क करें।

रिफाइनरी में मरम्मत कार्य पूरा होते ही जल्द शुरू होगा कमर्शियल उत्पादन : मंत्री जोगाराम पटेल

संसदीय कार्य मंत्री ने बालोतरा में प्रैस वार्ता कर इस मुद्दे पर चर्चा की

बालोतरा/जोधपुर (कासं)। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा।

मंत्री पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग 2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं आज रिफाइनरी पहुंचे और अंदर जाकर तकनीकी व्यवस्थाओं व बाहरी सुरक्षा इंतजामों का गहन निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कंट्रोल रूम में तैनात अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बालोतरा में प्रेस कॉन्फ्रेस कर रिफायनरी प्रकरण को लेकर बातचीत की।

कर उनकी कार्यक्षमता की सराहना की। साथ ही, आपात स्थिति में मुस्तैदी से काम करने वाली महिला अधिकारियों के साहस और समर्पण की भी विशेष प्रशंसा की।

मंत्री पटेल ने बताया कि रिफाइनरी एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है और लीकेज से हुआ नुकसान केवल एक सीमित हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही रिफाइनरी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कमर्शियल उत्पादन शुरू कर देगी। साथ ही प्रशासन और तकनीकी टीमें लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह रिफाइनरी क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

> ■ उन्होंने कहा कि, सोमवार दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज के बाद आग लगी थी, तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे में स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया था।

> ■ लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

अलवर के नौगांव में कुल्फी फैक्टरी में आग लगी, लाखों का सामान जला

वेल्डिंग से निकली चिंगारी पास ही रखे लकड़ी के ईंधन पर गिर गई और आग लग गई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के नौगांव इलाके में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब आलमपुर रोड स्थित एक कुल्फी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग ने चंद मिनटों में ही विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्टरी में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान, मशीनें और रेफ्रिजरेटर जलकर पूरी तरह राख हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत फैक्टरी के भीतर चल रहे वेल्डिंग कार्य के दौरान हुई। वेल्डिंग से निकली चिंगारी पास ही रखे लकड़ी के ईंधन पर गिर गई। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी संचालकों और स्थानीय लोगों ने शुरुआत में आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि उनके तमाम प्रयास विफल साबित हुए। आग की भयावह लपटों को देख आसपास के लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब 2 से 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया। आग बुझने के बाद जब स्थिति का जायजा लिया गया, तो फैक्टरी का अधिकतर हिस्सा और सामान राख के ढेर में तब्दील हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। फिलहाल आग लगने के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि प्राथमिक रूप से इसे वेल्डिंग के दौरान हुई लापरवाही का परिणाम माना जा रहा है। फैक्टरी मालिक को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। प्रशासन ने क्षेत्र के अन्य उद्योग संचालकों को भी अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

मौके पर पहुंची दमकलों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ **फैक्टरी संचालकों और स्थानीय लोगों ने शुरुआत में आग पर काबू पाने का प्रयास किया**

करौली : टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र में लगी आग, वन क्षेत्र की संपदा को नुकसान हुआ

करौली, (निसं)। सरमथुरा के निकटवर्ती गांव भेड़े का पुरा से सटे टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र में कई किलोमीटर के रेडियस में आग से कई हैक्टर वन क्षेत्र की सम्पदा को भारी नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार उक्त क्षेत्र में छह टाइगरों का मूमेंट बना हुआ है। करौली अग्निशमन केन्द्र के वाहन ड्राइवर सूरज डागर, फायरमैन शीशराम गुर्जर, विमलेश माली, लालू गुर्जर, पुष्पेन्द्र शर्मा, अक्षय शर्मा आदि ने करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ **रीठौली गांव के पशुचर जंगल में भी लगी भीषण से आग पशु चारा सहित हजारों पौधे जले**

वहीं करौली विधानसभा क्षेत्र के रीठोली गांव के पशुचर जंगल में मंगलवार को दोपहर के समय भीषण आग लग गई। आग से पशु चारा सहित हजारों की संख्या में पौधे जलकर नष्ट हो गए। हिंडौन की दमकल गाड़ी ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर के समय अकस्मात ही रीठौली गांव की सैकड़ों बीघा में फैली पशुचर वन क्षेत्र, जिस पशुचर वन क्षेत्र में नरेगा योजना के तहत 2 वर्ष में हजारों की संख्या में पौधा लगाए गए जो पशुचर वन क्षेत्र में आग के हवाले हो गया। ग्रामीण महेश चंद, गोपाल लाल, रूपसिंह, मोहरसिंह, अशोक, बृजलाल आदि ने बताया कि गांव के सैकड़ों बीघा पशुचर क्षेत्र में पड़े सूखे कचरे में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी, जिससे पशुचर वन क्षेत्र में नरेगा के तहत लगाए गए पौधों और पशु चारे को पूर्ण रूप से आग की चपेट में आने से हजारों पौधे और पशु चारा जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना प्रशासन को दी गई, सूचना पर हिंडौन नगर परिषद प्रशासन की दमकल गाड़ी को लेकर कर्मचारी पहुंचे, जिन्होंने आग पर बड़ी मुश्किल से ग्रामीणों के सहयोग से काबू पाया।

जोधपुर में स्टील फैक्टरी में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। बासनी इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार को एक स्टील फैक्टरी में आग लग गई। कुछ ही देर में यह आग केमिकल के कारण भड़क गई। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। गनीमत यह रही कि इसमें किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

बासनी स्टेशन फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह चौहान ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे बसनी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित राजलक्ष्मी फैक्टरी में आग लग गई।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

हनुमानगढ़, (निसं)। सेशन कोर्ट ने पत्नी हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सेशन न्यायाधीश तनवीर चौधरी की अदालत ने गांव अराईयांवाली निवासी आत्माराम उर्फ लाभा पुत्र मंगूराम को दोषी करार देते हुए 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

लोक अभियोजक मनोज शर्मा ने बताया कि यह प्रकरण 22 अक्टूबर 2021 का है। अराईयांवाली निवासी रूकमा देवी उर्फ रूकिया पत्नी आत्माराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस संबंध में मृतका के पिता महावीर निवासी रावतसर ने टाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी महावीर ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसका दामाद आत्माराम उसकी बेटी रूकमा को काफी समय से परेशान कर रहा था। इसे लेकर पंचायत भी हुई थी, लेकिन वह नहीं माना। महावीर ने पुलिस को बताया कि घटना के दिन वह सरदारशहर क्षेत्र के एक गांव में नरमा चुगाई के लिए गया था। फोन पर उसे रूकमा की मौत की सूचना मिली। अराईयांवाली पहुंचकर उसने देखा तो कमरे में उसकी बेटी का शव पड़ा था।

महावीर ने आरोप लगाया था कि रूकमा के पति आत्माराम ने उसकी बेटी के सिर पर चोट मारकर हत्या कर दी। इस संबंध में हनुमानगढ़ टाउन पुलिस थाने में धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

लोक अभियोजक मनोज शर्मा ने जानकारी दी कि मामले की सुनवाई के दौरान 15 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इसके अलावा, 44 दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इन साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मृतका के पति आत्माराम उर्फ लाभा को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं यदि अर्थदंड जमा नहीं करवाया जाता है, तो दोषी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।

पलंग पर सोते व्यक्ति को टैंकर ने कुचला, मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के सायरा थाना क्षेत्र में दूध से भरे टैंकर ने रिवर्स लेते समय सोते व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सुआवतों का गुडा गांव में सुबह करीब आठ बजे का है।

सायरा थाने के एएसआई शंभू सिंह ने बताया कि मृतक के पुत्र गोवर्धन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें बताया कि उनके पिता फतहसिंह राजपूत (55) सुबह घर के बाहर आम के पेड़ के नीचे पलंग पर सो रहे थे। बाड़े में दूध से भरा टैंकर खड़ा था। जिसे ड्राइवर भगवत सिंह राजपूत निवासी नरसिंगदासजी का गुडा ने स्टार्ट किया। वह टैंकर को आगे-पीछे कर रहा था। तभी लापरवाही बरतते हुए टैंकर को तेज गति से रिवर्स में लिया, जिसकी चपेट में पिता फतह सिंह आ गए। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर लिया है।

कार्यालय नगरपालिका आहोर जिला जालोर

क्रमांकः नपाआ/2026/121 दिनांक 14.04.2026

-: निविदा सूचना :-

अपेक्षित श्रेणी में रजिस्टर्ड फर्मो को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका, आहोर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्नांकित कार्य की बिड जैम पोर्टल पर ऑनलाईन की गई हैं। इच्छुक फर्म/ संस्था भाग लेना चाहे तो दिनांक 22.04.2026 तक उक्त बिड में भाग ले सकते है विस्तृत विवरण GEM PORTAL एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

GEMPORTAL ID :- GEM/2026/B/7426727
SPPP:- UBN – DLB2627GSGB01661

क्र. सं.	कार्य का नाम	मात्रा	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)
1	Supply of auto tipper of bin lifter or 1.8 cum capacity tata v30	01	14.00

राज.संवाद/सी/26/1152 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका आहोर

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/4461 - 72 दिनांक :- 17/04/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 02 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in https://bhda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरणः– 01. WAQ2627WSOB00012 ,02. WAQ2627WSOB00013

राज.संवाद/सी/26/1165 — अधिशाषी अभियन्ता

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/22 - 24 Date :- 16/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 06/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 472.85 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	18.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 14.05.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	18.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 14.05.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	15.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00010

राज.संवाद/सी/26/1160 — अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय, उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजसमंद में 101 किलो डोडा चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पुलिस थाना चारभुजा व डीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 101 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई उदयपुर रेंज के महानिरीक्षक के निर्देशन में तथा जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल एवं वृताधिकारी कुम्भलगढ़ ज्ञानेन्द्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी भगवत सिंह एवं डीएसटी प्रभारी सोनाली शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता से एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने पिकअप वाहन में कैरेट के नीचे सफेद प्लास्टिक के कट्टों में छिपाकर ले जाया जा रहा अवैध डोडा-चूरा बरामद किया। इस दौरान पिकअप चालक गणेश लाल कुमावत (32) निवासी ओडा, थाना रेलमगरा, जिला राजसमंद को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना चारभुजा में प्रकरण दर्ज कर जांच पुलिस उपनिरीक्षक ओमसिंह को सौंपी गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

पुलिस थाना चारभुजा व डीएसटी टीम ने डोडा-चूरा जब्त किया।

डूंगरपुर में वाहन की टक्कर से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें सूचित किए बिना और औपचारिक रूप से मृत घोषित किए बिना ही शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया।

पीठ निवासी नाथीलाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका भांजा भावेश सोमवार रात अपने साथी अमन और गोविंद के साथ एक शादी समारोह में गया था। देर रात करीब लौटते समय रास्ते में उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में भावेश गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे एम्बुलेंस के जरिए सीमलवाड़ा राजकीय अस्पताल ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने परिवार को सूचित किए बिना और औपचारिक रूप से मृत घोषित किए बिना ही भावेश के शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

जोधपुर में टैक्सी चालक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर पुलिस थाना क्षेत्र के भदवासिया स्थित गली नंबर सात में रहने वाले एक टैक्सी चालक नेअपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके साथ मारपीट करने और जान की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए बहनों ने कुछ लोगों को नामजद कर रिपोर्ट दी है। घटना से पूर्व वह कुछ लोगों से मिला था। फिलहाल महामंदिर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ **मृतक की बहनों ने कुछ लोगों पर मारपीट और धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है**

महामंदिर पुलिस ने बताया कि नागौर जिले के डेगाना की रहने वाली आशा पुत्री कैलाश और उसकी बहन निशा पुत्री दीपक ने संयुक्त रूप से रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई सचिन यहां जोधपुर में अपने ननिहाल भदवासिया, सांसी बस्ती गली नंबर 7 में रहता था। वह ऑटो चलाता था। 19 अप्रैल की सुबह पांच बजे के करीब उसके पास में दीपक, राजेंद्र, अर्जुन आदि का फोन आया था और उन लोगों ने टैक्सी लेकर बुलाया। उसे घूमने के चलने के लिए कहा गया। इस पर सचिन वहां पहुंचा तो उक्त लोगों ने उस पर हमला बोला और लात-घूंसों से पिटाई की, साथ ही नुकीली वस्तु संभवतः क्लीप से मारा गया था। उसे जबरन शराब पिलाकर जान की धमकी भी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि बाद में सचिन को छोड़ दिया गया। वह घर लौटा और घटनाक्रम अपने ननिहाल वालों मामा-मामी आदि को बताया और जान की धमकी के बारे में जानकारी दी। उसके बाद सचिन कमरे में चला और फंदा लगाकर जान दे दी। महामंदिर थाना पुलिस ने मामले में नामजद लोगों के खिलाफ अब जांच आरंभ की है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजगढ़, चूरू (राज0)

क्रमांक :– न.पा.रा./2026–27/07 दिनांक :– 13.04.2026

– संशोधित निविदा सूचना –

(NIB CODE – DLB2627A0528)

नगरपालिका राजगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य से सम्बन्धित समस्त संकर्म/सेवाओ श्रेणी के केन्द्र/राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मस्/सप्लायर्स से दिनांक 21.04.2026 को ऑफलाईन निविदा कॉपी आमंत्रित की जाती है। ऑफलाईन निविदा कॉपी दिनांक 21.04.2026 को 12:00 तक विक्रय की जाकर उसी दिन दोपहर 03:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी। तथा प्राप्त निविदाए दिनांक 22.04.2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित संवेदको के समक्ष खोली जावेगी। निविदा से संबंधित शर्ते एवं विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट पर http://sppp.rajasthan.gov.in व कार्यालय मे कार्यालय समय पर भी देखी जा सकती है।

S.No.	Tender UBN/NIB Number
1	(DLB2627WSOB01628), (DLB2627WSOB01630), (DLB2627WSOB01631), (DLB2627WSOB01634), (DLB2627WSOB01635), (DLB2627WSOB01636), (DLB2627WSOB01637), (DLB2627WSOB01638), (DLB2627WSOB01639), (DLB2627WSOB01641), (DLB2627WSOB01643), (DLB2627WSOB01645), (DLB2627WSOB01647), (DLB2627WSOB01649), (DLB2627WSOB01650), (DLB2627WSOB01651), (DLB2627WSOB01652), (DLB2627WSOB01653), (DLB2627WSOB01654), (DLB2627WSOB01655)

राज.संवाद/सी/26/1151 — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका राजगढ़

अवैध शराब जब्त

झुंझुनूं, (निसं)। पचेरी कलां थाना पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से करीब 35 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब और 24 बोतल बीयर जब्त की है, आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान टीम को सूचना मिली कि सातौर से खान्दवा जाने वाली सड़क पर एक अस्थाई लोहे के खोखे से मजदूरों और राहगीरों को अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची लेकिन संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर फरार हो गया।

जोधपुर में सूने मकान से नगदी सहित जेवर चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित सीएमएचओ कार्यालय के पास में एक सूने मकान में 18-19 अप्रैल की रात में सैंध लग गई। अज्ञात चोर घर की फाटक कूद कर घुसे और लोहे की लकड़ी के दरवाजे का ताला तोड़कर प्रवेश किया। बाद में सोने-चांदी के आभूषण और नगदी ले गए। परिवार के लोग घटना के समय एक शादी समारोह में बाड़मेर गए हुए थे। पड़ौसी की सूचना पर वापिस आए। घर के आसपास एक संदिग्ध ओला बाइक देखी गई है। पुलिस अब उसके नंबर के आधार पर तलाश में जुटी है।

■ **परिवार के लोग घटना के समय शादी समारोह में बाड़मेर गए हुए थे**

कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि मूलतः राजधानी जयपुर हाल झालामंड स्थित सीएमएचओ कार्यालय के पास शंकर नगर निवासी माधव सिंह पुत्र किशन सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह 17 अप्रैल को परिवार सहित शादी में बाड़मेर गए थे। बाद में 18 को पड़ौसी ने घर का ताला टूटने की जानकारी दी।

इस पर उसके रिश्तेदार गजेंद्रसिंह को वहां भेजा गया। पता लगा कि चोरों ने घर में प्रवेश कर वहां से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी ले गए हैं। घर के पोर्च में खड़ी बाइक की सीट पर फुट प्रिंट भी दिखे हैं। साथ ही 18 अप्रैल की रात साढ़े 11 से 3.30 बजे के बीच एक संदिग्ध ओला बाइक भी देखी गई है, जो वहां सूनी जगह पर खड़ी थी। वह कल वापिस जोधपुर पहुंचा तो पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मौका मुआयना किया है और अब संदिग्ध ओला की तलाश आरंभ की है। पीड़ित द्वारा चोरी गए सामान का ब्यौरा फिलहाल पुलिस को उपलब्ध नहीं करवाया गया है। पीड़ित सरकारी नौकरी में बताया गया है।

लूट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

बुहाना/झुंझुनूं, (निसं)। करीब छह साल से फरार चल रहे एटीएम लूट मामले के वांछित और 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को बुहाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले में दबिश देकर आरोपी राहुल मेव (27) को गिरफ्तार किया। आरोपी ग्राम सालाका, थाना सदर तावडू का निवासी है और पिछले 6 वर्षों से फरार चल रहा था।

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952–220034, फेक्स नं. 02952–221233, ई–मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/3/2026–27/420 दिनांक :– 15.04.2026

ई–निविदा सूचना संख्या 3/2026–27

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	1
कार्यो की अनुमानित लागत	30.00 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	15.04.2026 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	16.04.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	27.04.2026 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	28.04.2026 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	28.04.2026 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2627WSOB01716

राज.संवाद/सी/26/1176 — आयुक्त, नगरपरिषद राजसमन्द

कार्यालय नगरपालिका रतननगर (चूरू)

फोन नं. - 01562-281224, ईमेल - mun_rnagar@yahoo.in

Date :- 16/04/2026

Notice Inviting Bid

Bids for of STREET LIGHT RATE CONTRACT (ARC) work invited from interested bidders up to 01:00 PM 23-04-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.

UBN is: DLB2627SIRC01869

Raj.Samwad/C/26/1222 — Executive Officer

कार्यालय नगर पालिका अटरू जिला बांरा (राज.)

क्रमांक :- न0पा0अ0/स्टोर/2026-27/188 दिनांक :- 16/04/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका अटरू द्वारा निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा कमांक :- न.पा.अ./स्टोर/2026-27/184-185 दिनांक 16.04.2026 से आमंत्रित की जाती है। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.nic.in पर देखी व डाउनलोड किये जा सकते हैं। जिसका NIB code DLB2627A0590 हैं एवं UBN NO.- निम्नानुसार है :- DLB2627SLRC01804

राज.संवाद/सी/26/1210 — अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक :– न.नि.भ./जन0स्वा0/2026–27/1105 दिनांक :– 13.04.2026

ई–निविदा सूचना–01/2026–27

नगर निगम, भरतपुर द्वारा उपयुक्त श्रेणी में एवं अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा दिनांक 16.04.2026 से अन्तिम दिनांक 27.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है। जिसमें टेण्डर निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in/ एवं कार्यालय समय में कार्यालय में देखी जा सकती है।

UBN Number:-
1. DLB2627WSOB01625 2. DLB2627WSOB01626 3. DLB2627WSOB01626

राज.संवाद/सी/26/1241 — आयुक्त, नगर निगम, भरतपुर

श्रीगंगानगर में इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक से लाखों की धोखाधड़ी

कूलर फैक्टरी मालिक पर फर्जी चेक लगाने का आरोप, कोर्ट से नोटिस मिला तो पता चला

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग का काम करने वाले एक मैकेनिक से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट, श्रीगंगानगर में दी शिकायत में प्रभु दयाल निवासी ताखरांवाली, श्रीगंगानगर ने बताया कि उसकी गांव ताखरांवाली में इलेक्ट्रॉनिक सामान की रिपेयरिंग की दुकान है। जहां पर वह कूलर, पंखे व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान रिपेयरिंग करने का काम करता है। उसने लॉकडाउन के बाद अपना काम दोबारा शुरू करने के लिए आरोपी सौरभ आहुजा निवासी विनोबा बस्ती श्रीगंगानगर से 20 कूलर खरीदे थे।

■ **कूलर खरीदने के बदले दिये गये चेकों में हेराफेरी कर धोखाधड़ी की थी**

सौरव आहूजा की कूलर की फैक्टरी है। कूलर खरीदते समय प्रभु दयाल ने कूलरों के पैसे नगद दे दिए थे और 25 हजार और 24 हजार रुपए के दो चेक दिए गए थे। साथ ही यह भी तय हुआ था कि यदि कूलर में कोई खराबी आती है तो उसकी जिम्मेदारी फैक्टरी मालिक की होगी। कुछ समय बाद कई कूलर खराब हो गए। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने उन्हें बदलने की मांग की, लेकिन आरोपी ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। आरोपी ने इस विवाद के चलते चेक में कूटरचना करते हुए 25 हजार की जगह 6 लाख 25 हजार रुपए भर दिए और उसे कोर्ट में लगा दिया। वहीं, दूसरे 24 हजार रुपए के चेक को भी कथित रूप से 2 लाख 24 हजार रुपए का बनाकर एक अन्य व्यक्ति के नाम से बैंक में लगा दिया, जबकि वह (प्रभुदयाल) उस व्यक्ति को जानता तक नहीं है।

प्रभुदयाल को इस पूरे मामले की जानकारी तब हुई जब उसे कोर्ट से नोटिस मिला। जिसके बाद उसने आरोपी से संपर्क किया तो आरोपी ने कहा कि फर्जी चेक लगाकर पैसे वसूलने के लिए ही यह सब किया गया है। इसके बाद परिवादी ने पुलिस थाना कोतवाली और एसपी को शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद कोर्ट के माध्यम से इस्तगासा पेश किया। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न.07464–294024, ई–मेल आईडी np.karauli@yahoo.com, website – WWW.npkarauli.in

क्रमांक : 373 दिनांक : 10.04.2026

ई–निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई–टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य :– कुल कार्य 04
निविदा की अनुमानित लागत	46.71 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	15.04.2026 समय 5:00 पीएम से 28.04.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	28.04.2026 समय 6:00 पीएम तक
भौतिक रूप से निविदा शुल्क व दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	29.04.2026 समय 2:00 पीएम तक
ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	29.04.2026 समय 3:30 पीएम
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000/– रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500/–रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
UBN. -	Work no 1 - DLB2627WSOB01441 Work no 2 - DLB2627WSOB01442 Work no 3 - DLB2627WSOB01443 Work no 4 - DLB2627WSOB01444

राज.संवाद/सी/26/1191 — आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

पत्नी को सुलह के बहाने बुलाकर मौत के घाट उतारने वाला पति गिरफ्तार

पिछले 7 वर्षों से पति से विवाद के चलते पीहर में रह रही थी मृतका

जयपुर (कासं)। हरमाडा इलाके में टाटियावास टोल प्लाजा के पास आनंदलोक योजना स्थित रेलवे अंडरपास के निकट मिली महिला की लाश के मामले का जयपुर पश्चिम जिला पुलिस ने महज 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए महिला की हत्या के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 20 अप्रैल की सुबह अंडरपास के पास एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को शव संदिग्ध हालत में मिला, जिसके मुंह पर कपड़ा बंधा था और शरीर पर चोट के निशान थे। बाद में मृतका की पहचान मीनू शर्मा निवासी हरमाड़ा/धोबलाई के रूप में हुई।

■ **आनंदलोक योजना स्थित रेलवे अंडरपास के निकट मिली महिला की लाश मिलने के बाद पुलिस ने 24 घंटे में वारदारत का पर्दाफाश किया**

जांच में सामने आया कि मीनू शर्मा पिछले करीब 7 वर्षों से अपने पति से विवाद के चलते अलग रह रही थी और पीहर में रह रही थी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महिला एक बाइक सवार के साथ जाती नजर आई। बाइक नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान पति सतीश उर्फ कैलाश चंद शर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वारदात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि उसने पत्नी को बातचीत के बहाने सुनसान स्थान पर बुलाया, जहां दोनों के बीच विवाद हुआ। आवेश में आकर उसने गला दबाकर और मारपीट कर पत्नी की हत्या कर दी और शव को वहीं छोड़कर फरार हो गया।

मामले के खुलासे में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और एसीपी चौमूं आलोक सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी चौमूं हरबेन्द्र सिंह, थानाधिकारी हरमाड़ा उदयसिंह, डीएसटी प्रभारी गणेश तथा टीम के हेड कांस्टेबल राजेंद्र, कृष्ण कुमार और तकनीकी सहायक राजमहेन्द्र की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

कानोता और जमवारामगढ में 6 ईंट भट्टों पर बिजली चोरी पकड़ी

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को कानोता व जमवारामगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कार्यवाही की। इस दौरान 6 ईंट भट्टों में बिजली चोरी पकडी गई। टीम ने कानोता के ग्राम डंगरवाड़ा खुर्द स्थित 4 ईंट भट्टों में एल.टी. पोल अथवा ट्रांसफार्मर की बुशिंग से केबल लगाकर की जा रही विद्युत चोरी पकडी, जिस पर संबंधित के विरूद्ध 14,31,612 रूपए का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार बस्सी के रूपवास व राहोड़ी में भी एक-एक ईंट भट्टे में विद्युत चोरी के मामले पकडे गए, जिस पर 6,76,944 का जुर्माना लगाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतर्कता महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि संबंधित लोगों को जुर्माना राशि जमा कराने के लिए नोटिस जारी कर दिये गये हैं। तय समय में जुर्माना राशि जमा नहीं करवाने वाले उपभोक्ताओं के विरूद्ध विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

जुए के बड़े अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, 25 आरोपी गिरफ्तार

चाकसू में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 7.33 लाख रुपए की नकदी और लग्जरी वाहन जब्त किए

जयपुर (कासं)। राजधानी के चाकसू थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआ-सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारकर 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त कार्रवाई जयपुर दक्षिण की डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम (डीएसटी) और चाकसू थाना पुलिस ने की।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू बायपास स्थित जैन सिटी के एक मकान में बड़े स्तर पर जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर कोटखावदा रोड स्थित मकान नंबर 12 पर दबिश दी गई, जहां पहली मंजिल पर 20-25 लोग ताश के पत्तों पर दांव लगाते मिले। पुलिस ने मौके से 7 लाख 33 हजार 800 रुपए नकद, 5 लग्जरी कारें तथा एक होंडा ड्रीम युगा मोटरसाइकिल जब्त की। इसके अलावा 30 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों में जयपुर के अलावा कोटा, करौली, भरतपुर, सवाई माधोपुर और मध्यप्रदेश के नीमच जिले के लोग शामिल हैं। इनमें मोहम्मद हुसैन, आरीफ खान, राजेंद्र कोठारी, धर्म सिंह मीना, श्रीमन गुर्जर, फैसल, पंकज जैन, द्वारका शर्मा, रितेश जैन सहित अन्य आरोपी शामिल हैं। इस कार्रवाई को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित कुमार शर्मा के निर्देशन और एसीपी चाकसू भवानी सिंह के सुपरविजन में अंजाम दिया गया। टीम का नेतृत्व चाकसू थानाधिकारी मनोहर लाल और डीएसटी प्रभारी विश्वम्भर दयाल ने किया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क और जुआ-सट्टे के अन्य ठिकानों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

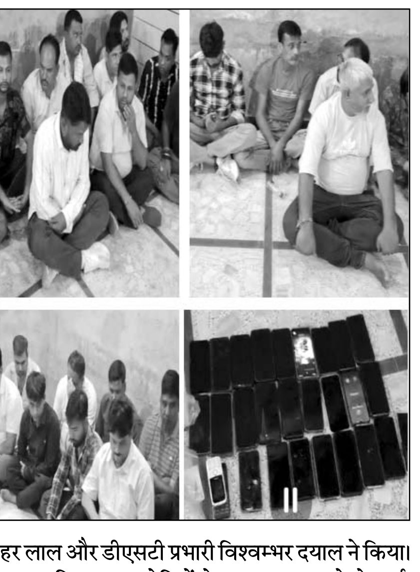

स्मैक-गांजे के साथ 5 नशा तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजधानी में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन जागृति के तहत जयपुर दक्षिण जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज के निर्देशन में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर यह कार्रवाई की गई।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस टीमों ने सोडाला, ज्योति नगर, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर और मुहाना थाना इलाकों में घेराबंदी कर कच्ची बस्तियों में डोर-टू-डोर सर्वे किया। इस दौरान संदिग्धों और पूर्व में चालान शुदा अपराधियों की सूची तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से तलाशी अभियान चलाया गया।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 प्रकरण दर्ज कर कुल 776 ग्राम गांजा, 6.28 ग्राम स्मैक और 14 ग्राम चरस बरामद की। इसके साथ ही 6590 रुपए नकद, एक स्कूटी और 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में झुंझुनूं निवासी शरीफ काजी (सोडाला) से 14 ग्राम चरस, शिवा सांसी (ज्योति नगर) से 1.82 ग्राम स्मैक, टोंक निवासी सीमा सांसी (शिवदासपुरा) से 64 ग्राम गांजा, रणजीत सांसी (सांगानेर सदर) से 4.46 ग्राम स्मैक, 500 ग्राम गांजा व एक स्कूटी तथा सीकर निवासी ज्योति मालावत (मुहाना) से 212 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। आमजन से अपील की गई है कि नशे की सप्लाई या सेवन से जुड़ी जानकारी दें, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। यह कार्रवाई एडिशनल डीसीपी (दक्षिण) ललित शर्मा और एसीपी मानसरोवर आदित्य काकडे के सुपरविजन में संबंधित थानाधिकारियों, डीएसटी और साइबर सेल की टीम ने संयुक्त रूप से की।

कांग्रेस को नारी शक्ति "वोट की चोट" से जवाब देगी : राठौड़

जयपुर। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल पर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अलका लांबा को जानकारी का अभाव है, उन्हें पढने की जरूरत है। उनके आरोप निराधार और हताशा से भरे हुए हैं। वे थोड़ा पढ़कर आती तो शायद कुछ अच्छा बोल पाती। राखी राठौड़ ने कहा कि महिलाओं को सिर्फ और सिर्फ वोटबैंक समझने वाली कांग्रेस को नारीशक्ति वोट की चोट से जवाब देगी। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस जानबूझकर महिलाओं के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि पार्टी का महिला वर्ग में जनाधार लगातार कमजोर हो रहा है। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों में बेहद कम संख्या में महिलाएं शामिल हो रही हैं, जिससे साफ है कि महिलाओं का समर्थन उन्हें नहीं मिल रहा है। राठौड़ ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में मात्र 20 से 30 महिलाएं शामिल थीं।

पोस्टर का विमोचन

जयपुर। भारतीय किसान संघ द्वारा 30 अप्रैल को चोमू सब्जी मंडी में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन के कार्यक्रम का विमोचन राजभवन में किया गया। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रांत अध्यक्ष कालूराम बागड़ा, प्रदेश कार्यालय प्रमुख करण सिंह, जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण यादव, जिला युवा प्रमुख ओमप्रकाश लाम्बा, जिला कोषाध्यक्ष भगवान सहाय मौजूद थे।

तस्कर लियाकत खान की 2.52 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

जयपुर (कासं)। झालावाड़ पुलिस ने "ऑपरेशन दिव्य प्रहार 2.0" के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए कुख्यात तस्कर लियाकत खान द्वारा मादक पदार्थों की काली कमाई से अर्जित की गई करोड़ों की चल-अचल संपत्तियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत स्थाई रूप से फ्रीज कर दिया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस कार्यवाही को विधिक रूप से अनुमोदित कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस की इस कार्यवाही के बाद अब ड्रग माफिया लियाकत खान और उसके सहयोगी अवैध आय से अर्जित संपत्तियों का न तो उपभोग कर सकेंगे और न ही उनका विक्रय या हस्तांतरण कर पाएंगे। फ्रीज की गई संपत्तियों में 2 भव्य मकान है जिनका कुल बाजार मूल्य 2 करोड़ 52 लाख 47 जार 960 रुपये है।

एसपी अमित कुमार ने बताया कि तस्करों की जड़ों पर वार करने के लिए एमओबी शाखा में तस्करों की संपत्तियों का एक गोपनीय डेटाबेस तैयार किया गया। इस मिशन को सफल बनाने में जिला कलेक्टर श्री अजय सिंह राठौड़ के निर्देशन में राजस्व विभाग ने रिकॉर्ड मिलान में और पीडब्ल्यूडी विभाग ने संपत्तियों के बाजार मूल्य के त्वरित मूल्यांकन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। आरोपी लियाकत खान निवासी चाचुर्नी, डग के विरुद्ध पूर्व में मादक पदार्थ तस्करी के गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस द्वारा की गई पूर्व में की गई कार्यवाहियों में अब तक कुल 3123 किलोग्राम डोडा चूरा व अफीम (अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य (4.83 करोड़ रुपये) और 01 ट्रेलर ट्रक (38 लाख) और 01 बुलेट बाइक (2 लाख) जब्त किए गये है। जिला पुलिस की इस कार्यवाही से समाज में यह स्पष्ट संदेश गया है कि मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित की गई संपत्ति स्थायी नहीं रहती। ऑपरेशन दिव्य प्रहार 1.0 की सफलता के बाद जनवरी 2026 से 2.0 अभियान शुरू किया गया है।

■ **नशा माफिया पर झालवाड़ पुलिस ने किया प्रहार**

छात्रा का पीछा कर अभद्र इशारे करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए तैनात कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राह चलती छात्रा को परेशान करने वाले मनचले को सलाखों के पीछे पहुँचाया है। पुलिस ने आरोपी को उस वक्त दबोचा जब वह सादा वस्त्रों में तैनात टीम की निगरानी में छात्रा का पीछा कर रहा था।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा ने बताया कि कालिका टीम की सदस्य संतोष, शर्मिला, संगीता और नीलम को एक महिला ने फोन कर अपनी भांजी के डरे होने की सूचना दी थी। टीम जब रात 9 बजे पीड़िता के घर पहुँची, तो पता चला कि दादी का फाटक स्थित प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा ने डर के मारे स्कूल जाना छोड़ दिया है। कालिका टीम ने छात्रा को स्कूल जाने के लिए तैयार किया, सुबह 6 बजे टीम सादा वस्त्रों में रास्ते में तैनात हो गई। जैसे ही छात्रा घर से निकली, आरोपी उसका पीछा करने लगा और अश्लील बातें बोलने लगा। छात्रा का इशारा मिलते ही टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया।

जनसंपर्क सेवा से जुड़े अफसरों का सम्मान

58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में जनसंपर्क सेवा से जुड़े अधिकारियों और वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

जयपुर (कासं)। 58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा मंगलवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब, जयपुर में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईएएस अधिकारी पवन अरोड़ा ने जन सम्पर्क विभाग के अधिकारी आशुतोष अवाना, कुणाल वशिष्ठ और सोनू शर्मा को जनसम्पर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनसंपर्क उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीरेंद्र पारीक ने जनसंपर्क को लोकतंत्र के पांचवे स्तंभ और जन सम्पर्क की वर्तमान में भूमिका विषय पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष कविता जोशी ने बताया कि हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एन के पांडेय, पूर्व भारतीय राजदूत सतीश मेहता और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. लालचंद भारतीय ने जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विभिन श्रेणियों में कुल 21 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड रवि शंकर शर्मा, फारूक आफरीदी, डॉ. कल्याण प्रसाद वर्मा को दिया। जनसंपर्क-श्री सम्मान से अनिल कुमार गौड़, कमल जोशी एवं आत्माराम सिंघल को नवाजा। जबकि जनसंपर्क गौरव सम्मान से प्यारे मोहन त्रिपाठी एवं एम. एस. जैन को दयिा। जनसंपर्क विशिष्ट उपलब्धि सम्मान से निर्मल गोयल, वन्य वरिष्ठ जनसंचार शिक्षण उत्कृष्टता सम्मान डॉ. फकीरा मोहन, सनोवर परीक एवं डॉ. अमित वर्मा, जनसंपर्क उर्जावान सम्मान से गजेन्द्र गुर्जर, गुलाम शुक्ला एवं महेश टांकवानी, जनसंपर्क उदयीमान सम्मान से संजीव माथुर एवं याज्ञवल्क्य मोहन शर्मा को सम्मानित किया गया।

सड़क किनारे जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया क्षेत्र में पुलिस ने अवैध जुआ-सट्टा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे जुआ खेल रहे तीन आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 64,500 रुपये नकद और ताश की गड्डी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देशों के तहत यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी चन्द्रभान सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को सूचना मिली कि चक करोल क्षेत्र में दांतली मार्ग पर कुछ लोग दुकानों के पास दीवार की ओट में जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान असलम खान (32), अनीस अहमद (34) और अल्ताफ हुसैन (36) के रूप में हुई है, जो जगतपुरा क्षेत्र के निवासी हैं।

'पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन व विकास के लिए लोगों की भागीदारी जरूरी'

जयपुर। जयपुर जिले में चिन्हित पंच-गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में बैठक हुई।

कलक्टर ने कहा कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण की योजना नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने पंच-गौरव की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं ताकि युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित हो। कलक्टर ने एक जिला एक खेल कबड्डी के विकास के लिए जिले के गाँव-गाँव में खिलाडी एवं कोच तैयार करने के निर्देश जिला खेल अधिकारी को दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर कबड्डी खेल को बढ़ावा देने के लिए इंडोर स्टेडियम बनवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने विश्व पर्यटन के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रखने वाले जयपुर के आमेर किले के विकास एवं पर्यटकों के लिए बेहतरीन सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमेर किले में बेहतर साफ-सफाई, शौचालय, पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे व साइनेज लगवाने के निर्देश दिए।

एमडी बनाने वाला 7.3 किलो प्रतिबंधित केमिकल जब्त

जयपुर। प्रतापगढ़ जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अरनोद पुलिस और डीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एमडी बनाने में प्रयुक्त होने वाला 7.3 किलो प्रतिबंधित 2-ब्रोमो-4-मिथाईलप्रोपिओफेनोन केमिकल पाउडर और 5 ग्राम एमडी जब्त की है। जब्त किए गए केमिकल और मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 5 करोड़ 60 लाख रुपये बताई जा रही है।

■ **जब्त केमिकल और मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 5.60 करोड़ रु. है।**

एसपी आदित्य ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और सीओ चन्द्रशेखर पालीवाल के मार्गर्शन में पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि नौंगावा निवासी आबिद खान अपने खेत के कुएं पर परिवार के साथ मिलकर एमडी तैयार करता है। इस सूचना पर अरनोद थानाधिकारी शिवलाल मीणा और डीएसटी प्रभारी प्रताप सिंह की टीमों ने संयुक्त दबिश दी। तलाशी के दौरान कुएं के पास बने पानी के हौज के पत्तों के नीचे छुपाया गया एक कट्टा बरामद हुआ, जिसमें चमकीला प्रतिबंधित केमिकल पाउडर भरा था। पास ही एक थैली में तैयार एमडी भी बरामद की गई। यह कार्रवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत सरकार ने 11 मार्च 2026 को ही गजट नोटिफिकेशन से 2-ब्रोमो-4-मिथाईलप्रोपिओफेनोन को एनडीपीएस एक्ट की श्रेणी में शामिल किया था। इस नए कानून के लागू होने के बाद प्रतापगढ़ जिले में इस प्रतिबंधित केमिकल की जब्ती की यह पहली और ऐतिहासिक कार्रवाई है। पुलिस ने मौके से अभियुक्त आबिद खान निवासी नौगांवा थाना अरनोद को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

अपहृत नाबालिग को छुडाया

जयपुर। राजधानी में 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी परिचित ने उसे धोखे से मिलने के बहाने बुलाकर अगवा कर लिया और उत्तर प्रदेश ले जाकर 10 दिन तक बंधक बनाए रखा। जयपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार जयपुर निवासी नाबालिग 10 दिन पहले घर से निकलने के बाद रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पुलिस ने तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस उत्तर प्रदेश पहुंची, जहां दबिश देकर नाबालिग को सुरक्षित बरामद किया गया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उससे परिचित था और बातचीत होती थी। 10 दिन पहले आरोपी ने मिलने के बहाने उसे घर के पास बुलाया और बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद धमकी देकर जबरन उत्तर प्रदेश ले जाकर बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

राष्ट्रपति भवन में महके राजस्थान व्यंजन

साउथ कोरिया के राष्ट्रपति को जैसलमेर के पुलाव से लेकर गोविन्द गट्टा तथा गुलाब बाटी चूरमा परोसा

जयपुर (कासं)। राष्ट्रपति भवन में सोमवार शाम आयोजित विशेष डिनर में राजस्थानी ज़ायक़े के ज़रिए राजस्थान के राजसी सांस्कृति की छटा दिखाई गई। भारत आए मेहमान साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भव्य राजकीय भोज की मेजबानी की। इस भोज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई राष्ट्रीय मंत्री की उपस्थिति ने शाम को गरिमामयी किया। इस खास डिनर का मुख्य उद्देश्य था मेहमानों को राजस्थान के विभिन्न हिस्सों के पारंपरिक और स्वादिष्ट खाने से रूबरू करना। इस खास मेन्यू को तैयार करने का काम राजस्थान के जाने-माने शेफ डॉ. सौरभ शर्मा और उनकी टीम ने किया।

राजस्थानी खान का आनंद लेते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने शेफ और उनकी टीम की प्रसंशा करते हुए कहा कि "ये एक शानदार राजस्थानी भोजन का अनुभव था। प्रेजिडेंट सेक्रेट्री दीप्ति उमाशंकर ने डॉ. शेफ सौरभ और उनकी टीम को इस प्रतिष्ठित आयोजन में राजस्थानी पाक विरासत का प्रतिनिधित्व करने की उपलब्धि पर बधाई शशि थरूर ने कहा कि राजस्थानी भोजन शाकाहारी होने के साथ ही स्वादिष्ट था।

शेफ सौरभ और उनकी टीम शेफ़ रविंद्र नरुक़ा, शेफ़ हिम्मत सिंह, शेफ़ रतिराम प्रजापत और राष्ट्रपति भवन के एग्जीक्यूटिव शेफ़ मुकेश कुमार ने मिलकर रॉयल थालियों में राजस्थान प्रस्तुत किया। जहां उन्होंने जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर सहित रॉयल फैमिली के पारम्परिक व्यजनों को आधुनिक रूप से परोसा। इस ख़ास मेन्यू में सभी डिशों ने मेहमानों का ध्यान खींचा। जिसमें खास कर ज्वार का राब से लेकर गोविंद गट्टा, धुंगारी पालक मंगोड़ी, चांदी वाली दाल, जैसलमेरी पुलाव और गुलाब बाटी-चूरमा जैसे व्यंजनों ने मेहमानों को राजस्थान की विविधता से रूबरू कराया। खीरंद मालपुआ और घेवर जैसी मिठाइयों ने पारंपरिक मिठास का अनुभव कराया। खास बात यह रही कि इन व्यंजनों को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए भी उनकी मौलिकता और परंपरा को पूरी तरह संजोया गया।

सार-समाचार

भगवान परशुराम की महाआरती की

जयपुर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के अंतर्गत विद्याधरनगर स्थित परशुराम सर्किल पर सर्व समाज के लोगों ने भगवान परशुराम जी का वेद मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया। कार्यक्रम में न केवल ब्राह्मण समाज के अपितु क्षित्रय, वैश्य सहित अन्य समाजों के संगठनों से जुड़े लोगों ने सहभागिता कर सामाजिक समरसता का परिचय दिया। मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भगवान परशुरामजी की पूर्जा-अर्चना की। सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए 56 लोग अपने साथ एक-एक मिठाई या नमकीन लेकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। छप्पन भोग के रूप में यह प्रसाद भगवान को अर्पित कर सर्व समाज के लोगों ने एक-दूसरे को खिलाया। कार्यक्रम में समाजसेवी वीरेंद्र शर्मा, गोपाल शर्मा, अनिल नहवाल, विद्याधर शर्मा, रमेश बंशीया, विनोद शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा, बंशीधर चोटिया, संतोष खांडल, मुकेश शर्मा, हरि ओम जन सेवा समिति के अध्यक्ष पंकज गोयल, अभिषेक अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, अजयकांत हिंदू, बजरंग शर्मा, महेंद्र शर्मा, हरिशंकर गौड़, विनीत शर्मा, काशीनाथ दीक्षित, जय किशन चूलेट, विजय खांडल, अरुण कुमार पांडे सहित सैंकड़ों लोगों ने दीपकों से महाआरती की। गोपालन निदेशालय के निदेशक पंकज ओझा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल युवाओं ने भगवान परशुराम के जयकारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। पूरे सर्किल को रोशनी से सजाया गया।

हर्निया की सर्जरी से रूबरू हुए सर्जन

जयपुर। राजस्थान अस्पताल में आयोजित एक दिवसीय लाइव सर्जरी वर्कशॉप में कॉम्प्लिकेटेड तकनीकों की बारीकियों से सर्जन रूबरू हुए। अस्पताल के लेज़र लैप्रोस्कोपी एंड जनरल सर्जन डॉ. शरद डागा और अपोलो हॉस्पिटल इंदौर के डॉ. निकुंज ने चार अलग अलग मरीजों की टीएएपी इंग्युआईनल, इटीइपी इंग्युआईनल, इटीइपी आरएस वेंट्रल एवं आईपीओएम प्लस वेंट्रल लैपरोस्कोपी सर्जरी की लाइव प्रस्तुत दी। इस वर्कशॉप की पूर्व तैयारी के चलते प्रदेश के 12 डेलिगेट सर्जन ने इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखा और समझा। इससे वे सभी हूबहू पुस्तकों में बतायी जाने वाली कॉम्प्लिकेटेड तकनीकों की बारीकियों से रूबरू हुए। दोनों लेप्रोस्कोपी के प्रवीण सर्जन ने बताया कि जितना इनका नाम जटिल है उतनी ही ये प्रक्रियाएं भी जटिल हैं, परन्तु इसका फायदा मरीज को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ है। मरीज प्रक्रिया के चार घंटों में ही चलने लायक हो जाता है। यही नहीं 3 से 5 दिनों में अपने नियमित कामों को भी कर लेता है। डॉ. शरद डागा ने बताया कि इससे पूर्व वे लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जरी के एक दिन में 9 ऑपरेशन कर पाए हैं, इसका फ़ायदा यह है कि ऑपरेशन का वेटिंग टाइम बच जाता है, कम दर्द की वजह से मरीज जल्द अपने नौकरी-पेशे पर चला जाता है। परिवार के सदस्य भी मरीज की देखभाल कोअतिरिक्त बोझ महसूस नहीं करते।

पत्रकार सम्मान समारोह 2 मई को

जयपुर। वैचारिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मीडिया कर्मियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व संवाद केंद्र एवं वीएसके फाउंडेशन, जयपुर द्वारा आगामी 2 मई को 'देवर्षि नारद जयंती' के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पाथेय भवन, मालवीय नगर स्थित देवर्षि नारद सभागार में दोपहर 1 बजे से होगा। इस पहल का उद्देश्य समाजोन्मुख पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना और सकारात्मक बदलाव की दिशा में मीडिया की भूमिका को सशक्त करना है। समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वदेश समूह के सलाहकार संपादक गिरिश उपाध्याय करेंगे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक जे. नंदकुमार संबोधित करेंगे।'देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान-2026' के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया से जुड़े पत्रकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 22 अप्रैल निर्धारित की गई है।

उपमुख्यमंत्री को निमंत्रण दिया

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा, जयपुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर के सिटी पैलेस में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान महासभा द्वारा आयोजित होने वाले आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। महासभा के पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को समाज द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों और विशेषकर सामूहिक विवाह सम्मेलन की रूपरेखा से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री ने समाज के उत्थान और फिजूलखर्ची रोकने की दिशा में सामूहिक विवाह जैसे पुनीत कार्यों की सराहना करते हुए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री का समर्थन और प्रेरणा समाज के युवाओं और आयोजन समिति के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है। प्रतिनिधिमंडल शिष्टाचार भेंट के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा के साथ युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलवाला, मुकेश कोठोत्या, विनोद कुडाया एवं गजानंद मोरीजा उपस्थित रहे।

Protecting Our Planet: The Spirit of Earth Day

Observed annually on April 22, Earth Day highlights the urgent need to protect the planet and promote sustainable living. First celebrated in 1970, the day has grown into a global movement involving millions of people across countries. It raises awareness about environmental challenges such as climate change, pollution, deforestation, and biodiversity loss. Governments, organisations, and individuals come together to support conservation efforts and adopt eco-friendly practices. From tree planting drives to clean-up campaigns, Earth Day inspires collective action. It serves as a reminder that small, everyday choices can make a significant impact in preserving Earth for future generations.

#ELEGANCE

René Lalique's Art Nouveau Walking Stick

The Art Nouveau movement exemplifies the fusion of beauty and functionality that characterized Parisian design around 1900

René Lalique (1860-1945) is one of the most celebrated names in the history of decorative arts, renowned for his mastery in glass, jewelry, and metalwork. His work, deeply intertwined with the Art Nouveau movement, exemplifies the fusion of beauty and functionality that characterized Parisian design around 1900. One of his most intriguing creations is his Art Nouveau walking stick, a piece that reflects not only his craftsmanship but also the movement's reverence for nature and organic forms.

Art Nouveau and Lalique's Vision

The Art Nouveau movement, which gained prominence in Europe during the late 19th and early 20th centuries, sought to break away from industrial mass production and traditional forms of design. It celebrated fluid, natural shapes, incorporating elements from the plant and animal kingdoms into everyday objects. This aesthetic resonated with Lalique, whose works often featured sinuous lines, intricate detailing, and nature-inspired motifs. His work was driven by a desire to integrate beauty into daily life, and the walking stick is a perfect example of how Lalique elevated functional objects to the realm of art.

The Walking Stick: A Synthesis of Art and Utility

Lalique's walking stick stands as a remarkable synthesis of form and function. Crafted from a combination of materials such as metal and glass, it showcases Lalique's signature mastery in glasswork, where the handle, often the focal point of walking sticks, is intricately designed with natural motifs. Flowers, leaves, and the delicate play of light and shadow are common themes, reflecting Lalique's passion for organic designs that mimicked the flow of nature. The Art Nouveau style's hallmark is its sweeping curves and sinuous lines, and the walking stick embraces this aesthetic fully. Its graceful handle and fluid design are meant to evoke natural elements, from the gentle undulations of a flower petal to the movement of water. Lalique's ability to capture the essence of nature in such a functional object speaks to his skill as a designer who could elevate everyday items to the level of fine art.

What sets Lalique apart from many of his contemporaries is his ability to harmonize beauty with utility. The walking stick is not only a statement of elegance but also a highly functional object, designed to be both practical and aesthetically pleasing. The balance of these elements reflects the broader ideals of the Art Nouveau movement, which sought to create a more harmonious relationship between art and the everyday environment.

Legacy and Significance

Today, Lalique's walking sticks are highly prized by collectors and museums alike, valued not only for their aesthetic beauty but also for their historical and artistic significance. These pieces offer a glimpse into the luxury and creativity of early 20th-century Paris, a period when the city was a hub for innovative design. Lalique's walking stick encapsulates the artistry of an era that valued craftsmanship, individual expression, and the beauty of the natural world.

The enduring legacy of Lalique is evident in how his works continue to inspire designers and artists around the world. His distinctive approach to materials, forms, and the integration of natural elements has left a lasting imprint on decorative arts. Even today, Lalique's influence can be seen in modern glass and metalwork, as his mastery of creating art from functional objects remains an ideal for contemporary artisans.

Tanzania! The Land Of Cheetah And Savannah!

Safari land-artefacts shop owned by Indian.

An inside view of the eco-friendly farm of dreams, Karatu.

I think it is ecologically desirable to grow meta populations but there must be corridors to link these populations so that dispersal of individuals may take place as and when required. Keeping this phenomenon in mind, the experts have chalked out huge landscapes around Kuno and Gandhi Sagar to facilitate free interaction between these meta populations. On map, the landscape seems to be providing ample room to accommodate and flourish a reasonable size of this population but the ground realities are pretty harsh presently.

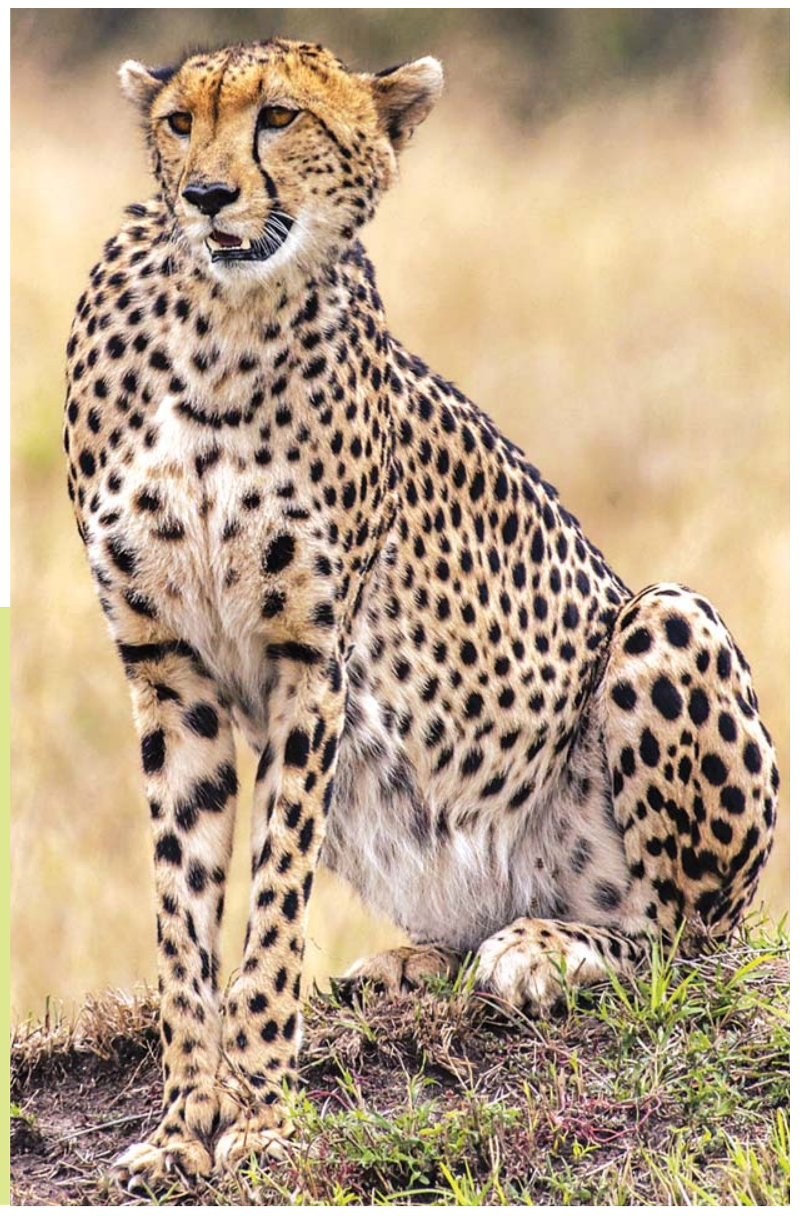

Cheetah in the yellow-dry meadow on high perch, looking for shikar.

Zebras searching edible green grass in dry savannah.

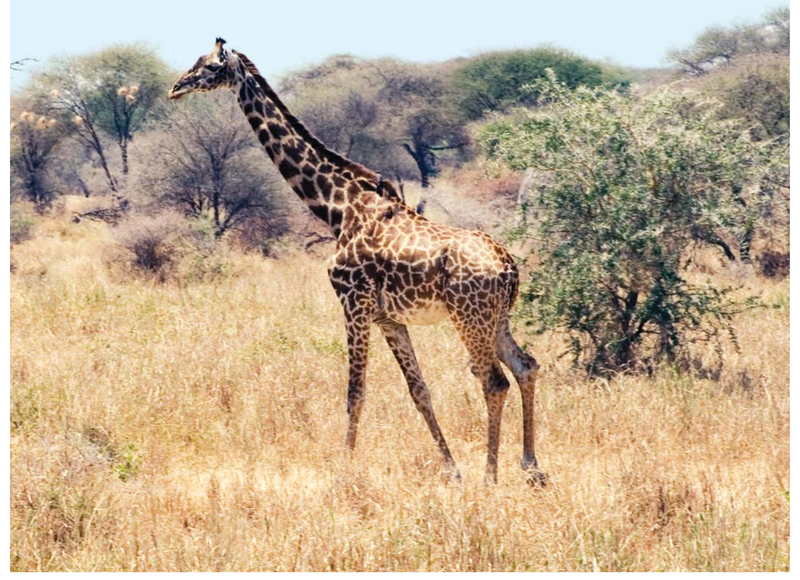

Giraffe looking for food in typical dry savannah.

#WILD

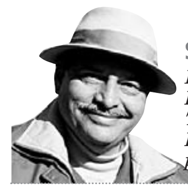

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex-field Director, Project Tiger, Sariska & Keoladeo national park, Bharatpur

It was our 2nd day in Tanzania and we were enjoying the pristine wilderness beauty of Tarangire National Park, known for a high population of elephants and warthogs. Unlike India, this huge park allows camps for wildlife enthusiasts in tented accommodations, scattered almost all over the reserve. Alas! I could not avail this opportunity, for time and budgetary constraints. And had to compromise with whatever the park could offer during the mid day hours, certainly not ideal for wildlife watching. Still, I was happy to see several species including a cheetah, which was my top priority.

In fact, being a wildlife enthusiast and a conservationist, I always missed this fascinating mid segment predator from our Indian jungles and have always wished to see the species back in our wilderness.

In the last three decades, much has been written and talked about the prospects of reintroduction of cheetah in Indian jungles. Several forest tracts have been explored by the wildlife experts to rehabilitate them, which have been its natural home. Reports and photographic evidences prove its presence in jungles of Madhya Pradesh till 1950s. Sadly, indiscriminate hunting for trophies and trapping for coursing is responsible for its decimation from our jungles, stretched from western arid planes to Deccan plateau. Other Asiatic countries too have lost it for varied reasons and presently merely some twenty individuals of this Asiatic Cheetah (Acinonyx jubatus venaticus) are left with Iran. But its close relative, a subspecies called 'Acinonyx jubatus jubatus,' though 'Vulnerable' in the red list of threatened species, published by IUCN, still roam freely in good number in African jungles.

Giant Baobab trees in dry meadows is identity of Tarangire NP.

The wildlife lovers, conservationists had been demanding revival of Cheetah population in Indian jungles, since independence, but unavailability of free ranging Asiatic cheetahs was what put the matter on back burner every time.

Tiger, the top predator, was another species, which was diminishing fast from our jungles those days and a group of highly influential wildlife conservationists, pressing hard to recoup losses, ultimately succeeded in bringing the high profile *Project Tiger* at National level. And this project, right from its inception in 1973, started giving desirable results.

But so far, translocation of such big cats from one to another wilderness had not taken place any where world over and cheetah project depended upon such translocation; therefore cheetah fans' voice still remained unheard. But after successful relocation of wild tigers to Sariska, to repopulate; voices in favour of cheetah translocation could no more be ignored and rightly gained momentum.

Consequently, in 2009, a meeting of a consultative committee, comprised of experts, met at Gajner (Bikaner) and recommended cheetah reintroduction from Iran/Africa jungles. 10 sites pan India were suggested to be surveyed immediately to adjudge their feasibility to rehabilitate foreign origin wild cheetahs.

Exhaustive reports were prepared by the expert group after survey of the shortlisted 7 sites. Shahgarh bulge, the arid grass-savannah land (Jaisalmer-Pakistan border) was found most suitable, but for certain non-ecological reasons, Kuno National Park (Madhy Pradesh) was chosen to start the project, ignoring Shahgarh.

Kuno, located in the Sheopur district of Madhya Pradesh, though more suited to lions, was prepared to welcome this new guest, learning management techniques from foresters of Namibia and South Africa, the countries that agreed to provide free-ranging wild cheetahs. The project took off with 08 Namibian cheetahs flown into Kuno in Sept 2022 and released into some specially designed enclosures called bomas in Africa.

Tarangire River is lifeline of the NP.

At Farm of Dreams, Karatu.

Next year, 12 more cheetahs joined this fleet; this time flown from South Africa. As envisaged, it was a difficult task before the Kuno forest team to cater to the needs of these very special wild guests, inspite of the technical support made available by the African experts.

Of these precious cats, some died too but several others bred litters. But it is not all, because the real challenge is to see them establishing in open jungles, which is different from their homeland, Africa.

Inadequacy of prey base and fragmented grass-savannah lands is the chief factor to be addressed by the enthusiast Kuno team.

A free ranging cheetah needs several hundred square kilometer grass-savannah area to itself, whereas Kuno National Park is just 789 Sq km and that is not all grassland, but a large chunk is woodland, unsuitable for cheetah, which hunts by chasing the prey.

Indian wildlife experts have worked hard to address these two primary shortcomings. This effort reflects in the Action Plan prepared for cheetah rehabilitation. It recommends raising meta populations of this predator in Kuno like several other areas. A decision to incorporate a small population of 3 cheetahs (2M & 1F), offspring of these African cheetahs in Gandhi Sagar Wildlife Sanctuary, falling under Neemach District of Madhya Pradesh, was taken to raise cheetah meta populations. So far, no death reported after their arrival here on 20 April 2025.

This Sanctuary is approximately 300 kilometers from Kuno.

I think it is ecologically desirable to grow meta populations but there must be corridors to link these populations so that dispersal of individuals may take place as and when required.

Keeping this phenomenon in mind, the experts have chalked out huge landscapes around Kuno and Gandhi Sagar to facilitate free interaction between these meta populations. On map, the landscape seems to be providing ample room to accommodate and flourish a reasonable size of this population but the ground realities are pretty harsh presently.

As far as reintroduction of big wild cats is concerned, Sariska pioneered the project at world level and taught that rehabilitation of large wild cats is a huge challenge; still over period of time, wild creatures too learn to adapt to new habitat conditions.

Though basically, this trip to East African wilderness was to satiate my desire to enjoy the serenity of the world's best wildlife reserves, but the old wildlifer in me was all the time on observation mode to understand critical habitat requirements of cheetah, in order to gather some tips to help get them to Indian jungles.

Serengeti National Park, located at the Northern border of Tanzania, undoubtedly is gold standard for Cheetah, lion, elephants and several other animals but is drier comparing its neighbour Maasai Mara of Kenya. And this dryness keeps increasing as you advance further south.

I was keen to see the extent of the dryness and heat cheetah can withstand in order to understand its tolerance to dry-hot climate of arid-semi arid regions of India especially western Rajasthan.

This motivated me to start my trip from Tarangire National Park (the southern most part of the huge Serengeti landscape) I described in my last Arbit article; the 1st of this series. Tarangire has a mosaic of habitats; majorly grass-savannah stretches support myriad wildlife. It is a happy home for cheetah, suggesting that this cat can survive well in the semi arid-arid region of western Rajasthan, where huge open grass-savannah lands are stretched.

African jungles, especially Maasai Mara and Serengeti landscapes, including Tarangire full of grasslands, are bereft of deer species but support a huge biomass of some sixteen species of antelope, ranging from massive eland to tiny dik-dik. Key species here include wildebeest, gazelles, topis, hartebeests and waterbuck. Of course, zebras are found here in very large number but they belong to horse family (Equidae) and are closely related to horses and donkeys.

Cheetah although resembles leopard, but is anatomically quite different. It is lighter in weight but slenderer bearing long tail. It bears solid black spots all over unlike leopard decorated with complex rosette-shaped spots. The black tear-like markings running from eyes to mouth is the special feature of a cheetah which makes a clear distinction from leopard even from a distance. Interestingly, it is these tear lines that act as natural sunglasses to fight sun glare during day hours' hunting.

Cheetah with semi-retractable claws is poor at climbing trees unlike leopard but can jump several meters and within seconds catch a speed as good as about 100 km an hour and finish at even more. But unlike leopard, it cannot prey upon big animals because of its lighter weight and shorter canines. As per the African wildlife experts, a full grown cheetah cannot prey upon an animal heavier than sixty kilos. It prefers preys of 15 to 35 kilos. In Africa, it can be seen hunting mostly on Thomson's/Grant's gazelle, impala and springbok. But duiker, steenbok and dik-dik like small antelopes are frequently lifted.

In Indian context, spotted deer, blackbuck, chinkara, four horned antelope, wild pig, hare, peacock can serve as desirable prey for cheetahs. As per our schedule, we were to reach Serengeti National Park the next day, passing through the Ngorongoro Conservation Reserve, a world heritage site and the huge dry Serengeti planes. It was difficult to overcome the temptation of roaming some more in Tarangire to enjoy its evening, but the driver-guide insisted on leaving the park early, to reach our night halting place, 'farm of Dreams,' located at Karatu, a small township, in time. Serengeti from there is a full day journey, therefore, Karatu in recent past has developed into a favourite night halting station for tourists.

Heading towards Karatu, we took a stop at an Artifacts shop, named 'Safari Land,' owned and run by an Indian origin Tanzanian national. Looking to the size, expensive interiors and high cost artifacts on display, it was more like a museum with bars and restaurants. The guide shared that Indians in Tanzania owning varied businesses are mostly wealthy. They enjoy acceptance among these Africans, for contributing to creating jobs for locals and adding to economy of the country. By the time we reached Karatu, still, there was some sunlight left to figure out not only length and breadth of the town but also to feel the pulse of the vibrating place. The resort, set in the western side of the town, was barely few kilometers from the highway but the non-metal dry road was full of red dust which was being blown off by the vehicles passing by. Our young driver, bit impatient, wanted to escape the dust by speeding out of it, but it had just the reverse effect. We were behind closed windows, safe but the vehicle faced the brunt and had to be given a thorough wash, marring the driver's evening.

Local tribal with Ornaments, at Safari land.

Our resort was a nice place, full of greenery. Thatched cozy cottages were set in an eco-friendly environment. By the side of the swimming pool were a bunch of local artists, men-women, playing music on their traditional instruments and displaying martial arts. Fire eating, breathing-limbo and walking on fire like circus games were being performed with great skill. Quite exciting. The traditional African dances exhibited extraordinary energy and typical music. Little local booze added further charm to the lovely evening; beating out the exhaustion of the day-long drive on the dusty, bumpy jungle tracks.

The zero pollution serene environs could keep me awake for long but next day's schedule to explore Ngorongoro Conservation Reserve, a world heritage site and camping in side Serengeti National Park, meant leaving the resort early morning.

rajeshsharma1049@gmail.com

Elephant herd after cooling off in the river.

Herd Zebras, Tarangire Park.

THE WALL

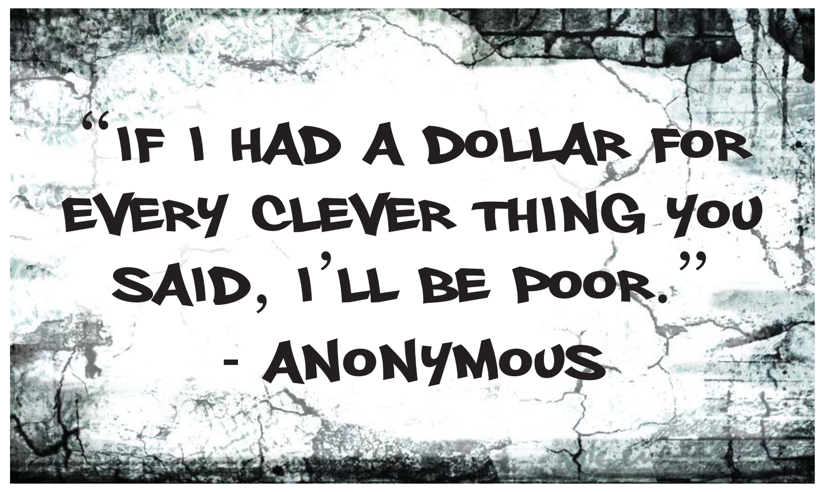

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

झुंझुनूं : कार ने बाइक को टक्कर मारी, ममेरे भाई-बहन की मौत, बच्ची घायल

झुंझुनूं में इलाज के बाद तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में हादसा हो गया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर दो जिंदगियां लील गया। सदर थाना क्षेत्र के बीड़ चेकपोस्ट के पास सोमवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उसकी ममेरी बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार साल की मासूम बच्ची जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

■ **हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल गए और पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरे, इससे कार का शीशा भी चकनाचूर हो गया।**

जानकारी के अनुसार हरिपुरा निवासी 23 वर्षीय पवन काजला अपनी ममेरी बहन पूजा (30) और उसकी चार वर्षीय बेटी गर्वी के साथ झुंझुनूं इलाज के लिए आया था। इलाज के बाद जब तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण कि हवा में उछलकर कार के शीशे पर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल गए और पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरे। इससे कार का शीशा चकनाचूर हो गया। बाइक पूरी तरह क्षितग्रस्त हो गई और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने घायलों को तुरंत निजी वाहनों से बीडीके अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। पूजा को जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मासूम गर्वी का जयपुर के पास एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के दौरान वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना बच्ची को अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में उसकी हालत बिगड़ने पर एक व्यक्ति ने लगातार सीपीआर देकर उसकी सांसें चलती रखीं, जिससे समय पर इलाज मिल सका।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ :- पूजा बचपन से अपने बुआ-फूफा के पास पली-बढ़ी थी। उसकी शादी सेही कलां में हुई थी और वह पिछले कई दिनों से सांस की बीमारी से जूझ रही थी। वहीं पवन गुजरात में मजदूरी करता था और कुछ दिन पहले ही घर लौटा था। 23 अप्रैल को परिवार में खुशियों का कार्यक्रम तय था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा पूरे परिवार को गहरे सदमे में छोड़ गया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हनुमानगढ़ में कार की टक्कर से दो युवकों की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। गोलूवाला थाना क्षेत्र में देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

■ **परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया**

जानकारी के अनुसार देर रात करीब 9:30 बजे फतेवाली ढाणी निवासी राजीव सिंह (40) और पृथ्वीराज (35) अपनी बाइक पर गांव लौट रहे थे। गोलूवाला क्षेत्र में भगत सिंह कॉलेज के सामने केंचिया की ओर से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद से राजकीय अस्पताल गोलूवाला पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद राजीव सिंह को मृत घोषित कर दिया। पृथ्वीराज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन बीकानेर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कार चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक गोलूवाला मंडी में एसी रिपेयरिंग का काम करते थे। वे देर रात काम खत्म कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत, एक घायल

बीकानेर, (निसं)। शहर में एलआईसी ऑफिस के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के कारण हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा सड़क पर गंभीर हालत में तड़पता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक पर दो युवक सवार थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन घायल की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया।

■ **राहगीर इमरान ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, 4.50 लाख रु. लौटाये**

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान दिव्यांश (निवासी 7 एमडी घड़साना) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक सुधीर बिश्नोई निवासी रोझा, लूणकरणसर है, जिसका पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद जहां लोग तमाशबीन बने रहे, वहीं पीछे से गुजर रहे नई रोशनी जन कल्याण सेवा संस्थान के अध्यक्ष इमरान अली ने मानवता दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और घायल युवक को बिना देर किए पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने से घायल की जान बच सकी। इमरान अली ने सिर्फ घायल की मदद ही नहीं की, बल्कि ईमानदारी की भी मिसाल पेश की। घायलों के पास मौजूद बैग को वे अपने साथ सुरक्षित अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों से संपर्क होने पर पता चला कि बैग में करीब साढ़े चार लाख रुपए नकद थे। इमरान अली ने पूरी जिम्मेदारी के साथ बैग सहित पूरी नकदी परिजनों को सौंप दी।

जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। सांचौर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी चनणाराम विश्नोई की राजस्थान हाईकोर्ट ने लगातार दूसरी बार जमानत याचिका खारिज कर दी है।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त 2024 को पुलिस थाना सांचौर में परिवादी अनोप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसका छोटा बेटा जालम सिंह हुबली में भागीरथ विश्नोई की लॉज पर नौकरी करता था। भागीरथ कुछ समय से उसको वेतन नहीं दे रहा था। जालम सिंह ने भागीरथ से तनख्वाह के बकाया रुपए मांगे तो भागीरथ विश्नोई ने उसे नौकरी से निकाल दिया। उसके कुछ बाद भागीरथ घर पर आया जालम सिंह पर मुखबिरी का आरोप लगाकर पंद्रह लाख रुपए की मांग की। बाद में जालम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी। मुकदमे में भागीरथ विश्नोई, चनणाराम विश्नोई व अन्य सह आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रकरण में चार्जशीट पेश की गई, जिसका वर्तमान में मुकदमा अपर सेशन न्यायाधीश सांचौर में चल रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट में इस केस के मुल्जिम चनणाराम विश्नोई की ओर से उनके वकील ने जमानत प्रार्थना-पत्र पेश किया गया था। परिवादी अनोप सिंह की ओर से एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट में बताया कि मुल्जिम चनणाराम विश्नोई ने अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर जालम सिंह के साथ बुरी तरह मारपीट करके उसे 40 चोटें पहुंचाकर नृशंस हत्या की है, जिसके सारे सबूत चार्जशीट में मौजूद हैं। मुल्जिम का नाम प्रथम सूचना रिपोर्ट में दर्ज हैं और वह पूर्वनियोजित षड्यंत्र में पूर्ण रूप से शामिल है, जिसका नतीजा जालम सिंह की हत्या के रूप में हुआ। चार गवाहों ने मुल्जिम चनणाराम विश्नोई के खिलाफ बयान दिए थे। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि अभी इस मुकदमे में 22 और गवाहों के बयान होने हैं, जिनमें डॉक्टर और पुलिस अधिकारियों के बयान भी होने बाकी हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस कुलदीप माथुर ने मुल्जिम चनणाराम विश्नोई का लगातार दूसरा जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने एक बाइक और स्कूटी में भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द किया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सांचोर जिले के करड़ा स्थित आकोली, चितलवाना हाल 8ई 21 निवासी श्रवण कुमार पुत्र मालाराम विश्नोई की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसका भतीजा मनोज अपनी स्कूटी लेकर एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने से निकल रहा था। तब एक बाइक सवार से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में उसका भतीजा मनोज घायल हो गया। जिसकी बाद में अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। मामले में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई की। शव परिजन को सौंप दिया।

एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटी गिरफ्तार

नापासर पुलिस ने अलग-अलग दबिश देकर गिरफ्तार किया

नापासर, (निसं)। रेंज आईजी ओमप्रकाश के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नापासर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। कार्यवाहक थानाधिकारी जगदीश कुमार के नेतृत्व में गठित टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान तीन वांछित आरोपियों को पकड़ा गया।

■ **नापासर पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया**

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शिवलाल पुत्र मांगीलाल निवासी हिंमतासर, करणीदान उर्फ कालू सोनी पुत्र पूनमचंद निवासी नेहरू चौक नापासर और लालचंद पुत्र बाबूलाल निवासी हरिरामपुरा नापासर शामिल हैं। ये सभी लंबे समय से विभिन्न मामलों में वांछित थे। इनके खिलाफ न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किए गए थे। हालांकि, ये आरोपी लगातार गिरफ्तारी से बचते हुए फरार चल रहे थे। पुलिस टीम ने सटीक सूचना और रणनीति के आधार पर मंगलवार को कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। नापासर पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य फरार अपराधियों पर शिकंजा कसना है।

अनूपगढ़ में दिनदहाड़े सात लाख के गहने व नगदी चोरी

मकान मालिक ने पड़ोसी दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया

अनूपगढ़, (निसं)। गांव 15ए में दिनदहाड़े एक घर से करीब 7 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नगद चोरी हो गए। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई। मकान मालिक रणजीत सिंह ने अपने पड़ोस में रहने वाले दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है।

रणजीत सिंह (47) ने बताया कि मंगलवार को वह अपनी पत्नी के साथ रेडबग्गी गांव में एक शादी समारोह में गए थे। घर पर उनका बेटा अकेला था। उनका बेटा घर बंद कर बाल कटवाने चला गया था। करीब डेढ़ बजे जब उनका बेटा घर लौटा, तो उसने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। बेटे ने तुरंत अपने माता-पिता को सूचना दी, जिसके बाद रणजीत सिंह और उनकी पत्नी घर पहुंचे। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। रणजीत सिंह ने बताया कि अलमारी में रखे 3 तोले सोने के गहने, 800 ग्राम चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नकद गायब थे। उन्होंने पुलिस को दी गई लिखित रिपोर्ट में बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले ओमप्रकाश उर्फ बूटिया और सोनू उर्फ ढडिया पुत्र कुम्भाराम नशे के आदी हैं और घरों में चोरियां करते हैं। रणजीत सिंह ने आरोप लगाया कि इन दोनों भाइयों ने पहले भी उनके घर में चोरी की है और इस बार भी उन्होंने ही यह वारदात की है।

एएसआई सलीम पठान ने बताया कि रणजीत सिंह की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस रणजीत सिंह द्वारा नामजद किए गए दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है।

नहरबंदी से श्रीगंगानगर के गांवों में पानी की किल्लत बढ़ी

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले में तेज गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। गर्म हवाओं के साथ धूलभरी आंधियां चलने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है और सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया था। वहीं, नहरबंदी के कारण जिले के ग्रामीण इलाकों में पानी की किल्लत बढ़ गई है। वाटर वर्क्स की डिग्गियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है। जलदाय विभाग की कई डिग्गियां सूख गई हैं, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

■ **वाटर वर्क्स की डिग्गियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है, जलदाय विभाग की कई डिग्गियां सूख गई हैं**

मौसम विभाग ने 22 और 23 अप्रैल को जिले में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इन दो दिनों में धूलभरी आंधियों के साथ तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे गर्मी और भी बढ़ेगी।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री और अधिकतम तापमान40.4 डिग्री रहा, जबकि रविवार को न्यूनतम 23.1 डिग्री और अधिकतम 39.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

मंडफिया : भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में 16 अप्रैल चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंगलवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष की उपस्थिति में चौथे चरण में हुई। चौथे चरण से भंडार से 3 करोड़ 78 लाख 77 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई भंडार गिनती से 27 करोड़ 22 लाख 86 हजार रुपए की नगद प्राप्त हुए थे। चारों चरणों को मिलाकर 31 करोड़ 1 लाख 63 हजार नगद प्राप्त हुए। पांचवें चरण की गिनती बुधवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

मासूम से दरिंदगी के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में मासूम बच्ची के साथ हुई जघन्य वारदात के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर कुल 1.90 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेंद्र सिंह भाम्बू ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूती से प्रस्तुत करते हुए कोर्ट में 27 गवाहों के बयान और 104 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर अदालत ने दोष सिद्ध माना।

घटना 5 मई 2025 की है। पीड़िता की मां की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, परिवार जयपुर से एक धार्मिक कार्यक्रम से लौटकर रात करीब 11:30 बजे नवलगढ़ पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी ने उन्हें घर छोड़ने का भरोसा दिलाया और अपनी बाइक पर बैठा लिया। रास्ते में पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर आरोपी ने परिजनों को उतार दिया और मासूम बच्ची को जबरन अपने साथ ले गया। बाद में बच्ची को गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया।

विशेष न्यायालय के इस फैसले को समाज में बच्चों के खिलाफ अपराधों पर कड़ा संदेश माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मासूमों के खिलाफ अपराध किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यह फैसला न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि ऐसे अपराधों पर रोक लगाने के लिए भी एक मजबूत चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

एलपीजी के अवैध संग्रहण पर कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन प्रवर्तन जांच दल द्वारा एलपीजी गैस के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं व्यापार को रोकने के उद्देश्य से आज अलवर शहर के जसवंत नगर में कार्रवाई कर सात गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि जांच दल द्वारा शहर के जसवंत नगर में दामोदर पुत्र प्रभाती राम की मौजूदगी में बाडे की जांच की गई, जिसमें 19 किग्रा क्षमता के 6 गैस सिलेंडर एवं 5 किग्रा क्षमता का 1 सिलेंडर भण्डारित पाया गया। जो घरेलू गैस के अवैध व्यापार किए का स्पष्ट प्रमाण होने पर गैस सिलेंडरों को जब्त कर सुरक्षार्थ मैसर्स अलवर इंडेन गैस एजेन्सी को सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि गैस के अवैध उपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गैस सिलेंडर्स की पर्याप्त उपलब्धता है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट की, पांच गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने राहगीरों से अवैध वसूली और मारपीट करने के आरोप में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी और उसकी गाडी के कांच भी फोड़ दिए थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

■ **आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी**

दोवड़ा थाने के सीआई ने बताया कि पातली निवासी प्रवीण डेंडोर ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रवीण ने बताया कि 19 अप्रैल को वह अपने पिकअप ड्राइवर के साथ डूंगरपुर की ओर जा रहे थे। दोवड़ा पंचायत समिति के पास एक इनोवा कार ने उनकी पिकअप को ओवरटेक कर रास्ता रोक दिया। कार से उतरे बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। जब प्रवीण ने रुपए देने से इनकार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिकअप पर पथराव शुरू कर दिया। बदमाशों ने प्रवीण और ड्राइवर पर लट्ठ से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। बीच-बचाव करने आए स्थानीय निवासियों के साथ भी आरोपियों ने अभद्रता और मारपीट की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। थानाधिकारी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दामडी फला नाल निवासी कृष्णकान्त परमार मीणा, सिदडी खेरवाड़ा निवासी जयन्ति परमार, महिपाल अहारी, जितेन्द्र अहारी और हथाई फला निवासी कान्तिलाल ननोमा मीणा शामिल हैं। पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है।

अलवर : वन विभाग ने बाला किले की 400 साल पुरानी दीवार तोड़ी

हजारों पेड़ काटकर वन विभाग ने सफारी के लिए नया रास्ता बनाया

अलवर, (निसं)। शहर के पास सरिस्का बफर ज़ोन में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हो गया है। जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यावरण बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है। यह रास्ता आड़ा पाड़ा से अंधेरी होते हुए सूरजकुंड से सीधे बाला किला क्षेत्र तक बनाया गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस रास्ते के निर्माण के दौरान हजारों हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया। वहीं करीब 400 साल पुराने बाला किला की मजबूत परकोटा (सुरक्षा दीवार) को भी तोड़ दिया गया जो अलवर की ऐतिहासिक पहचान का अहम हिस्सा है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर भारी नाराजगी है। सुबह घूमने आने वाले लोगों ने वन विभाग के इस फैसले को गलत बताया। उनका कहना है कि जब पहले से जंगल सफारी के लिए रास्ता मौजूद था तो नया रास्ता

अलवर के बाला किले की तोड़ी गई दीवार का हिस्सा।

बनाने के लिए पेड़ों की कटाई और किले की दीवार तोड़ने की क्या जरूरत थी।

इस पूरे मामले को लेकर डॉ. कांतिप्रसाद शर्मा ने कड़ा विरोध जताते हुए साफ कहा है कि यह सीधा-सीधा पर्यावरण और धरोहर के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर करेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या वन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर नियमों को दरकिनार कर सकता है? क्या किसी भी कीमत पर विकास के नाम पर इतिहास और प्रकृति को नुकसान पहुंचाना सही है?

■ **जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यावरण बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है**

इस मामले में सीसीएफ संग्राम सिंह ने कहा कि अभी मामले की जानकारी नहीं है। दिखवाकर ही कुछ कह पाएंगे।

बीएसएफ जवान संजय सिंह को सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई दी

10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी

बुहाना, (निसं)। देश सेवा करते हुए एक और वीर सपूत ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। झुंझुनूं जिले के बुहाना क्षेत्र के गांव लालामंडी निवासी बीएसएफ जवान संजय सिंह का पश्चिम बंगाल में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से निधन हो गया। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरे गांव में शोक की लहर छा गई।

ड्यूटी पर ही बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम :- 35 वर्षीय संजय सिंह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीएसएफ की 146वीं बटालियन में तैनात थे। 19 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। साथियों ने तुरंत उन्हें बीएसएफ अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते 20 अप्रैल तड़के करीब 12:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को जैसे ही शहीद जवान का पार्थिव शरीर गांव लालामंडी पहुंचा, पूरा क्षेत्र गमगीन हो उठा। तिरंगे में लिपटे अपने बेटे को देख परिजन बेसुध हो गए। सेना के जवानों ने पूरे सम्मान के साथ सलामी दी और पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। इस हृदयविदारक पल में सबसे भावुक दृश्य तब सामने आया, जब संजय सिंह के 10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

संक्षिप्त

छात्र-छात्राओं को जागरूक किया

निवाई/गुंसी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चनानी में सदर थाना पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। पुलिस ने छात्र-छात्राओं को महिला और बाल अपराध से बचाव के तरीके बताएं। उप निरीक्षक एवं गुंसी चैकी प्रभारी हरिमन मीणा ने साइबर अपराध, रोड सेफ्टी ओर सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुडी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साइबर एक्सपर्ट दिनेश प्रजापत ने डिजिटल धोखाधडी से बचने के तरीके बताएं। उन्होंने बिना ड्राइविंग लाइसेंस एवं हेलमेट के बिना वाहन नहीं चलाने के लिए प्रेरित किया। अनाधिकृत लिंक पर क्लिक नही करें और अजनबी कॉल से सावधान रहे। कानि. लक्ष्मी नागरवाल ने बालिकाओं को सेक्सटॉर्शन जैसे अपराधों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने बालिका सुरक्षा के लिए वूमेन पावर हेल्पलाइन नम्बर, साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर, चाइल्ड हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाई एवं पुलिस आपातकाल हेल्पलाईन नंबर की जानकारी दी।

2 दिवसीय मेला 1 मई से

मनोहरपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजरत शेख बुरहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह का पीर का चिल्ला नायन अमरसर पर उर्स मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 1 मई शुक्रवार को बाद नमाज़ असर मिलाद शरीफ से शुरू होकर 3 मई सोमवार की प्रात:काल 4 बजे कूल की रस्म के साथ मे विधिवत सम्पन होगा। दरगाह के ख़ादिम मोहम्मद इमरान मलिक ने बताया कि 1 मई शुक्रवार को बाद नमाज ए असर मिलाद शरीफ होगी जिसमें ख़ुदा के हुकम व मुहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही जाएगी ! इसी के साथ मे हिन्दू मुस्लिम जायरिनो का आना शुरू हो जाएगा। इसी प्रकार दिनांक 2 मई शनिवार को लंगर भंडारा शाम 4 बजे से शुरू होगा जिसमे हिन्दू मुस्लिम जायरीन बड़े ही अदब के साथ में लंगर प्रसादी लेंगे।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई। पुलिस ने अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि एसपी राजेश कुमार मीना के निर्देशन में एडीषनल एसपी रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस द्वारा अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। उन्होंने बताया कि चालक फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और मालिक के विरुद्ध एमएमडीआर एक्ट का मामला दर्ज करके अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को सुरक्षार्थ पुलिस थाने में खड़ा करवा दिया है।

राजीनामा योग्य मामलों के निस्तारण के लिए समझाइश

फुलेरा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) माधवी दिनकर के निर्देशन में तथा तालुका विधिक सेवा समिति सांभरलेक के अध्यक्ष (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अरविन्द कुमार जांगिड़ के मार्गदर्शन में राजीनामा योग्य मामलों के निस्तारण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगरपालिका मंडल फुलेरा के सभागार में आयोजित ग्राम न्यायालय सांभर लेक की न्यायाधिकारी भानुप्रिया सेहरा ने फुलेरा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने के लिए समझाइश दी। उन्होंने प्री-लिटिगेशन एवं राजीनामा योग्य प्रकरणों को आपसी समझौते के माध्यम से सुलझाने के लाभ बताए।

‘केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव’

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में भाग लिया।

- पिछले 43 वर्षों से सारस गणना का यह सतत कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है : गृह राज्यमंत्री

भरतपुर । गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मंगलवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अध्यक्षता केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार एडवोकेट ने की। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले 43 वर्षों से सारस गणना का यह सतत कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि भरतपुर, राजस्थान और देश की राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी अध्यक्ष एड. कृष्ण कुमार एडवोकेट को बधाई देते हुए कहा कि वर्षों से पक्षियों एवं वन्यजीवों की इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा रहा है, जो हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहास को सहेजने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे न केवल प्रकृति का संरक्षण होता है, बल्कि मानव जीवन का संतुलन भी बना रहता है।

राज्यमंत्री ने कहा कि यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साइबेरियन सारस की संख्या में कमी एक गंभीर विषय है, जिसका मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम वर्षा और जल की कमी है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। केवलादेव घना पक्षी विहार के साथ-साथ बंध बारैठा, डीग जल महल, धार्मिक स्थलों एवं अन्य धरोहरों को देखने देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को गाइड, होटल और टैक्सी जैसी सेवाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वैर के सफेद महल एवं फुलवाडी के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के कार्य जारी हैं, वहीं बंध बारैठा में बायोलॉजिकल पार्क एवं नगर वन विकसित किए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भरतपुर के समग्र विकास हेतु अनेक परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण जल परियोजना के अंतर्गत भरतपुर, सीकरी, बंध बारैठा बांध, धौलपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है, जिससे सिंचाई, पेयजल, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा। इस परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार के बीच एमओयू हो चुका है तथा प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि द्वितीय चरण के टेंडर प्रक्रिया में हैं।

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने डॉ. एमएम त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिका त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के उपरांत राज्यमंत्री ने सारस के नवजात चूजों को देखा तथा उनकी देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएफओ चेतन कुमार बीवी ने बताया कि 43वीं सारस गणना रिपोट घना पक्षी विहार में साईबेरियन सारस संख्या 22 और भरतपुर व डीग जिले के वेटलेण्ड क्षेत्र में 79 से बढ़कर 81 हो गई है।

इस मौके पर डीटीओ अभय मुदगल, समिति संरक्षक काका रघुराज सिंह, अध्यक्ष कृष्ण कुमार एडवोकेट, चीफ कोऑर्डिनेटर आनंद शर्मा, पूर्व डीएफओ पुष्पेंद्र खुंटेला सहित वन्यजीव प्रेमी, विद्यार्थी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निरीक्षण किया

टोंक। राज्य सरकार की बजट घोषणाओं के तहत जिले में प्रगतिरत कार्यो की स्थिति एवं गुणवत्ता को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी ने फील्ड विजिट किया। इस दौरान एडीएम रामरतन सौंकरिया भी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने जिला मुख्यालय पर नगर परिषद द्वारा खेल स्टेडियम के समीप बनवाए जा रहे पिंक टॉयलेट की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। साथ ही अधिशाषी अभियन्ता फतेह सिंह को निर्देश दिए कि इस कार्य को 15 दिन में पूर्ण करें। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक के निरीक्षण के दौरान प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के पुनर्निर्माण कार्य को कृषि मॉर्केटिंग बोर्ड द्वारा 4 करोड़ 57 लाख की राशि से करवाया जा रहा है। पुनर्निर्माण का कार्य समाप्ति की ओर है।

जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत गहलोद में आरएसआरडीसी द्वारा निर्माणाधीन राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक गोविन्द विश्नोई को कार्य पूर्णता तिथि 30 जून 2026 तक इस कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

‘श्रमिक कल्याण उपकर के संग्रहण की गति बढ़ाएं’

- श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग की संभाग स्तरीय बैठक
- अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं : शासन सचिव

दौसा। श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग के शासन सचिव पीसी किशन ने भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर का संग्रहण निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। वे मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में जयपुर संभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

शासन सचिव ने उपकर संग्रहण की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अधिकतम उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से ही लक्ष्य अर्जन की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं तथा निजी क्षेत्र से उपकर संग्रहण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की पृथक समीक्षा करते हुए सर्वे, एसेसमेंट ऑर्डर, उपकर संग्रहण एवं लंबित वसूली प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक माह निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपकर संग्रहण में वृद्धि के लिए सतत मॉनिटरिंग रखें, फील्ड में सक्रिय उपस्थिति बनाए रखें तथा दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करें। श्रम कल्याण बोर्ड की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण श्रमिकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए अधिकाधिक श्रमिकों का पंजीयन एवं लाभ देना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कम प्रगति वाली योजनाओं में हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने तथा निर्माण श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रेच्युटी से संबंधित तीन माह से अधिक पुराने प्रकरण लंबित नहीं रखने पर बल दिया।

लेबर चौक फैसिलिटेशन सेंटर की प्रगति की समीक्षा करते हुए शासन सचिव ने प्रत्येक जिले में प्रारंभिक चरण में पांच-पांच लेबर चौक विकसित करने के निर्देश दिए। कारखाना एवं बॉयलर विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने बॉयलर्स का नियमित निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की सख्त पालना तथा हैवी ड्यूटी बॉयलर्स पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

मलेरिया दिवस पर होगा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

टोंक। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आगामी 25 अप्रैल, शनिवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाएगा। इस दिन विभाग की ओर से जिले में कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि सभी बीसीएमओ और चिकित्सा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए है कि मलेरिया दिवस के तहत निदेशालय के निर्देशानुसार गतिविधियों का आयोजन करें। इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस की थीम ष्ड्रिवन टू एंड मलेरिया नाउ वी कैन, नाउ वी मस्ट रखी गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि विश्व मलेरिया दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बुखार के रोगियों की ब्लड स्लाइड एकत्रित की जाएगी। आमजन को जागरूक करने के लिए जनजागरूकता रैलियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में में लार्वा प्रदर्शन कर आमजन को मच्छरों की व्युत्पत्ति संबंधित जानकारी दी जाएगी।

दस्तावेजों के रखरखाव व साफ़-सफाई बेहतर करने के निर्देश

कोटपूतली । जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर परिषद कोटपूतली ओमप्रकाश सहारण भी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने नगर परिषद के भूमि शाखा, जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन शाखा, रिकॉर्ड रूम, नगरीय विकास कर शाखा सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारी से किए जा रहे कार्यों एवं आमजन को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने संधारित दस्तावेंजों एवं पत्रावलियों की जांच कर इन्हें ऑनलाइन इंद्राज करने और ई-फाइल के माध्यम से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड रूम में सही से दस्तावेज

जिला कलैक्टर ने किया नगर परिषद कार्यालय कोटपुतली का निरीक्षण किया।

संधारित नहीं करने पर संबंधित को फटकार लगाते हुए रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने को कहा।

जिला कलक्टर ने नगर परिषद को शहर में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, कचरा निस्तारण व्यवस्था, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, नियमित डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, सड़को पर सफाई, लाइट्स, जल निकासी आदि के कार्य गुणवत्ता के साथ करने हेतु संबधित को पाबंद करने को कहा एवं अधिकारी फील्ड में रहकर सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

कोटपुतली। आगामी जनगणना 2027 को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिला कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अर्पणा गुप्ता ने मंगलवार को नगर परिषद सभागार में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन फील्ड ट्रेनर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार जनगणना का कार्य पूरी तरह डिजिटल मोड में संपन्न होगा। जनगणना कार्य में जुटे प्रगणक इस बार कागजों के बजाय मोबाइल फोन के जरिए डिजिटल रूप से डेटा इकट्ठा करेंगे।

नागरिकों के लिए पहली बार स्वयं जनगणना करने का विकल्प उपलब्ध होगा। 1 मई से 15 मई तक आम नागरिक ऑनलाइन माध्यम से पूछे गए 33 सवालों के जवाब देकर खुद को जनगणना प्रक्रिया में शामिल कर सकेंगे। मास्टर ट्रेनर्स डॉ. सुभाष चंद यादव एवं आलेख कौंडिन्य ने बताया कि डेटा की सुरक्षा और निगरानी के लिए जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल का उपयोग किया जाएगा।

प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रारंभिक चरण में मकानों की सूची तैयार करने और उनकी गणना का कार्य होगा। इसके बाद दूसरे चरण में जनसंख्या की वास्तविक गणना की जाएगी। जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने फील्ड ट्रेनर्स को निर्देश पुस्तिका का गहन अध्ययन करने और अपनी सभी तकनीकी शंकाओं को दूर करने की सलाह दी। उप जिला जनगणना अधिकारी बाबूलाल बैरवा ने आगामी तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 1 से 15 मई के बीच होने वाली स्व-गणना प्रक्रिया के लिए आम जनता को अधिक से अधिक जागरूक और प्रेरित किया जाए।

भीषण गर्मी में जल-संकट को लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा

फुलेरा। भीषण गर्मी के चलते बढ़ती जल समस्या को लेकर ग्राम पंचायत काचरोदा के ग्रामीणों ने पंचायत समिति सदस्य नेमीचंद कुमावत के नेतृत्व में मंगलवार को जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता, सांभरलेक को ज्ञापन सौंपकर अपनी पेयजलापूर्ति समस्याओं से अवगत करवाया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पंचायत के राजस्व ग्राम काचरोदा, दयालनगर और श्याम नगर में तीन-चार दिन के अंतराल से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि अनियमित जल आपूर्ति के कारण उन्हें महंगे दामों पर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कई स्थानों पर पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है,

ग्रामीणों ने पंचायत समिति सदस्य नेमीचंद कुमावत के नेतृत्व में मंगलवार को जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता, सांभरलेक को ज्ञापन सौंपा।

जिससे पानी व्यर्थ बह रहा है और समस्या और गंभीर बन रही है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि जल जीवन मिशन के तहत कई जगह पाइप लाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन सही मिलान नहीं होने के कारण अब तक घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। वहीं सहायक अभियंता द्वारा जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाने की शिकायत भी सामने आई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो गांव की जनता के साथ मिलकर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य नेमीचंद कुमावत, वार्ड पंच हेमराज कुमावत और भाजपा महामंत्री दीपक महाराज सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

- ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो गांव की जनता के साथ मिलकर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा

खोया पाया

मेरे फ्लैट नं- 75/06 ग्राउंड फ्लोर आवासीय योजना- मानसरोवर जयपुर का राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर से जारी मूल आवंटन-पत्र, कब्ज़ा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, कन्वेयंस डीड, परि पिच्युअल लीज, विक्रय पत्र एवंम अन्य समस्त मूल दस्तावेज़ कही गुम हो गये है सूचित करे- अंजली शर्मा मो. 7726051555

नम्बर मिलाइए 9587884433

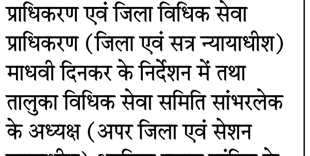

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

Govt. of Rajasthan- Education Department
MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL
Shikarpura (Sanganer City) Jaipur (Co-Education English Medium School)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-29
Letter No.-MGGS/Shrikarpura/JP/29
Dated-20/4/26

जिशिअ (मा.शि.) जयपुर के आदेश क्रमांक जिपस/जय/2025-26/1098 की अनुपालना में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, शिकारपुरा सांगानेर जयपुर के 3 कमरे, शौचालय व अन्य को जमीदोज करने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से खुली बोली की निविदा दिनांक 5/5/26 को दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जाती है, दिनांक 6/5/26 को प्रातः 10 बजे निविदा खोली जाएगी। निविदा की शर्तों का अवलोकन कार्यालय समय में किया जा सकेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त अधिकार SDMC, MGGS शिकारपुरा में निहित होगे।

अध्यक्ष सचिव
विद्यालय विकास प्रबन्धन समिति
महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय
शिकारपुरा, सांगानेर शहर, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री राम निवास सोनी पुत्र श्री स्व. पूरण मल सोनी उम्र- 55 वर्ष एवं उनकी पत्नी श्रीमती सरोज सोनी, उम्र- 52 वर्ष, निवासी- मकान संख्या 70/269 व 70/270 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर (राज.) है, का बेटा राकेश सोनी एवं उसकी पत्नी कान्ता उर्फ़ रेखा सोनी के द्वारा मेरे अभिभाष्यगण के साथ अत्यधिक गलत व्यवहार किया जाता है जिससे परेशान होकर मेरे अभिभाष्यगण ने राकेश सोनी, उसकी पत्नी कान्ता उर्फ़ रेखा सोनी एवं अपने पौत्र रिषिक सोनी से सभी सम्बन्ध तोड़ लिए है तथा इन्हें अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि इनमें से किसी के द्वारा मेरे अभिभाष्यगण की सम्पति के बावत कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह अमान्य होगा। सूचित रहे।

(क्षितिज पाल सिंह) एडवोकेट
दिनांक 20/04/2026 मो. : 9214510148

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल वृत अलवर
-:आवश्यक सूचना:-

मूलत: आवास संख्या 4/200, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर जो कि श्री श्याम नारायण माथुर पुत्र स्व. श्री नारायण प्रसाद माथुर को आवंटन पत्रांक 2275 दिनांक 29.10.1997 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 2239 दिनांक 17.11.1998 को श्री श्याम नारायण माथुर के नाम जारी कर दिया गया। श्री श्याम नारायण माथुर द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 12.06.2007 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री श्याम नारायण माथुर द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 18.06.2007 को श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र भारतीय को कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का लीज हस्तांतरण पत्रांक 498 दिनांक 13.05.2008 को श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र भारतीय के नाम जारी कर दिया गया था। श्रीमती कौशल्या देवी द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 20.01.2026 को श्रीमती अंकिता निर्वाण पत्नी श्री सचिन को कर दिया गया। श्रीमती अंकिता निर्वाण द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है।

अत: जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 4/200, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती अंकिता निर्वाण पत्नी श्री सचिन के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन, आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/545
चूंकि प्रार्थी श्री श्री विष्णु कुमार गुप्ता, ए-14, थर्ड फ्लोर, कल्याण कुंज, आचार्य विनोबा भावे नगर, नर्सरी सर्किल के पास, वैशाली नगर, जयपुर-302021 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री सैंथलवास माता चैरिटेबल ट्रस्ट, प्लाट न. 37 अर्पित नगर, गांधी पथ पुलिया के पास, वैशाली नगर, जयपुर 302021 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23/06/2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)RO.LIC/N.N.J/2026/975 Date : 20-04-2026

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3531476	Row Outside Jyoti Ba Phule Park, A-Block, Opposite of Plot No.A-493, Malviya Nagar, Ward No.131, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर द्वितीय
समुंदर सिंह राठौड विरूद्ध संगीता कुमारी बाजा
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 01 सन् 26

नाम संगीता कुमारी बाजा पुत्री स्व. मनसुख लाल जाति.... पता 263, बी.के.कालनगर, अम्बे विहार, फॉय सागर रोड अजमेर
उक्त... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अत: अपाको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 27 माह 04 सन् 2026 को 10 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज दिनांक 09 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02 जयपुर महानगर द्वितीय

नाम परिवर्तन

मैं राजेश गिरी गोस्वामी पुत्र श्री शंकर गिरी निवासी 308, फ्लैट न.102, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर। मैने अपना नाम राजेश गोस्वामी से बदलकर राजेश गिरी गोस्वामी (RAJESH GIRI GOSWAMI) रख लिया है। भविष्य में मुझे राजेश गिरी गोस्वामी के नाम से जाना जाये।

मैं भारती गिरी गोस्वामी पत्नी श्री राजेश गिरी गोस्वामी निवासी 308, फ्लैट न.102, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम भारती गोस्वामी से बदलकर भारती गिरी गोस्वामी (BHARTI GIRI GOSWAMI) रख लिया है। भविष्य में मुझे भारती गिरी गोस्वामी के नाम से जाना जाये।

मैं, पी. गायत्री पुत्री डॉ. पी.बाबु राव, उप- महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, शासन सचिवालय, सी-स्कीम, जयपुर निवासी फ्लैट नं.101, रॉयल असाइन, रूप नगर, हरी मार्ग, सिविल लाइन्स, जयपुर, अपना नाम बदलकर गायत्री पांडुरंगी रखती हूं।

मैं कोमल गिरी गोस्वामी पुत्री श्री राजेश गिरी गोस्वामी निवासी 308, फ्लैट न.102, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम कोमल गोस्वामी से बदलकर कोमल गिरी गोस्वामी (KOMAL GIRI GOSWAMI) रख लिया है। भविष्य में मुझे कोमल गिरी गोस्वामी के नाम से जाना जाये।

I have changed my son name and DOB from Rajvansh Chouhan, 08.12.2008 to Rajvansh Singh Chouhan, 12.08.2009 for all purpose and 10th CBSE marksheet. Vinita Chouhan W/o Rajveer Singh Chouhan R/o B-54, Dev Nagar, Gopalpura bypass Tonk Road Jaipur.

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर द्वितीय
समुंदर सिंह राठौड विरूद्ध संगीता कुमारी बाजा
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 01 सन् 26

नाम संगीता कुमारी बाजा पुत्री स्व.श्री मनसुख लाल जाति... स्थान 263, बी.के.कालनगर, अम्बे विहार, फॉय सागर रोड अजमेर
...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 27 माह 04 सन् 2026 को दिन में 10.00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सक्ते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 09 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02 जयपुर महानगर द्वितीय

कार्यालय ग्राम पंचायत गोठडा, पंचायत समिति- खण्डार
जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:-2026-27/07 दिनांक 17/04/2026
ई-निविदा सूचना संख्या -01/2026-27

पंचायत समिति, खण्डार के अधीन ग्राम पंचायत गोठडा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्माण सामग्री की आपूर्ति की जानी है इस हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0037
UBN No. ZSM2627GLOB00061

प्रशासक ग्राम पंचायत गोठडा
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गोठडा

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
वाहन किराए पर लेने हेतु ई-बोली की आवश्यक सूचना

राजस्थान विश्वविद्यालय में मांग के आधार पर **किराये पर वाहन लेने के लिये** इच्छुक बोलीदाताओं से दर संविदा **(02 वर्ष)** हेतु **दिनांक 30.04.2026 समय 1:00 बजे (अपराह्न)** तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। बोली प्रपत्र एवं अन्य शर्तें **http://eproc.rajasthan.gov.in, www.uniraj.ac.in** एवं **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। (Approximate value of the procurement in **Rs. 100 Lakh**)
UBN: URA2627SLRC00010 dated 21.04.2026.
NIBCODE: URA2627A0008
कुलसचिव

प्ररूप-10 नियम 6 (7) देखिए
प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका मण्डल, देवली (टोंक) राज.
क्रमांक-न.पा.दे.कृषि भूमि/2026-27/103 **लोक सूचना** दिनांक :- 21/04/26

श्री गोरधन लाल मोरलिया पुत्र श्री छीतर, निवासी रेगर मोहल्ला, देवली गावं, तह, देवली जिला टोंक ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा सं.	रकबा/ क्षेत्र	मास्टर प्लान में दर्शित भू-उपयोग	भू-उपयोग परिवर्तन का प्रकार
तह. देवली जिला टोंक	देवली गांव	1246	0.14 है.	परिधि नियन्त्रण पट्टी आवासीय	परिधि नियन्त्रण पट्टी आवासीय से आवासीय भू उपयोग परिवर्तन की जानी है।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.04.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका देवली

संक्षिप्त

हिमांशु व आशुतोष ने आरएएस 2024 में सफलता हासिल की

पावटा। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2024 में जिले के दो युवा प्रतियोगियों ने प्रदेश में अपना नाम रोशन किया है। भोमाराम राठी के सुपौत्र एवं बद्री प्रसाद जाट के सुपुत्र हिमांशु राठी ने परीक्षा में 541वीं रैंक हासिल कर अपनी कड़ी मेहनत का फल पाया। हिमांशु राठी आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र हैं और भौतिकी विषय में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के मार्गदर्शन और माता सरोज देवी के सहयोग को दिया। उनके चयन पर परिवारजनों एवं क्षेत्रवासियों ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की।

स्कूल समय में कटौती की मांग

दौसा। प्रदेश में बढ़ती गर्मी और भीषण लू (हीट वेव) के चलते छात्रों के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसे देखते हुए आरपीएससी शिक्षक फोरम ने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर सरकारी विद्यालयों के समय में तत्काल परिवर्तन करने की पुरजोर मांग की है। जिला अध्यक्ष प्रहलाद फाटक्या और जिला संयोजक कैलाश शर्मा ने बताया कि वर्तमान में शिविरा पंचांग के अनुसार स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर 1:00 बजे तक संचालित हो रहे हैं। दोपहर की चिलचिलाती धूप और लू के कारण बच्चों के बीमार होने और सन स्ट्रोक का खतरा बना हुआ है। फोरम ने चिंता जताई कि अधिकांश सरकारी विद्यालयों में भीषण गर्मी से बचाव के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं।फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालूराम मालपुरिया ने मांग की है कि छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय का समय घटाकर सुबह 7:30 से 10:00 बजे तक किया जाए। उन्होंने कहा कि समय रहते बदलाव करने से छोटे बच्चों को लू की चपेट में आने से बचाया जा सकता है।

भजन संध्या आज

मनोहरपुर । क्षेत्र के ढाणी खेमावाली स्थित सत्यवादी श्री हीरामन महाराज के मंदिर में आज 22 अप्रैल को धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। मंदिर परिसर में भजन संध्या, मेला और प्रसादी का विशेष आयोजन किया जा रहा है।आयोजन समिति के अनुसार, आज मंदिर में विराजमान श्री हीरामन महाराज का भव्य श्रृंगार किया गया है। इसके साथ ही भगवान शिवजी, श्री देवनारायण जी और कालश देव आदि प्रतिमाओं को भी रंग-बिरंगे फूलों से अलौकिक रूप में सजाया जाएगा। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से जगमगाया गया है।मनोज मिश्रा एंड म्यूजिक पार्टी द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें कलाकार बाबा को रिझाएंगे।बुधवार (22 अप्रैल) दोपहर 12:00 बजे से: श्री हीरामन जी के कई दर्जनों गुरु, (गोठिया) और संतगण मंदिर में पधारेंगे।रतन फौजी एण्ड पार्टी नारायण द्वारा भव्य सत्संग (बनेहड़ा) की प्रस्तुति दी जाएगी।इस भव्य आयोजन की जानकारी मंदिर संचालक कैलाश चंद खोस्या द्वारा दी गई है।

लोकार्पण समारोह 24 को

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज संघ के सानिध्य में बैंक्वेट हाल का लोकार्पण समारोह 24 अप्रैल को कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में बैंक्वेट हॉल के लोकार्पण समारोह की पूर्व संध्या पर गुरूवार को सांयकाल 7 बजे से रविन्द्र एण्ड पार्टी द्वारा संगीतमय भक्तामर दीपार्चना पाठ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। हितेश छाबडा एवं राकेश संघी ने बताया कि 24 अप्रैल को सुबह ध्वजारोहण, अभिषेक, शांतिधारा, देवआज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, सकलीकरण, वास्तु विधान, हवन व आहार चर्या के साथ शान्ति मण्डल विधान का आयोजन किया जाएगा।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने निवाई थाना क्षेत्र के गांव भांवता की खेड़ा की ढाणी में 18 अप्रैल को हत्या के दर्ज प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि मृतक के पुत्र प्रेमचन्द बैरवा निवासी खेड़ा की ढाणी भांवता ने पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 17 अप्रैल को आरोपी कजोड बैरवा के रिश्तेदार उनसे मिलने के लिए आया था। उसने रात में उसके भाई नेमीचन्द की पत्नी के साथ गाली गलौच कर दी थी।

कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय रामकथा का शुभारंभ

पावटा। कस्बे के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य एवं कथावाचक बाबूराम दास महाराज घाटीधाम, रतिराम दास महाराज खेड़ा धाम नारहेडा, कृष्णदास महाराज नृसिंह धाम निमोद, हरिदास महाराज टीलाजी धाम खेलना सहित साधु संतों की उपस्थिति में भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्री रामकथा का शुभारंभ बड़े ही धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ हुआ। आयोजन के प्रथम दिन पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से बड़ी संख्या में 1100 महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर नगर के प्रमुख मार्गों से शोभायात्रा निकाली, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंग गया।

यात्रा में महिलाओं के साथ-साथ पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारों और भजन-कीर्तन से वातावरण को गुंजायमान बनाए रखा।

जगह-जगह ड्रोन द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। इसके पश्चात कथा स्थल पर प्रथम दिन कथावाचक बाबूराम दास महाराज घाटीधाम द्वारा श्री रामकथा का वाचन हुआ, जिसमें कथावाचक ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है।

पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा निकाली।

> ■ श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है : बाबूराम दास

आयोजकों ने बताया कि यह नौ दिवसीय कथा प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी और इसमें विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रथम दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की सफलता का संकेत दे दिया। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी चुस्त नजर आईं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

इस दौरान वरिष्ठ दौलतराम अग्रवाल, भाजपा नेता जगन चौधरी, पूर्व चेयरमैन निर्मल पंसारी, जगदीश मीणा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, उमाकांत बंसल, योगेश शर्मा, रामोतार टेपण, मीना मित्तल, भागीरथ मुनीम, रोहिताश यादव, संजय गौड, विनीत गौड, सांवरमल बोहरा, रामशरण बोहरा, विकास पुजारी, दीपक पटेल, नितिन मुद्गल, प्रहलाद सैन, गोपाल पटेल, पूर्व पार्षद राजू शर्मा, धर्मेंद्र बटवाल, अमित बटवाल, अरविंद गर्ग, राहुल भांजा, शुभम टीलावत , राघव टीलावत, सुभाष टीलावत, राजू सिसोदिया, रमेश सिसोदिया, मानसिंह सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

शक्ति दिवस आयोजित

टोंक। अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शक्ति दिवस आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों, किशोर-किशोरियो, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर को कम करने हेतु जिलें में माह के प्रत्येक मंगलवार को "शक्ति दिवस" के रूप में मनाया जाता है। डॉ0 चौधरी ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्रो, उप स्वास्थ्य केन्द्रो, पीएचसी, सीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानो पर शक्ति दिवस आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियत्रण हेतु स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. चौधरी ने बताया कि उक्त दिवस पर अनीमिया से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई।

कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक

निवाई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 27 अप्रैल को टोंक में आयोजित जिला कार्यालय उद्घाटन एवं विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा की अध्यक्षता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में बैठक आयोजित हुई। भाजपा जिला मंत्री एवं शहर प्रभारी नीलिमासिंह अमेरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन संगठन की शक्ति दिखाने का अवसर है।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड सहित कई जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने आ ान किया कि निवाई शहर से प्रत्येक बूथ से अधिक से अधिक कार्यकर्ता टोंक पहुँचें। शहर मंत्री जीतू विजय ने बताया कि बैठक में सम्मेलन की तैयारियों को रणनीति तैयार की गई है एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष नितिन जैन छाबड़ा, महामंत्री वंशप्रदीप पारीक, उपाध्यक्ष किशन चैधरी, शंकर पडियार, मंत्री जीतेन्द्र विजय, रामकेश मीणा, शंकरलाल सैनी, रामविलास बलाई, पार्षद बाबूलाल सैनी, नरेश कसाना, सुरेश राजवंशी, जगदीश बैरवा, अविनाश पारीक, राकेश खारोल, बूथ अध्यक्ष कालू सिन्धी व घनश्याम सैनी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

पोषण पखवाड़ा के तहत व्यंजनों का प्रदर्शन

टोंक। केंद्र सरकार द्वारा आयोजित पोषण पखवाड़ा (9 से 23 अप्रैल) के तहत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण मेलों का आयोजन किया गया। इन मेलों का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य और खान-पान के प्रति जागरूक करना था। कार्यवाहक सीडीपीओ सुरजीत कौर ने बताया कि 15 दिवसीय श्पोषण पखवाड़ाश अभियान का मुख्य लक्ष्य इसे एक जन आंदोलन बनाना है। इसके माध्यम से समाज में पोषण के प्रति व्यवहारिक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के प्रमुख उद्देश्यों में बच्चों में बौनापन (स्टंटिंग) और कम वजन (अंडरवेट) की समस्या को दूर करना शामिल है। साथ ही, महिलाओं में एनीमिया के स्तर को कम करना भी इसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। मेलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सस्ते और पौष्टिक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई।

जिला कलेक्टर ने की स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, कार्यक्रमों एवं निर्माणाधीन स्वास्थ्य ढांचे की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

> ■ 'अधिकारियों को कलेक्टर ने दिए निर्देश, प्रत्येक 15 दिन में निरीक्षण कर कार्यों को समय पर पूर्ण कराए'

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्माणाधीन स्वास्थ्य भवनों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक 15 दिन में नियमित निरीक्षण कर कार्यों को समय पर एवं नियमानुसार पूर्ण कराया जाए। इसके अलावा 'लाडो योजना' के तहत सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर किश्तों का लाभ दिलाने, 'मां योजना' में बुक क्लेम बढ़ाने, यूडीआईडी कार्ड वितरण तथा आयुष्मान कार्ड वितरण की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए गए। टीबी मुक्त ग्राम अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित कर जिले को टीबी मुक्त बनाने पर भी जोर दिया।

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश व उपस्थित अधिकारी।

जिला कलेक्टर ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को आवश्यकता अनुसार सभी जांचें समय पर करवाई जाएं और अस्पतालों में उपलब्ध सरकारी दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं, ताकि आमजन को बेहतर उपचार मिल सके।

जिला कलेक्टर में हिट एक्शन प्लान के बारे में जानकारी प्राप्त की जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए लू-तापघात से बचाव के लिए जिला मुख्यालय एवं सभी खंड मुख्यालयों पर कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं। जिला स्तर से लेकर सीएचसी एवं पीएचसी तक रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर लू-तापघात के मरीजों के लिए बेड एवं कूलर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट सहित बीसीएमओ, पीएमओ, सीएचसी प्रभारी एवं अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

'सभी संस्थान सामाजिक अंकेक्षण प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें'

भरतपुर। संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया की अध्यक्षता में डीसी सभागार में पंचायतीराज एवं स्थानीय निकायों में सामाजिक अंकेक्षण से संबंधित प्रकरणों की अनुपालना तथा लंबित मामलों के प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। सामाजिक लेखा परीक्षा जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी मुख्यालय जयपुर के निदेशक सावरमल वर्मा द्वारा विभिन्न सामाजिक अंकेक्षण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

संभागीय आयुक्त ने समीक्षा के दौरान सामाजिक अंकेक्षण से संबंधित लंबित प्रकरणों की स्थिति का गहन विश्लेषण करते हुए उनके त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित किया जाए तथा प्रगति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

निदेशक वर्मा ने कहा कि संबंधित अधिकारी सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सामाजिक अंकेक्षण को एक सशक्त एवं अनिवार्य प्रक्रिया के रूप में अपनाने पर बल दिया, जिससे जनहित एवं जनकल्याण सुनिश्चित हो सके।

> ■ संभागीय आयुक्त ने समीक्षा बैठक ली

समिति ने जोर दिया कि सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्षों को गंभीरता से लेते हुए सुधारात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि योजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बनी रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण कर अपनी प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त नीलिमा तक्षक ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संभाग में पंचायतीराज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के प्रकरणों के की पालना रिर्पोट समय पर भिजवाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला परिषद सीईओ मृदुलसिंह, संभाग के सभी जिलों के जिला कलक्टर (समन्वयक मनरेगा), मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

इलेक्ट्रोनिक्स गोदाम में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख

टोंक। मुख्यालय के कोतवाली क्षेत्र में घंटाघर के पास सुभाष बाजार स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान के गोदाम में सोमवार मध्यरात्रि को आग लग जाने से हादसे में 50 लाख रुपए से ज्यादा का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। बाद में गई सूचना मिलने के करीब 2 घंटे बाद दमकल आई तथा डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

दमकल देरी आने से नाराज दुकानदारो ने दमकल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। वहां मौजूद दुकानदारो ने कहा कि समय पर दमकल आ जाती तो इतना ज्यादा नुकसान नहीं होता, दमकल घटना स्थल तो करीब दो घंटे देरी से पहुंची, लेकिन गनीमत यह रही कि आसपास आग जो फैली, उससे कोई जानलेवा हादसा नही हुआ।

प्राप्जत जानकारी के अनुसार जिस दुकान में आग लगी वह सुभाष बाजार में स्थित इलेक्ट्रॉनिक का गोदाम बताया गया है। जिसमें इलेक्ट्रिक सामानों की बिक्री का सीजन होने उसके फुल सामान रखे हुए था, सोमवार मध्यरात्रि के बाद अज्ञात कारणो के उसमें आग लग गई।

जब करीब साढ़े तीन बजे गोदाम में से धुआं उठता नजर आया, तो इसकी जानकारी पड़ोसियों को लगी तो उन्होंने दुकानदार को सूचना दी तथा दमकल विभाग को भी इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी, फिर भी दमकल दो घंटे बाद साढ़े पांच बजे पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

दमकल ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया ।

> ■ 50 लाख रुपए से ज्यादा का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया, बाद में गई सूचना मिलने के करीब 2 घंटे बाद दमकल आई तथा डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

इस दौरान धुआं और आग की लपटें इतनी तेज थी कि आग पर काबू नहीं पाया गया। फिर एक एक करके तीन दमकल पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत पर मंगलवार सुबह आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक 50 लाख से ज्यादा का नुकसान हो गया, पूरा इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गया।

'गर्मी में बिजली-पानी व स्वास्थ्य सेवाएं रहें सुचारु'

दौसा । जिला प्रभारी सचिव पीसी किशन ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर गर्मी के मौसम में बिजली, पेयजल एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तथा एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था के साथ विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग समन्वय के साथ प्रोएक्टिव तरीके से कार्य करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो और पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंच सके। गर्मी के मद्देनजर प्रभारी सचिव ने बिजली आपूर्ति की समीक्षा करते हुए निर्बाध विद्युत सप्लाई सुनिश्चित करने, फॉल्ट की स्थिति में त्वरित मरम्मत करने तथा ट्रांसफार्मर आदि आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति नियमित एवं समयबद्ध रहे, टैंकर व्यवस्था की पूर्व तैयारी रखी जाए तथा किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए।

सार-समाचार

कलश यात्रा निकाली

राजगढ़। उपखंड क्षेत्र के टहला के रुपबास गांव में प्राचीन शिव मंदिर पुनर्निर्माण एवं ठाकुरजी की मूर्ति स्थापना को लेकर मंगलवार को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा में महिलाओं की भारी उपस्थित जन आकर्षण का केंद्र रही।जीतराम सैनी, एवं अन्य श्रद्धालुओं ने बताया कि कलश यात्रा समूचे गांव में निकाली गई। इसमें भजनों की प्रस्तुति पर महिलाओं ने रोचक नृत्य कर आयोजन को सफल बनाया। मन्दिर पुनर्निर्माण गांव के लोगों एवं दानदाताओं के विशेष सहयोग से किया जा रहा हैं।गुरुवार 23 अप्रैल को प्रातः ठाकुरजी की मूर्ति स्थापना के बाद दोपहर में विशाल भंडारा व प्रसादी वितरण की जाएगी।कलशयात्रा के दौरान मन्दिर के पुजारी गिर्राजप्रसाद शर्मा, किशन लाल सैनी, दयानंद शर्मा टहला, सूरजमल, प्रभाती लाल, रामजीलाल, बाबूलाल मीणा, शिम्भू दयाल मीणा, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

गौ कृपा कथा महोत्सव के तहत कलश यात्रा 24 को

सांभरझील। निर्भय आश्रम वात्सल्य आश्रम की कथा वाचक ब्रह्मवादिनी कंचन दीदी 24 अप्रैल को गौ सम्मान आव्हान अभियान के उपलक्ष्य में यहां गट्टानी गार्डन में गौ माता की कथा का गुणगान करेगी। आने वाले को भक्तों को इससे संबंधित कथा का रसपान करने का सौभाग्य मिलेगा। दिव्य गौ कृपा कथा महोत्सव के तहत 24 अप्रैल को महिलाओं की विशाल कलश यात्रा निकलेगी। नटवर जी का मंदिर कटला बाजार से महिलाएं सर पर कलश धारण कर विधिवत पूजा अर्चना के बाद यहां से कथा स्थल के लिए रवाना होगी। कथा वाचन के दौरान गौ माता से जुड़े अनेक सुरीले भजनों की प्रस्तुति संत प्रकाश दास जी महाराज अपने चित्र परिचित अंदाज में देंगे, जिन्हें श्रवण के लिए हजारों गौभक्त अभी से लालायित हैं। इसी क्रम में सांभर के गो भक्तों की तरफ से उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल को भी आयोजन का हिस्सा बने हेतु आमंत्रित किया है। गौ सम्मान आव्हान अभियान में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने हेतु सांभर फुलेरा के गो भक्तों की टीमों की और से इसकी तैयारी कई दिनों पहले ही शुरू कर दी गई है।

परशुराम सर्किल पर दीप जलाकर विप्रजनों का आभार जताया

फुलेरा। राजस्थान विप्र महासभा शाखा फुलेरा के तत्वावधान में भगवान परशुराम के सफल जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर पुराना फुलेरा चौराहे स्थित परशुराम सर्किल पर श्रद्धा एवं उल्लास के साथ दीप प्रज्ज्वलित कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष राजू दाधीच की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने भगवान परशुराम के जीवन, कृतित्व एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आ ान किया। साथ ही भगवान परशुराम जी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर महासभा के अध्यक्ष राजू दाधीच, उपाध्यक्ष धनराज शर्मा, मनीष शर्मा, महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा सहित सुरेशचंद सारस्वत, कमलेश शर्मा, सुरेशचंद लाटा, तनिष्क गौड़ व अनेक विप्र बंधु उपस्थित रहे। अंत में भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

फुलेरा में गूंजा अद्वैत का संदेश

फुलेरा। फुलेरा के भादरपुरा रोड स्थित श्री अद्वैत वेदांत आश्रम में आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन आश्रम संरक्षक श्रीनारायण सैनी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर आयोजित वेदांत सत्संग में आश्रम के महंत सत्यनारायण सैनी ने शंकराचार्य के जीवन, कार्य और दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य भारतीय सनातन परंपरा के महान दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु और अद्वैत वेदांत के प्रमुख प्रवर्तक थे। अल्पायु में ही उन्होंने संपूर्ण भारत का भ्रमण कर वेदों और उपनिषदों के ज्ञान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों का खंडन किया। महंत सैनी ने कहा कि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख मठों ने सनातन धर्म की एकता और सुदृढ़ता को नई दिशा दी। उनका संदेश-ब्रह्म सत्य है, जगत मिथ्या है आज भी मानव जीवन को सत्य, ज्ञान और आत्मबोध की ओर प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान आश्रम के कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया और सहयोगी सेवादारों का सम्मान किया गया। इस मौके पर गणेश खडोलिया, तेजकरण सैनी, रामजीलाल तुंदवाल, पंडित नरनारायण माटोलिया, गोपाल शर्मा, रामेश्वरलाल, प्रेम यादव, मोहनलाल, दिलीप कुमार सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी उपस्थितजनों ने आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने महिलाओं को जागरूक किया

दौसा । जिला एवं सैशन न्यायालय परिसर में मंगलवार को एक विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला एवं सैशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने सरस्वती माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि व्यस्त न्यायिक कार्यों के बीच स्वास्थ्य की देखभाल सर्वोपरि है और न्यायालय परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुलवाने के प्रयास भी जारी हैं। विशेषज्ञों ने दी सेवाएं, बांटी गईं निशुल्क दवाइयां:-शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अपनी सेवाएं दीं, जिनमें प्रमुख रूप से : डॉ. ज्योति मीणा (फिजिशियन): सामान्य रोगों की जांच। डॉ. प्रशांत पाराशर (शिशु रोग विशेषज्ञ): बच्चों के स्वास्थ्य की जांच। डॉ. रजनीश शर्मा: चिकित्सकीय परामर्श। डॉ. नंदनी मीणा (दंत रोग विशेषज्ञ): दांतों की जांच। शिविर के दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और दांतों की जांच के साथ-साथ निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष कुंज बिहारी शर्मा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीताराम मीणा के अनुरोध पर यह पहल की गई, जिससे अधिवक्ताओं, पक्षकारों और कर्मचारियों को काफी राहत मिली।

खेल जगत

पिछले कुछ वर्षों में उन्हें भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों की नागरिकता के प्रस्ताव मिले थे, जिन्हें उन्होंने ठुकरा दिया। आईपीएल 2023 के दौरान उनसे अनौपचारिक रूप से देश बदलने के लिए संपर्क किया गया था। - राशिद खान

अफगानिस्तान के गेंदबाज, इंडियन नागरिकता को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ रुबेल हुसैन

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने पर औपचारिक विदाई दी। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में रुबेल के पूर्व साथी खिलाड़ी और मौजूदा टीम के सदस्य मौजूद रहे। बांग्लादेश क्रिकेट में इस तरह की औपचारिक विदाई कम ही देखने को मिलती है, ऐसे में बीसीबी द्वारा किया गया यह सम्मान खास रहा। रुबेल ने कहा, संन्यास की घोषणा के बाद तमीम इकबाल ने खुद फोन कर मुझे सम्मानित करने की इच्छा जताई।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 598 टेस्ट में से 185 जीते हैं और 188 हारे हैं। राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदों का सामना करने (31,258) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

के.एम. मुंशी मेमोरियल टेनिस टूर्नामेंट : ईशन्वी को स्वर्ण, सुहाना को रजत

जयपुर, 21अप्रैल। विद्याश्रम स्कूल द्वारा आयोजित के. एम. मुंशी मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट में युवा टेनिस खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के टेनिस टूर्नामेंट में मेजबान विद्याश्रम स्कूल की ईशन्वी ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, कड़े मुकाबले में नीरजा मोदी वर्ल्ड स्कूल की सुहाना सिंघवी ने उत्कृष्ट खेल दिखाया और रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर दोनों स्कूलों के खेल प्रशिक्षकों और प्रबंधन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरआर बनाम एसआरएच मैच के लिए 500 के विशेष छात्र टिकट की घोषणा की

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में एसआरएच के खिलाफ अपने आगामी मैच के लिए एक विशेष छात्र टिकट पहल की घोषणा की है, जिसके तहत टिकट की कीमत 500 रखी गई है। यह विशेष बिक्री 23 अप्रैल 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में की जाएगी। छात्र 11:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक स्टेडियम के वेस्ट गेट पर स्थित निर्धारित बॉक्स ऑफिस काउंटर से टिकट खरीद सकते हैं। टिकट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को खरीद के समय अपना वैध स्कूल या कॉलेज आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक आईडी पर केवल एक टिकट ही खरीदा जा सकेगा, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को इस पहल का लाभ मिल सके। इस पहल का उद्देश्य युवा दर्शकों को खेल के और करीब लाना और उन्हें किफायती कीमत पर लाइव आईपीएल मैच का अनुभव देने का अवसर प्रदान करना है। जयपुर में होने वाले आगामी मैचों में दर्शकों को एक ऊर्जावान और रोमांचक स्टेडियम अनुभव मिलने की उम्मीद है।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 195 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। नवदीप सिंह ने 78 और विहान शर्मा ने 30 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 27 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। दिव्यांश ने 27 और सक्षम ने 22 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रतीक सैनी, पार्थ और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच नवदीप सिंह को चुना गया।

एसजे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को हराया

जयपुर 21अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में एस जे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को 84 रनो से हराया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार ताम्बी ने बताया के एल सैनी स्टेडियम पर एस जे पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षत चंदवाल के शानदार दोहरे शतक 203 रन नाबाद (155 गेंद, 24 चौके व 3 छक्के), हर्ष सैनी के 133 रन (92 गेंद, 16 चौके व 5 छक्के) से 50 ओवर में 2 विकेट पर 378 रन बनाए। मिनर्वा क्लब के लिए मोहम्मद शादाब व अमरनाथ सिंह ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मिनर्वा क्लब की टीम ने मोहम्मद शादाब के 36 रन, रियान सेबेस्टियन के 42 रन, अमरनाथ सिंह के 91 रन व रियांश अग्रवाल के 52 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 294 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए दिनेश मीणा ने 26 पर 3, साहिल नायक ने 57 पर 2, गुलजार, मोहित व उमेश मीना ने एक-एक विकेट लिया।

क्रिकेट डीपीएल-2 को किया गया स्थगित

दौसा, 21 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ दौसा सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि जिला क्रिकेट संघ द्वारा डीपीएल -2 का भव्य आयोजन दिनांक 10 5.2026 से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में किया जाना प्रस्तावित था लेकिन राजस्थान क्रिकेट संघ ने इस साल होने वाले टूर्नामेंट का नोटिफिकेशन कल ही जारी किया उसके अंतर्गत 11 मई 2026 से कॉल्विन शील्ड टूर्नामेंट का आयोजन आरसीए द्वारा किया जाएगा जिसमे जिले से सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की टीम चयन करने के लिए ट्रायल मैच और टीम की तैयारी के लिए भी समय चाहिए जिसको देखते हुए डीपीएल-2 का आयोजन स्थगित किया गया है।आगे समय तारीख तय कर सूचित कर दिया जाएगा सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि अभी आरसीए के टूर्नामेंट और उसके बाद बारिश के सीजन को देखते हुए सितंबर अक्टूबर में डीपीएल 2 का भव्य आयोजन जिला क्रिकेट संघ द्वारा करवाया जाना प्रस्तावित है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली को 47 रनों से हराया, अभिषेक के बाद मलिंगा ने बिखेरा जलवा

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 में जीत की हैट्रिक लगा दी है। एसआरएच ने मंगलवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से धूल चटाई। एसआरएच ने 243 रनों का टारगेट दिया। जवाब में जीसी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन बनाए।

इससे पहले, एसआरएच ने दो विकेट के नुकसान पर 242 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तूफानी शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 10 छक्के हैं। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी हैदराबाद टीम को अभिषेक ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने ट्रैविस हेड (26 गेंदों में 37, दो चौके, दो छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी की। हेड को अक्षर पटेल ने नौवें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद, अभिषेक ने कप्तान ईशान किशन (13 गेंदों में 25, दो चौके, एक छक्का) के संग 79 रन जोड़े। ईशान 15वें ओवर में रनआउट हुए। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन ने तीसरे विकेट के लिए 66 रनों की अटूट

पार्टनरशिप की। क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। उनके बल्ले से तीन चौके और तीन छक्के निकले। दिल्ली की ओर से नीतीश राणा सबसे ज्यादा महंगे रहे। उन्होंने चार ओवर में 55 रन लुटाए। मुकेश कुमार ने 53 रन खर्च किए।

ईशान मलिंगा हैट्रिक से चूके, 4 विकेट झटके

ईशान मलिंगा ने 4 विकेट झटके। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर आशुतोष शर्मा (14 रन), ट्रिस्टन स्टब्स (27 रन), नीतीश राणा (57 रन) और डेविड मिलर (जीरो) को पवेलियन भेजा। राणा और मिलर को लगातार बॉल पर आउट करके बाद मलिंगा के पास हैट्रिक का चांस था, लेकिन वे चूक गए।

डीसी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया। आकिब नबी की जगह नीतीश राणा को शामिल किया। एसआरएच ने प्रफुल्ल हिंगे के स्थान पर दिलशान मदुशंका को मौका दिया। एसआरएच ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज मदुशंका को इंग्लैंड के ब्रायडन कार्स के चोटिल होने के कारण रिप्लेसमेंट के रूप में जोड़ा था। हर्ष दुबे की भी वापसी हुई। नियमित कप्तान पैट कमिंस एसआरएच से जुड़ गए हैं लेकिन वह दिल्ली मैच के लिए उपलब्ध नहीं। ईशान किशन फिर से टीम की कमान संभाल रहे हैं। हैदराबाद सातवें और दिल्ली अपने छठे मैच में उतरी है। दोनों टीमों के छह-छह अंक हैं लेकिन एसआरएच बेहतर नेट रनरेट की वजह से पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। डीसी पांचवें पायदान पर है। एसआरएच मंगलवार को जीत की हैट्रिक लगाने की फिराक में होगी जबकि डीसी की कोशिश लय बरकरार रखने पर होगी। हैदराबाद ने अपने पिछले दो मैचों में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स को शिकस्त दी। वहीं, डीसी ने अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया था।

बीसीसीआई के शेड्यूल से नाखुश हैं कोच गौतम गंभीर और शुभमन गिल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के खत्म होने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेंगे। लेकिन कोच और कप्तान इस टेस्ट के शेड्यूल से खुश नहीं हैं। आईपीएल का फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाना है जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट 6 जून से शुरू होना है। अभी तक ये भी तय नहीं है कि कौन-कौन सी टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में अजीत अगरकर की चयन समिति अफगानिस्तान टेस्ट के लिए कुछ रिजर्व खिलाड़ियों को मौका दे सकती है।

गंभीर और गिल पहले भी इतने व्यस्त शेड्यूल का विरोध कर चुके हैं और अब फिर उसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता प्लान बी पर काम कर रहे

हैं। गुरनूर बरार, मानव सुथार, आकिब नबी, देवदत्त पडिक्कल और कुछ अन्य खिलाड़ी इस एकमात्र टेस्ट के लिए सेलेक्टर्स का नजर में हैं, क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। क्योंकि वे आईपीएल खेल रहे हैं और आगे भी लगातार बिजी शेड्यूल है।

वहीं एक सूत्र ने कहा कि, आईपीएल फाइनल और अफगानिस्तान टेस्ट के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों पर ज्यादा बोझ नहीं डालना चाहेंगे, क्योंकि इसके बाद तीन वनडे और फिर इंग्लैंड दौरे पर व्हाइट-बॉल सीरीज है। सूत्र ने बताया कि, अफगानिस्तान टेस्ट में डब्ल्यूटीसी के अंक नहीं मिलेंगे, इसलिए खिलाड़ियों का वर्कलोड संभालना जरूरी है। कुछ खिलाड़ी करीब दो महीने लगातार क्रिकेट खेलेंगे। अभी वनडे और डब्ल्यूटीसी ज्यादा अहम हैं। टीम चाहेगी कि उसके बड़े खिलाड़ी फिट, तरोताजा और श्रीलंका व न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट और बाकी वनडे मैचों के लिए तैयार रहें। ऐसे में इस टेस्ट के लिए बुमराह को जोखिम में डालने का क्या फायदा?

आईपीएल में सीएसके को झटका, हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बाहर हुए आयुष म्हात्रे

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। म्हात्रे को यह चोट हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी। जांच में उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक इस चोट से उबरने में उन्हें 6 से 12 सप्ताह का समय लगेगा, जिससे वह इस सीजन के शेष मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने इस सीजन में शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पावरप्ले के अंतिम ओवरों में तेज रन बनाने के लिए जाने जाते रहे हैं। म्हात्रे ने इस सीजन में 6 मैचों में 201 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 177.88 रहा और उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए।

आईसीसी महिला टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची शेफाली

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर छठा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने डरबन में खेले गए दूसरे मुकाबले में 38 गेंदों पर 57 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें दो छक्के और चार चौके शामिल रहे। हालांकि, शेफाली की इस पारी के बावजूद भारतीय टीम को जीत नहीं मिल सकी और दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। पांच मैचों की श्रृंखला में मेजबान टीम 2-0 से आगे है। वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिसके बाद वह दो स्थान की बढ़त के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ट अब तक श्रृंखला में 105 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं।

मास्को में शिव ने स्वर्ण व धीरज ने जीता रजत पदक

जयपुर, 21 अप्रैल। मास्को, रूस में 15 से 21 अप्रैल 2026 तक आयोजित हुई मास्को वुशु स्टार प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशु संघ व अध्यक्ष राजस्थान वुशु संघ ने बताया कि भारतीय वुशु टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये, शिव ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में सेमीफाइनल में चीन के खिलाडी व फाइनल में रूस के खिलाडी को हरा कर स्वर्ण पदक जीता तथा धीरज चौधरी ने 100 किलोग्राम भारवर्ग में फ़ाइनल में रूस के खिलाडी के साथ खेलते हुये रजत पदक जीत कर देश व राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया। शिव व धीरज की इस उपलब्धि पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशु संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशु संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशु संघ, वुशु कोच राजेश कुमार टेलर व सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17

जयपुरिया विद्यालय व संस्कार एकेडमी जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया विद्यालय ने तारिक एकेडमी को 162 रनो से हराया तथा संस्कार एकेडमी ने एमी एकेडमी को 6 विकेट से हराया। नैना ग्राउंड पर जयपुरिया विद्यालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिनव धनकर के 55 रन, रचित 39 रन, निमिष के 44 रन व अभिषेक बालोत के 46 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 248 रन बनाए। तारिक एकेडमी के लिए रेहान खान व चेतन मीणा ने 2-2 विकेट लिए। जवाबी पारी में तारिक एकेडमी की टीम चेतन मीणा के 11 रन, मोहन सैनी के 21 रनो से 25.3 ओवर में 86 रनो पर सिमट गई। जयपुरिया विद्यालय के लिए समक्ष जैन ने 18 पर 4, ओम शर्मा अभिषेक राठौर ने 13 पर 3, कुशाग्र ने 18 पर 2 विकेट लिए।

दूसरे मैच में नारायण ग्राउंड पर एमी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नयन गिल के 20 रन व कृष यादव के 23 रनो से 19.4 ओवर में 97 रन बनाकर आउट हो गई। संस्कार एकेडमी के लिए गुंजन प्रताप सिंह ने 26 पर 6 विकेट, हर्ष जैन व यशवर्धन ने 2- 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम ने काव्य झालानी के 29 रन, बादल गुर्जर के 23 रन व आयुष सैनी के 12 रनो से सचिव18.2 ओवर में 4 विकेट पर 102 रन बना कर मैच जीत लिया। एमी एकेडमी के लिए मोहम्मद साद व कृष यादव ने 2-2 विकेट लिए।

राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट ने आज जयपुर के अल्बर्ट हॉल में बच्चों और परिवारों से की मुलाकात

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल में आज शाम हल्ला बोल का जोश देखने को मिला, जब राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट मूछ सिंह ने यहां आकर बच्चों और परिवारों के साथ शानदार समय बिताया। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच, अपनी खास मूंछ और जोश से पहचाने जाने वाले मूछ सिंह ने सैकड़ों बच्चों के साथ मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया और उन्हें खूब एंटरटेन किया। मूछ सिंह का शहरभर में चल रहा टूर कल भी जारी रहेगा, जहां फैंस को फिर से गेम्स, मस्ती और गिवअवे का मजा मिलेगा। 22 अप्रैल को यह मस्ती अब शहर के पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशंस-वर्ल्ड ट्रेड पार्क और गौरव टावर में शाम तक जारी रहेगी।

आरसीए राष्ट्रीय स्तर के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिले के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले पुरुष-महिला खिलाड़ियों को देगा अवार्ड : डॉ. मोहित

जयपुर, 21 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी के गठन के साथ ही कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनंजय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवी राज्य के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व युवा खिलाड़ियों को उनके राष्ट्रिय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने हेतु प्रस्साहित करने के साथ बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र से पूर्व राज्य की घरेलू क्रिकेट गतिविधियों को जल्द से जल्द शुरू कर राज्य के युवा खिलाड़ियों को बीसीसीआई क्रिकेट सत्र की तैयारियों के लिए आवश्यक व पर्याप्त अवसर देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार आरसीए/बीसीसीआई क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की राष्ट्रिय पुरुष / महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की विभिन्न आयुवर्ग की पुरुष / महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में जिले के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले राज्य के

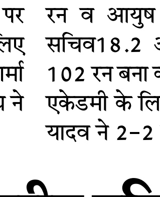

प्रतिभावान पुरुष / महिला खिलाड़ियों का सम्मान कर उनका हौसला बढ़ाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी/बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2026 – 27 से पूर्व राज्य के युवा खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आगामी मई – जून माह में विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष / महिला क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसमे 11 मई से राज्य की प्रतिष्ठित सीनियर कॉल्विन शील्ड राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता, 20 मई से सीनियर महिला राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता, 1 जून से अंडर 19 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता, 15 जून से अंडर 16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता व 25 जून से अंडर 23 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करेगी जिससे राज्य के विभिन्न आयुवर्ग के युवा पुरुष / महिला खिलाड़ियों को आरसीए की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में अपना शानदार प्रदर्शन कर बीसीसीआई के आगामी क्रिकेट सत्र 2026 – 27 से पूर्व तैयारियों के लिए आवश्यक समय व प्लेटफार्म मिलेगा।

अभिषेक बने आईपीएल 2026 के 'सिक्सर किंग'

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा 2026 के सिक्सर किंग बन गए हैं। उन्होंने रजत पाटीदार से यह ताज छीना। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में 10 चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 135 रनों की पारी खेली। अभिषेक आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह जारी सीजन में अब तक सात मैचों में 27 छक्के लगा चुके हैं।

नोवाक जोकोविच ने की विराट कोहली की तारीफ, कहा- उनके कारण ही क्रिकेट को फॉलो करता हूं

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टेनिस आइकन नोवाक जोकोविच इन दिनों क्रिकेट को फॉलो कर रहे हैं। जिसकी वजह भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं। खेल की दुनिया का ऑस्कर कहे जाने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स से इतर एक भारतीय न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए जोकोविच ने किंग कोहली की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से ही उन्होंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने साथ में ये उम्मीद भी जताई की जब भी वह कभी भारत आएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। साथ ही टेनिस स्टार ने जल्द ही भारत आने की बात कही है। नोवाक जोकोविच ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा कि, विराट कोहली मेरे दोस्त हैं और ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया लेकिन उनके जरिए और ज्यादा फॉलो करना शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी भारत आऊंगा, मैं कहना तो नहीं चाहता लेकिन मैं जब भी भारत आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और स्पोर्ट का आनंद लेते हुए पॉजिटिव, गुड वाइब्स फैलाएंगे। वहीं नोवाक ने खुद को भारत का फैन बताया। उन्होंने बताया कि वह जल्दी ही भारत आने का भी प्लान कर रहे हैं जिसका वह लंबे समय से फैन रहे हैं।

ईशान किशन के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। ईशान किशन को आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी करना पड़ रहा है। उन्होंने इस सीजन के अब तक 6 मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की है और इस दौरान एक अनचाहा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इन 6 मुकाबलों में ईशान किशन की किस्मत ने बिल्कुल साथ नहीं दिया है। दरअसल, ईशान किशन आईपीएल 2026 में अब तक जितने भी मैचों में कप्तानी की है उनमें से एक में भी सिक्का उनके पक्ष में नहीं गिरा है। यानी वे सभी 6 मुकाबलों में टॉस जीतने में असफल रहे हैं। इसके साथ किशन आईपीएल के इतिहास के पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्होंने कप्तानी करते हुए अपने पहले 6 मुकाबलों में लगातार टॉस नहीं जीता है। इससे पहले साल 2016 में डेविड मिलर ने पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए अपने शुरुआती 5 टॉस गंवाए थे। जो एक रिकॉर्ड था लेकिन अब इस रिकॉर्ड को ईशान किशन ने तोड़ दिया है और वे आईपीएल के इतिहास के अपने शुरुआती 6 मुकाबलों में एक भी टॉस ना जीतने वाले पहले कप्तान बने हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह अवमानना के दोषी, दिल्ली उच्च न्यायालय सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी। अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया। उन्होंने अपनी इस याचिका पर हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों को याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे कि वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन चार जुलाई, 2025 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया। इसमें पाया गया कि कथित तौर पर बाद की किसी भी घटना से अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिंक प्रदान करने के अपने दायित्व से छूट नहीं मिलती, जबकि उन्होंने निर्देश में संशोधन की मांग भी नहीं की थी।

फ्रेंच ओपन 2026 : चोट के चलते रोलां गैरों से बाहर हो सकते हैं कार्लोस अल्कराज

पेरिस, 21 अप्रैल। मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने संकेत दिए हैं कि वह अपनी कलाई की गंभीर चोट के कारण इस साल के फ्रेंच ओपन (रोलां गैरों) में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा है कि वह जल्दबाजी में वापसी करने के बजाय पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहते हैं। अल्कराज को पिछले सप्ताह बार्सिलोना क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटना पड़ा, जब एक रिटर्न खेलते समय उनकी कलाई में समस्या आ गई। बाद में जांच में चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर निकली। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से भी नाम वापस ले लिया, जिससे 18 मई से शुरू होने वाले रोलां गैरों में उनके खेलने पर संदेह गहरा गया है। सोमवार को एक समारोह के दौरान उन्होंने कहा,मैं थोड़ा डर से लेकिन पूरी तरह फिट होकर वापसी करना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि जल्दबाजी में लौटकर खुद को और नुकसान पहुंचाऊं। उन्होंने आगे कहा,मेरा करियर अभी लंबा है। अगर मैं इस रोलां गैरों में खुद पर ज्यादा दबाव डालता हूं, तो इसका असर आगे के टूर्नामेंट पर पड़ सकता है।

कार्यालय मुख्य अभियंता एवं महानिदेशक,
सिंचाई प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, दादाबाड़ी रोड, कोटा
टेलीफोन नं. 0744-2500682 Email:ceimti.kota@rajasthan.gov.in
क्रमांक-एफ. इलपए. एम.आई. /निविदा/2026-27/28-34 दिनांक-15/04/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01 वर्ष 2026-27
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य अनुमानित लागत राशि रू. 19.98 लाख हेतु अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है।
निविदाएं ऑनलाइन वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 17.04.2026 प्रातः 11.00 बजे से 06.05.2026 सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदाएँ इस वेबसाइट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 06.05.2026 सांय 6.00 बजे तक अपलोड (जमा) की जा सकेंगी। वेबसाइट पर निविदा दिनांक 07.05.2026 को सायं 3.00 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर निविदाएं खोली जावेगी।
उपरोक्त निविदा www.dipr.rajasthangov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in/imti पर भी जानी है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (DSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
NIB Code: WRD2627A0009
कार्य का यू.बी.एन. नम्बर- WRD2627WSOB00008
अतिरिक्त निदेशक
हाइड्रोलॉजी एण्ड वाटर मैनेजमेन्ट
इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
DIPR/C/7087/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण सांभरलेक जयपुर
क्रमांक :-50-57 दिनांक :-16.04.2026
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 01 / 2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 (MJSA2.0) Ph-II ब्लॉक जोबनेर जिला जयपुर अन्तर्गत स्वीकृत Farm Pond/Khet Talai (with HDPE Sheet) निर्माण कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में सार्वजनिक निर्माण विभाग / जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग / जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग / स्थानीय निकायों में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के लिए अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग /डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 17.04.2026 प्रातः 10.00 से दिनांक 27.04.2026 को सांय 06:00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाऐं दिनांक 28.04.2026 को सुबह 11:00 बजे कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाईट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।
NIB CODE:-WSC2627A0088 (बलबीर सिंह)
UBN NO:- WSC2627WSOB00143 अधिशाषी अभियन्ता, जलग्रहण
DIPR/C/7120/2026 विकास एवं भू संरक्षण सांभरलेक (जयपुर)

दिल्ली -मुंबई एक्सप्रेस-वे पर टक्कर में जयपुर के 6 लोग घायल

- दादी का फाटक के बिजनेस मैन पुनीत अग्रवाल परिवार सहित हरिद्वार से लौट रहे थे।

अलवर, 21 अप्रैल (निसं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार बिजनेसमैन परिवार के छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिकअप को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

बड़ौदामेव थाना प्रभारी मोहन गुर्जर ने बताया कि एक्सीडेंट तड़के साढ़े चार से पांच बजे के बीच में हुआ है। जयपुर के दादी का फाटक निवासी बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल (42) अपनी मां अल्का अग्रवाल (66), पत्नी बबीता अग्रवाल (38) और पुत्र सौम्य (9) और लक्ष्य (11) के साथ हरिद्वार घूमने गए थे। बिजनेसमैन परिवार मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिद्वार से जयपुर लौट रहा था। एक्सप्रेस-वे पर अचानक एक पिकअप उनकी अर्टिगा कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार चला रहे जयपुर निवासी अमित चौधरी ने कार का संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप व ट्रक वाले फरार हो गए।

बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल के बेटे लक्ष्य ने बताया कि उनके पापा को सबसे ज्यादा चोटें आई हैं। पिकअप वाले मौके से भाग गए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिर उनको अस्पताल पहुंचाया गया। राहगीरों ने घायलों की मदद की। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पूर्व क्रिकेटर व तृणमूल सांसद युसुफ पठान के ससुर व साले मुम्बई में गिरफ्तार हुए

दोनों पर तीन अन्य व्यक्तियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है

- घटना भायकला की है, जहां सड़क पर पानी भरा हुआ था वहां से एक कार गुजरी और पानी के छींटे युसुफ पठान के ससुर व साले पर पड़ गए फिर उन्होंने कार में सवार तीन लोगों से मारपीट की।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद युसुफ पठान के ससुरालियों को आज मुंबई में एक परिवार के तीन सदस्यों पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पठान के ससुर और साले उनके खिलाफ आरोपी हैं कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों को पीटा, क्योंकि उनकी कार से पानी छिड़क गया था।

घटना मुंबई के भायकला क्षेत्र की है। किसी अन्य युसुफ पठान द्वारा चलाई जा रही कार के गुजरने पर खालिद पठान और शोएब खान, जो पूर्व क्रिकेटर के ससुर और साले हैं- पर सड़क पर जमा कीचड़ के छींटे पड़ गए। इसके बाद पहले तो मौखिक विवाद हुआ और फिर झगड़ा हो गया। पीड़ित पक्ष के सलमान ने बताया "मेरा भाई युसुफ पठान और मैं डिनर से लौट रहे थे, तभी कुछ कीचड़ शोएब नामक व्यक्ति पर छिटक गया।" "हमने कार रोकी और माफी मांगी, लेकिन शोएब ने नहीं सुना और हमारी कार की विंडशील्ड तोड़ दी।"

जब पीड़ित, युसुफ पठान और उनके परिवार के सदस्य पुलिस स्टेशन जाने के लिए बाहर निकले, तो उन पर हमला किया गया।

पीड़ित ने बताया, "जब मेरे पिता और मैं अपने भाई को अस्पताल ले जा रहे थे, आठ से नौ हथियारबंद व्यक्ति सामने आए और हम पर हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने हम तीनों को पीटा।"

खालिद और शोएब पर आरोप है कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से परिवार पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दीं और फिर मौके से फरार हो गए।

शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ टूट गया, जिसे डॉक्टरों के अनुसार ठीक होने में एक साल लग सकता है। पीड़ितों को जेजे अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीत होता है कि विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की परीक्षा हैं। दूसरी ओर, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे किसी भी अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और प्रधानमंत्री के पक्ष में खड़े होने के लिए तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों को डराने के लिए केन्द्रीय जाँच एजेंसियों (ईडीसीबीआई आदि) का डर पैदा कर रहे हैं। फिर भी, भाजपा का शोर और तेज़ हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता यह मान रहे हैं कि खड़गे और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने "मोदी को आतंकवादी कहकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया।"

चेन्नई में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार करते समय, खड़गे ने कथित रूप से मोदी को "आतंकवादी" बताया और कहा कि भाजपा समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। उन्होंने पूछा, "वे (एआईडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमज़ोर कर रहे हैं।" बाद में खड़गे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि मोदी अन्य राजनीतिक दलों को केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के इस्तेमाल के डर से आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तिल का ताड़ बना रही है।

केरल में पटाखा युनिट में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर के विख्यात उत्सव की तैयारी के लिए युनिट में बड़े पैमाने पर पटाखे बन रहे थे

- धमाका बहुत शक्तिशाली था कई किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और फिर कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

त्रिशूर, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्टरी में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएं ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव दलों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि वहां लगभग 40 मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम किया गया था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त वहां इतने लोग मौजूद रहे होंगे।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विस्फोट एक अस्थायी शेड में हुआ, जहां पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। हालांकि, विस्फोट के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है।

'सीजेआई सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग लिया, जिनमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश ने इस भूमिका में आने वाली चुनौतियों और कड़ी मेहनत के बारे में बात की। न्यायाधीश सुंदरेश ने तमिल में कहा कि इतने विशाल देश का मुख्य न्यायाधीश होना आसान काम नहीं है। उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की दिनचर्या को उजागर करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करते हैं, रात को लगभग 3 बजे सोते हैं और फिर सुबह 7 बजे उठ जाते हैं। "बार एंड बैंच" की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने भारत की न्यायिक प्रणाली में निचली अदालतों की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जबकि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून को आकार देते हैं, जिला अदालतें इसे लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक अर्थ देती हैं। अधिकांश नागरिकों के लिए जिला अदालतें न्याय तक पहुँचने का पहला और अक्सर एकमात्र साधन होती हैं, जिससे ये न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ बनती हैं।

'महिला की "आउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद मतदाता सूची से बाहर कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत (याचिकाकर्ता की ओर से) की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

जुडिशियल ऑफिसर द्वारा 27 मार्च को याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज करने के आदेश पर आपत्ति जताते हुए, वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास पासपोर्ट है, वह 2002 की मतदाता सूची का हिस्सा रही है और तब से लगातार मतदान कर रही है। फ़रासत ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता केवल सीमित राहत की मांग कर रही हैं, यानी विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई की, क्योंकि सूची 27 अप्रैल को बंद हो जाएगी। जब सीजेआई ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, तो याचिकाकर्ता ने उत्तर दिया, "हाँ, मैंने 3 अप्रैल को आवेदन किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश सुनवाई नहीं हुई। मैं केवल यह अधिकार (आउट-ऑफ-टर्न सुनवाई) चाहती हूँ और मैं आगे न्यायालय में आगे बढ़ूँगी।"

प्र.मंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कांग्रेस ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर नोटिस भेजा

- वेणुगोपाल ने कहा संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद में किसी सांसद के भाषण या मतदान पर संसद के बाहर टिप्पणी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पैटर्न पर सवाल उठाए।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए, बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था।

वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परिसीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।

सीवर में सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों की पुनः समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने सी.डी.यू. (क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट) में लगी आग को तत्परता से काबू में करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पाना बड़ी राहत की बात है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (एचपीसीएल) के अधिकारियों द्वारा दी गई प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग से हुआ नुकसान सीमित क्षेत्र तक ही रहा है और स्थिति अब नियंत्रण में है। अधिकारियों ने बताया कि रिफाइनरी के अन्य हिस्से सुरक्षित हैं और जल्द ही सामान्य संचालन बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी परियोजना के शीघ्र पुनः संचालन के लिए एचपीसीएल को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए बेहद अहम है, इसलिए इसकी गति को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2023 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दोपहर के समय उसकी पत्नी सोकर उठी तो कमरे में पन्द्रह वर्षीय पुत्री नहीं थी। जब उसकी तलाश करते हुए, वह छत पर गई तो वहां अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना के दिन ही अभियुक्त को गिरफ्तार किया और बाद में अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अभियोजन पक्ष की कहानी दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ पहले भी दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता को डरा धमकाकर चुप करा दिया था। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया।

ईरान युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हैं। इस प्रकार, स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने दो ईरानी जहाज जब्त कर लिए हैं, एक ओमान की खाड़ी में और दूसरा हिन्द महासागर में।

ट्रम्प ने औपचारिक इंटरव्यू में कहा कि चीन युद्ध सामग्री ईरान भेज रहा प्रतीत होता है। उन्होंने चीन को लेकर अपनी अप्रसन्नता और निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हें लगता था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके बीच ईरान को युद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर ठीक-ठाक समझबूझ है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ईरान को उन्नत गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियाँ भेज रहा था। ट्रम्प ने आगे चेतावनी दी कि यदि चीन ने ऐसा किया तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पहले चेतावनी दी थी कि यदि चीन ईरान को किसी आपूर्ति में शामिल हुआ तो उस पर 50 शुल्क लगाया जा सकता है।

ईरान ने वार्ता शुरू होने से पहले अपने जहाजों की तत्काल रिहाई की मांग की है। दूसरी ओर, अमेरिका वार्ता शुरू होने से पहले ईरानी मांगों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। दोनों देशों के बीच यह ज़ुबानी लड़ाई इस तथ्य के संदर्भ में हो रही है कि ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार तक समाप्त होने वाला है।

दोनों पक्ष वार्ता से पहले अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी पावर प्रोजेक्ट, पुल और अन्य बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी फिर से शुरू करने की गंभीर धमकियां दे रहे हैं और ईरानी सैन्य प्रवक्ताओं ने फिर से युद्ध के लिए तैयार होने का संकेत दिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध एक बार शुरू हो जाने पर मुश्किल से नियंत्रित किया जा सकेगा और यह दिशाहीन भी हो सकता है।

हाईकोर्ट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपए की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। भारी पुलिस जाब्ता था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बाउंड्री वॉल, कोठरियां और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। परंतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी।

इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण की सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आश्वस्त किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पज़ेशन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-टू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"हमने अभी तक घबराने का बटन नहीं दबाया है। अब अभियान के अंतिम 10 दिन हैं। हम इसे अपने अभियान पर असर डालने नहीं देंगे।"

एक अन्य स्रोत ने कहा कि आई-पैक को पार्टी की जीवनरेखा कहना अतिशयोक्ति है, और यह नोट किया कि कुछ कमी है, लेकिन वैकल्पिक सिस्टम अब सक्रिय हैं।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि कई आई-पैक पेशेवर अब भी उनके साथ काम कर रहे हैं, और अधिकांश घर या दूरस्थ स्थानों से अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

आई-पैक के हालिया कार्य का केन्द्र विनीश चंदेल, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह सहित एक मुख्य नेतृत्व समूह रहा है। चंदेल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य को ईडी द्वारा समन भेजे गए हैं। इनमें प्रतीक जैन तृणमूल के अभियान तंत्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपनी तीक्ष्ण डेटा अंतर्दृष्टि और मतदाता भावना की गहन समझ के लिए आंतरिक रूप से जाने जाने वाले जैन, अभिषेक बनर्जी के उदय के इर्द-गिर्द रणनीति बनाने में गहराई से शामिल रहे हैं।

उन्होंने "नबो जोवार" अभियान जैसे आउटरीच प्रयासों के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राज्यव्यापी यात्रा के इर्द-गिर्द बनाई गई थी और बनर्जी को जमीनी कनेक्ट वाला नेता दिखाती थी। जैन 2023 पंचायत चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों के रणनीति का भी केन्द्र बिंदु रहे, जहाँ तृणमूल ने अपनी संख्या बढ़ाई, जिससे उनकी पार्टी के वॉर रूम में प्रभावशीलता मजबूत हुई।

वर्ष 2024 में तृणमूल ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने समझा कि 2018 के पंचायत चुनावों में हुई हिंसा ने 2019 में 18 सीटें जीतने में मदद की थी। प्रतीक जैन ने पार्टी की रणनीति को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस बीच, द्रमुक के लिए ऋषिराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आई-पैक और पार्टी नेतृत्व के बीच मुख्य इंटरफेस के रूप में काम किया। सूत्रों के अनुसार, उनकी निर्णयकर्ताओं तक सीधे पहुँच थी, विशेष रूप से मुख्यमंत्री तक, और वे तमिलनाडु में अभियान रणनीति को समन्वित करने में गहराई से शामिल थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि कंसल्टेंसी की इनपुट और द्रमुक की आंतरिक मशीनरी में तालमेल बना रहे।

उनकी भूमिका विशेष रूप से डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि को जमीनी राजनीतिक संदेश और अभियान की प्रभावशीलता की माप के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण हो गई। तमिलनाडु में, द्रमुक पार्टी शो टाइम कंसल्टिंग के रॉबिन शर्मा के साथ भी काम कर रही है, जिन्होंने पहले एकनाथ शिंदे और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के अभियान संभाले हैं।

पश्चिम बंगाल में छापों को लेकर राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट रहा है। तृणमूल के एक सूत्र ने कहा, "यहाँ काम करने वाले अधिकांश युवा बांग्ला हैं... यह भाजपा के लिए ही उल्टा पड़ने वाला है।" वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने यह भी रेखांकित किया कि पार्टी आई-पैक से जुड़े युवा पेशेवरों के प्रति सजग है और उनके करियर को किसी भी जोखिम में नहीं डालने देगी।

तमिलनाडु में, द्रमुक ने इसी तरह की सावधानी बरती है। जबकि आई-पैक अभी भी शामिल है, पार्टी की आंतरिक इकाई, जिसे अक्सर पीईएन कहा जाता है और जो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दामाद सबरीसन द्वारा देखी जाती है, ने हाल के महीनों में अधिक भूमिका निभाई है। एक द्रमुक सूत्र ने कहा, आई-पैक और पीईएन अभियान संबंधी कार्यों में बहुत निकटता से काम करते हैं।"

अभी के लिए, दोनों पार्टियां सावधानीपूर्वक चल रही हैं। जमीनी स्तर पर अभियान गतिविधि स्थिर बनी हुई है, भले ही छापों के बाद आई-पैक का शीर्ष नेतृत्व के साथ जुड़ाव कम दिखाई दे। रणनीति स्पष्ट है, जोखिम को कम करना, आंतरिक क्षमता को अधिकतम करना, और चुनावी इंजन को चालू रखना। सामान्य रूप से यह अस्थिरता लग सकती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह सामान्य व्यवसाय जैसा ही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908